लेखाशास्त्र

वित्तीय लेखांकन

भाग – 2

© NCERT
not to be republished

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Reprint 2026-27

11113 – लेखाशास्त्र (भाग 2)
कक्षा 11 के लिए पाठ्यपुस्तक

ISBN 81-7450-557-1 (भाग-1)
ISBN 81-7450-599-7 (भाग-2)

प्रथम संस्करण
जुलाई 2006 आषाढ़ 1928

पुनर्मुद्रण
जनवरी 2007, नवंबर 2007, जनवरी 2009, जनवरी 2010, जनवरी 2011, मार्च 2019, सितंबर 2019 और जनवरी 2021

संशोधित संस्करण
अक्तूबर 2022 कार्तिक 1944

पुनर्मुद्रण
अप्रैल 2024 वैशाख 1946
फरवरी 2025 फाल्गुन 1946

PD 5T M

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2006, 2022

₹ **65.00**

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा वीके ग्लोबल डिजिटल, प्लॉट नंबर-928, सेक्टर-68, आई.एम.टी. फरीदाबाद, हरियाणा 121004 द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरु 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगांव
गुवाहाटी 781021 फोन : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	*एम.वी. श्रीनिवासन*
मुख्य संपादक	:	*बिज्ञान सुतार*
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी)	:	*जहान लाल*
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	*अमिताभ कुमार*
सहायक संपादक	:	*गोबिन्द राम*
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	*सायुराज ए.आर.*

आवरण
श्वेता राव

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाये हुए है। नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मजबूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नये ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए जरूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक जिंदगी और कार्यशैली में काफी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उनता ही जरूरी है जितनी वार्षिक केलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती हैं। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती है।

एन. सी. ई. आर. टी. इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति के

© NCERT not to be republished

अध्यक्ष प्रोफ़ेसर हरि वासुदेवन और इस पाठ्यपुस्तक समिति के मुख्य सलाहकार प्रोफ़ेसर आर. के. ग्रोवर की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान किया, इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रोफ़ेसर मृणाल मीरी एवं प्रोफ़ेसर जी.पी. देशपांडे की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित एन.सी.ई.आर.टी. टिप्पणियों एवं सुझाावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
20 दिसंबर 2005

© NCERT
not to be republished

पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन

कोविड–19 महामारी को देखते हुए, विद्यार्थियों के ऊपर से पाठ्य सामग्री का बोझ कम करना अनिवार्य है। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020* में भी विद्यार्थियों के लिए पाठ्य सामग्री का बोझ कम करने और रचनात्मक नज़रिए से अनुभवात्मक अधिगम के अवसर प्रदान करने पर ज़ोर दिया गया है। इस पृष्ठभूमि में, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने सभी कक्षाओं में पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित करने की शुरुआत की है। इस प्रक्रिया में रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा पहले से ही विकसित कक्षावार सीखने के प्रतिफलों को ध्यान में रखा गया है।

पाठ्य सामग्रियों के पुनर्संयोजन में निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखा गया है –

- एक ही कक्षा में अलग–अलग विषयों के अंतर्गत समान पाठ्य सामग्री का होना;
- एक कक्षा के किसी विषय में उससे निचली कक्षा या ऊपर की कक्षा में समान पाठ्य सामग्री का होना;
- कठिनाई स्तर;
- विद्यार्थियों के लिए सहज रूप से सुलभ पाठ्य सामग्री का होना, जिसे शिक्षकों के अधिक हस्तक्षेप के बिना, वे खुद से या सहपाठियों के साथ पारस्परिक रूप से सीख सकते हों;
- वर्तमान संदर्भ में अप्रासंगिक सामग्री का होना।

वर्तमान संस्करण, ऊपर दिए गए परिवर्तनों को शामिल करते हुए तैयार किया गया पुनर्संयोजित संस्करण है।

© NCERT
not to be republished

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता**

और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) ''राष्ट्र की एकता'' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति

हरि वासुदेवन, *प्रोफ़ेसर,* इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता

मुख्य सलाहकार

आर.के. ग्रोवर, *प्रोफ़ेसर* (सेवानिवृत), स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, इग्नू नयी दिल्ली

सदस्य

अमित सिंघल, *लेक्चरर,* रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

अश्विनी कुमार काला, *पी.जी.टी.* वाणिज्य, हीरालाल जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सदर बाजार, दिल्ली

ए.के. बंसल, *रीडर,* पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, नेहरू नगर, नयी दिल्ली

ईश्वर चंद, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* सर्वोदया बाल विद्यालय, वेस्ट पटेल नगर, नयी दिल्ली

के. संबसिवा राव, *प्रोफ़ेसर,* वाणिज्य विभाग, आंध्रा विश्वविद्यालय, विशाखापटनम्

डी.के. वेद, *प्रोफ़ेसर,* सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. नयी दिल्ली

दीपक सहगल, *रीडर,* दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

पी.के. गुप्ता, *रीडर,* प्रबंध शिक्षा विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली

एम. श्रीनिवास, *प्रोफ़ेसर,* वाणिज्य विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद

राजेश बंसल, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* रोहतगी, ए. वे. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नयी सड़क, दिल्ली

वनीता त्रिपाठी, *लेक्चरर,* वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

एस.के. शर्मा, *रीडर,* खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

एस.एस. सहरावत, *सहायक आयुक्त,* केंद्रीय विद्यालय संगठन, चंडीगढ़

सुशील कुमार, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* सर्वोदय बाल विद्यालय, कैलाश पुरी, दिल्ली

सविता शंगारी, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* ज्ञान भारती स्कूल, साकेत, नयी दिल्ली

शिव जुनेजा, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* निरंकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पहाड़गंज, नयी दिल्ली

एच.वी. झांब, *रीडर,* खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

हिंदी अनुवाद

विनीता दत्त, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* राजकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय, ऐ. ब्लॉक, सरस्वती विहार, नयी दिल्ली

मनवीर सिंह राणा, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* गंगा इंटरनेशनल स्कूल, हीरण कूदना, रोहतक रोड, दिल्ली

एस.के. बंसल, *पी.जी.टी., कॉमर्शियल* उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दरियागंज, दिल्ली

राजेश बंसल, *पी.जी.टी. वाणिज्य,* ऐ.वी. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नयी सड़क, दिल्ली

देवेन्द्र कुमार त्रिवेदी, 29, ई-18, वार्ड नं.1, महरौली, नयी दिल्ली

सदस्य-समन्वयक

शिप्रा वैद्या, *एसोसिएट प्रोफ़ेसर (वाणिज्य),* सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नयी दिल्ली।

© NCERT
not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, इस पुस्तक के निर्माण एवं पुनरीक्षण में सहयोग देने हेतु पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति का आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, सविता सिन्हा, *प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष* (सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग) के प्रति भी अपनी कृतज्ञता अर्पित करती है, जिन्होंने प्रत्येक स्तर पर इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में अपना अमूल्य सहयोग दिया।

यतेन्द्र कुमार यादव, कॉपी एडीटर; दीप्ती शर्मा, नौशाद अहमद, प्रूफ रीडर के सहयोग हेतु अपना हार्दिक आभार ज्ञापित करती है, जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक को पूर्ण रूप देने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इसी संदर्भ में प्रकाशन विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. का सहयोग भी उल्लेखनीय है।

हम उन सभी वाणिज्य शिक्षकों के भी आभारी हैं, जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक की क्यू.आर. कोड की अतिरिक्त पाठ्य सामग्री तैयार करने में अपना योगदान दिया है।

© NCERT not to be republished

विषय सूची
लेखाशास्त्र - भाग 1

अध्याय 1	लेखांकन-एक परिचय	1
अध्याय 2	लेखांकन के सैद्धांतिक आधार	24
अध्याय 3	लेन-देनों का अभिलेखन-1	47
अध्याय 4	लेन-देनों का अभिलेखन-2	103
अध्याय 5	बैंक समाधान विवरण	175
अध्याय 6	तलपट एवं अशुद्धियों का शोधन	205
अध्याय 7	ह्रास, प्रावधान और संचय	253

© NCERT not to be republished

विषय-सूची

आमुख *iii*

अध्याय 8 वित्तीय विवरण – 1 **309**

8.1 पणधारी और उनकी सूचना आवश्यकतायें 309
8.2 पूँजी और आगम के मध्य भेद 311
8.3 वित्तीय विवरण 313
8.4 व्यापारिक व लाभ और हानि खाता 315
8.5 प्रचालन लाभ 329
8.6 तुलन-पत्र 333
8.7 प्रारंभिक प्रविष्टि 341

अध्याय 9 वित्तीय विवरण - 2 **353**

9.1 समायोजन की आवश्यकता 353
9.2 अंतिम स्टॉक 355
9.3 बकाया व्यय 357
9.4 पूर्वदत्त व्यय 359
9.5 उपार्जित आय 360
9.6 अग्रिम प्राप्त आय 362
9.7 ह्रास 363
9.8 डूबत ऋण 364
9.9 संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान 366
9.10 देनदारों पर बट्टे का प्रावधान 369
9.11 प्रबंधक कमीशन 370
9.12 पूँजी पर ब्याज 373

© NCERT not to be republished

भाग 4क[1]

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है;

(च) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्यजीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणि मात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;

[2][(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे।]

[1] संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 11 द्वारा (3.1.1977 से) अंत:स्थापित।

[2] संविधान (छियासीवां संशोधन) अधिनियम, 2002 की धारा 4 द्वारा (1.4.2010 से) अंत:स्थापित।

Reprint 2026-27

11113CH09

वित्तीय विवरण – 1

8

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय को पढ़ने के उपरांत आप:

- वित्तीय विवरणों के कथनों की प्रकृति को समझ पायेंगे;
- विभिन्न पणधारियों की पहचान और उनसे संबंधित आवश्यक सूचनाओं को समझ पायेंगे;
- पूँजी और आगम व्यय तथा प्राप्ति के मध्य अन्तर कर पायेंगे;
- व्यापारिक व हानि और लाभ खाते की अवधारणा और उसको कैसे तैयार किया जाता है, की व्याख्या कर पायेंगे;
- सकल लाभ, निवल लाभ और प्रचालन लाभ की कथनों की प्रकृति को समझ सकेंगे;
- तुलन-पत्र की अवधारणा और इसको तैयार करने की विधि को समझ सकेंगे;
- परिसम्पत्तियों तथा दायित्वों को ठीक ढंग से समूह में रखना समझ सकेंगे;
- एकल स्वामित्व व्यवसाय के लाभ और हानि खातों तथा तुलन-पत्र तैयार करने की विधि को समझ सकेंगे;
- प्रारंभिक प्रविष्टियों को तैयार कर सकेंगे।

आप पढ़ चुके हैं कि वित्तीय लेखांकन एक सुपरिभाषित क्रमिक प्रक्रिया है जो रोजनामचा (जरनलाइजिंग) खतौनी और तलपट (प्रथम श्रेणी पर शेषों और उनके संक्षिप्तीकरण) को तैयार करने से प्रारंभ होती है। इस अध्याय में आप वित्तीय विवरण को तैयार करना और विभिन्न पणधारियों से संबंधित विभिन्न प्रकार की आवश्यक सूचनाओं, पूँजी और आगम मदों के मध्य अन्तर और इनकी उपयोगिता तथा वित्तीय विवरणों के प्रकार व इन्हें तैयार करने की विधि समझ सकेंगे।

8.1 पणधारी और उनकी सूचना आवश्यकतायें

अध्याय-1 से याद करें (वित्तीय लेखांकन-भाग I) कि व्यापार का उद्देश्य यह है कि पणधारियों को उनकी अर्थपूर्ण सूचनाओं को पहुँचाना जिनकी सहायता से वे सही निर्णय ले सकें। पणधारी प्रत्येक वह व्यक्ति है जो व्यापार से जुड़ा है। विभिन्न पणधारियों के हित मुद्रा अथवा गैर-मुद्रा संबंधी हो सकते हैं अथवा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भी हो सकते हैं। वह व्यक्ति जो व्यवसाय के लिये धन देता है उसका हित मुद्रा संबंधी होता है। सरकार, उपयोगकर्ता अथवा अनुसंधानकर्ता के हित व्यापार में गैर मुद्रा संबंधी होंगे। पणधारियों को उपयोगकर्ता के रूप से जाना जाता है जिन्हें सामान्यत: आन्तरिक और बाह्य उपयोगकर्त्ता के तौर पर वर्गीकृत किया जाता है जो, इस बात पर निर्भर करता है कि वह व्यापार के

© NCERT not to be republished

अन्दर है या बाहर है। प्रत्येक उपयोगकर्ता का व्यापार करने का उद्देश्य अलग-अलग होता है। अतः इन्हें अलग-अलग प्रकार की सूचनाओं की आवश्यकता होती है। संक्षिप्त रूप से विभिन्न उपयोगकर्ताओं को व्यापार से संबंधित विभिन्न वित्तीय विवरणों से सूचनाओं की आवश्यकता होती है।

नाम	*आंतरिक/वाह्य उपयोगकर्ता*	*व्यापार में भागीदारी का उद्देश्य*	*लेखांकन सूचना आवश्यकताएं*
वर्तमान स्वामी	आंतरिक	व्यापार में निवेश और उससे समृद्धि ।	व्यापार के गत लेखांकन सत्र के लाभ की जानकारी, परिसंपत्ति/दायित्व की वर्तमान स्थिति की अहम जानकारी।
प्रबंधक	आंतरिक	पेशेवर स्वामी के प्रतिनिधि।	लेखांकन सूचना के वित्तीय विवरण के रूप में जैसे प्रतिवेदन के रूप में कार्य कार्ड और लाभ तथा वित्तीय स्थिति की अहम जानकारी।
सरकार	बाह्य	इसका कार्य व्यवस्थापक के रूप में जनहित कानूनों को तैयार करना।	सभी पणधारियों के हितों को सुरक्षित रखना। चूंकि सरकार व्यापार करों को लगाती है, अतः ये व्यापार में होने वाले लाभ में विशेष रुचि रखते हैं इसके अतिरिक्त कई जानकारियों को भी प्राप्त करते हैं।
प्रत्याशित स्वामी	बाह्य	समृद्धि की दृष्टि से व्यापार में धन निवेश में रुचि रखता है।	व्यापार के गत लाभों तथा वित्तीय स्थिति के साथ भविष्य के निष्पादन से संबंधित सूचनाएं प्राप्त करने की इच्छा।
बैंक	बाह्य	बैंक के मूलधन की सुरक्षा और समयावधि के साथ उसकी प्राप्ति में रुचि रखता है।	बैंक को लाभ में रुचि होती है क्योंकि इसी से उसकी ब्याज के साथ मूलधन की वापसी निश्चित होती है व्यापार में संपत्ति व मुद्रा की तरलता को भी रखता है।

लेखांकन सूचना के विभिन्न उपयोगकर्ताओं का विश्लेषण

बॉक्स - 1

लेखांकन प्रक्रिया (तलपट तक)

1. सौदों को जानना जिन्हें अभिलेखित किया गया है।
2. रोजनामचे में सौदों को लिखना सिर्फ उन्ही सौदों को अभिलेखित करें जिनमें मुद्रा का आदान-प्रदान हुआ हो। अभिलेखन में प्रयोग आयी प्रणाली को द्वि-प्रविष्ट-प्रणाली कहते हैं। जहां पर दो तथ्य (जमा व नाम) प्रत्येक सौदे में लिखे जाते हैं। दो बार प्रयोग में आये एक ही प्रकार के सौदे को सहायक पुस्तक में लिखा जाता है जिसे सहायक रोजनामचा कहते हैं। सभी सौदों को रोजनामचा में लिखने के अलावा सहायक रोजनामचा में भी लिखा जाता है। उदाहरण - व्यापार की सभी साख विक्रय को बिक्री पुस्तक में औंर सभी साख क्रय

को क्रय पुस्तक में लिखा जायेगा। सहायक पुस्तक का एक और उदाहरण विक्रय वापसी पुस्तक, क्रय वापसी पुस्तक है। एक अन्य विशिष्ट पुस्तक रोकड़ बही है जिसमें बैंक के साथ सभी सौदों को लिखा जाता है। वे प्रविष्टयां जो किसी भी पुस्तक में नहीं होती हैं उन्हें अवशेष जर्नल में लिखा जाता है जिसे उपयुक्त रोजनामचा कहते हैं।

3. पुस्तकों की प्रविष्टियों को बहीयों में उपयुक्त खातों में लिखा जाता है।
4. खातों के शेष को सूचीबद्ध तरीके से विवरण बनाना तलपट कहलाता है। यदि जमा व नाम का पूर्ण आपस में मिलता है तो वह अंकगणितीय त्रुटि रहित माना जाता है।
5. तलपट वित्तीय विवरण को तैयार करने का आधार होता है, जैसे तुलन–पत्र और व्यापारिक तथा लाभ और हानि खाता।

8.2 पूँजी और आगम के मध्य भेद

लेखांकन में अंतिम महत्वपूर्ण अन्तर पूँजी और आगम मदों के मध्य होता है। व्यापार व लाभ और हानि खाता व तुलन–पत्र तैयार करने में यह अन्तर अहम भूमिका अदा करता है। व्यापार व लाभ और हानि खाता आगम मदों के भाग हैं जो पूँजी मदों की सहायता से तुलन–पत्रों को तैयार करते हैं।

8.2.1 पूँजीगत व्यय

जब कभी भुगतान और/अथवा खर्चे मौजूद दायित्वों के समायोजन के अतिरिक्त किसी अन्य कारण से होता है तो उसे *व्यय* कहते हैं। जब भी व्यय के लिये ऋण लिया जाता है तो उसे व्यापार में लाभ पाने की दृष्टि से देखा जाता है। व्यय का लाभ एक लेखावर्ष अथवा उससे अधिक समय के लिये हो सकता है। यदि व्यय का लाभ एक लेखावर्ष के लिये लिया जाता है तो उसे आगम व्यय कहते हैं। सामान्यत: इसे एक दिन के व्यापार संचालन के लिए प्रयोग किया जाता है। उदाहरण, वेतन का भुगतान, किराया आदि। वर्तमान लेखांकन सत्र में किया गया वेतन का भुगतान व्यापार को आने वाले लेखांकन सत्र में लाभ नहीं देता है क्योंकि कर्मचारी केवल वर्तमान लेखांकन सत्र में ही अपना योगदान देते हैं। कर्मचारियों को अगले लेखांकन सत्र में उनके कार्य के लिये उसका भुगतान करना होगा। यदि व्यय पर लाभ एक लेखांकन सत्र से अधिक बढ़ाया जाता है तो इसे पूँजी व्यय के नाम से जाना जाएगा। उदाहरणार्थ: व्यापार में प्रयोग आने वाले फर्नीचर का भुगतान। वर्त्तमान लेखांकन सत्र में लिया गया फर्नीचर आने वाले कई लेखांकन सत्रों को लाभ पहुँचाएगा। पूँजी व्यय के लिये साधारण उदाहरण चल परिसंपत्ति के लिए भुगतान और/अथवा चल परिसंपत्ति को बढ़ाने, जोड़ने के लिये भुगतान पूँजी व्यय व आगम व्यय में निम्नलिखित अंतर ध्यान देने योग्य हैं:

(अ) पूँजी व्यय व्यापार की आय क्षमता को बढ़ाता है जबकि आगम व्यय, व्यय की क्षमता को यथा स्थिति में बनाये रखता है।

(ब) पूँजी व्यय चल संपत्ति को अधिग्रहित करने के लिये प्रयोग किया जाता है जबकि आगम व्यय किसी भी दिन के व्यापार संचालन के लिये प्रयोग में लायी जाती है।

Reprint 2026-27

(स) साधारणतः आगम व्यय पुनर्गमन व्यय है जबकि पूँजी व्यय पुनर्गमन व्यय नहीं है।

(द) पूँजी व्यय एक या एक से अधिक लेखांकन सत्र के लिये लाभकारी होता है जबकि आगम व्यय एक ही लेखांकन सत्र के लिये लाभकारी होता है।

(ध) पूँजी व्यय (ह्रास का विषय) तुलन-पत्र पर लिखा जाता है जबकि आगम व्यय (बकाया के समायोजन तथा पूर्वदत्त भुगतान का विषय) को व्यापारिक तथा लाभ और हानि खाता में लिखा जाता है।

कभी-कभी पूँजी व्यय व आगम व्यय को अलग-अलग करना कठिन हो जाता है। सामान्य स्थिति में, विज्ञापन पर व्यय आगम व्यय का मद होता है। किसी नये उत्पाद को लाने के लिये उसके विज्ञापन पर काफी अधिक खर्च किया जाता है, जिसे लोग याद रख सकें। जो आगम व्यय में उसी लेखांकन सत्र में आयेगा किन्तु इसका लाभ एक से अधिक लेखांकन सत्रों में प्राप्त होता है ऐसे व्यय को अस्थगित (deferred) आगम व्यय के नाम से जाना जाता है।

व्यय एक व्यापक शब्द है जिसमें खर्च के साथ परिसंपत्ति भी शामिल है। व्यय व खर्च (लागत) में अन्तर होता है व्यय किसी भी व्यापारिक प्रतिष्ठान द्वारा किया गया खर्च है। व्यय का वह भाग जो वर्तमान लेखांकन सत्र के किये गये खर्च के प्रयोग में आता है उसे वर्तमान लेखांकन सत्र का (लागत) खर्च कहते हैं।

आगम व्यय वर्तमान लेखांकन सत्र खर्च या लागत को कहते हैं जिसे व्यापारिक तथा लाभ और हानि खाता में दर्शाया जाता है। अतः किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान द्वारा वेतन का भुगतान वर्तमान लेखांकन सत्र के खर्च (लागत) में आता है। पूँजी व्यय भी अन्ततः आय विवरण में लिया जाता है और उसे एक या एक से अधिक लेखांकन सत्र के लिये व्याख्ययित कर दिया जाता है। अतः फर्नीचर पर व्यय 50,000 रु. का हुआ है इस फर्नीचर का प्रयोग अगले पाँच वर्षों तक होगा तो इसकी लागत को पाँच समान भागों में विभाजित कर दिया जाएगा। अतः इसे प्रतिवर्ष 10,000 पर लिखा जाएगा। ऐसे खर्च (लागत) को ह्रास कहते हैं। इसी प्रकार अस्थागित आगम व्यय को भी पूँजी व्यय में ले लिया जाता है। उन्हें अनुमानित अवधि के अनुरूप लिया जाता है।

8.2.2 प्राप्ति

व्यापार में उपरोक्त पूँजी व्यय प्राप्ति निर्धारण की तरह प्राप्ति को लिया जाता है। यदि प्राप्ति धन वापसी से संबंधित है तो उन्हें पूँजी प्राप्ति के नाम से जाना जाता है। उदाहरण के तौर पर मालिक द्वारा अतिरिक्त धन जुटाना अथवा किसी बैंक से ऋण लेना ये दोनों प्राप्ति दायित्व से संबंधित है, सर्वप्रथम स्वामी (स्वामित्व तथा दूसरा बाहरी व्यक्तियों के लिए जिसे देयताएँ कहते हैं) पूँजी प्राप्ति का एक दूसरा उदाहरण है अचल परिसंपत्ति का विक्रय जैसे पुरानी मशीनरी अथवा फर्नीचर। यदि कोई प्राप्ति धन वापसी से संबंधित नहीं है तथा अचल परिसंपत्ति के विक्रय के रूप में नहीं है तो उसे आगम प्राप्ति कहते हैं। ऐसी प्राप्ति का उदाहरण है। व्यापारिक प्रतिष्ठान द्वारा बिक्री और निवेश पर मिलने वाला ब्याज।

© NCERT not to be republished

8.2.3 पूँजी व आगम के मध्य अन्तर की महत्ता

जैसे कि पहले बताया जा चुका है पूँजी व आगम संबंधी मदों के मध्य अंतर व्यापारिक व लाभ और हानि खाते तथा तुलन–पत्र को बनाने में अति महत्वपूर्ण होते हैं। चूंकि आगम लागत के सभी मदों को व्यापारिक व लाभ और हानि खाता में लिया जाता है और पूँजी प्रकृति वाले मदों को तुलन–पत्र में लिया जाता है। यदि किसी मद को गलत वर्गीकरण कर दिया जाता है। जैसे यदि किसी आगम मद को पूँजी मद के रूप में लिया गया है, इसके विपरीत भी, तो लाभ व हानि का आकलन गलत हो जायेगा। उदाहरण: एक लेखांकन अवधि में आगम आय 10,00,000 रु. है और व्यय 8,00,000 रु. है तो उसका लाभ 2,00,000 रु. होना चाहिए। इसके विवरणों को पुन: निरीक्षण करने पर यह ज्ञात होता है कि आगम मद के 20,000 रु. (मशीन की मरम्मत करने पर व्यय) को पूँजी मद (मशीनरी की लागत में जोड़ा गया) के रूप में लिखा गया है। अत: यह इस अवधि की लागत का हिस्सा नहीं है। इसका अर्थ यह आता है कि इस अवधि की असली लागत 8,20,000 है न कि 8,00,000 रु. तो वास्तविक लाभ 1,80,000 रु. है न कि 2,00,000 रु. है। दूसरे शब्दों में यह कह सकते हैं कि लाभ को बढ़ाकर लिखा गया है। ठीक इसी तरह पूँजी मद गलती से आगम मद में दिखाया जाये तो यह लाभ कम करके बतायेगा तथा चल परिसम्पत्ति को भी कम कर देगा। अत: वित्तीय विवरण व्यापार को ठीक से चित्रित नहीं कर पायेगा। अत: प्रत्येक मद को ठीक प्रकार से पहचानना आवश्यक है तथा इसे संबंधित खाते में लिखना भी आवश्यक है। यह कर की दृष्टि से भी अति महत्वपूर्ण है क्योंकि पूँजी से लाभ पर कराधान आगम से लाभ पर कराधान से भिन्न होता है।

8.3 वित्तीय विवरण

यह ध्यान योग्य है कि विभिन्न उपयोगकर्ताओं को भिन्न प्रकार की सूचनाओं की आवश्यकता होती है। किसी एक विशिष्ट उपायोगकर्त्ताओं के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होने वाली सूचना तैयार करने के बजाए, व्यापार द्वारा वित्तीय विवरणों का समुच्चय तैयार किया जाता है जो कि समान्य रूप से उपयोगकर्ताओं की सूचना संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

वित्तीय विवरणों को तैयार करने के मूलभूत उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

(अ) व्यापार के वित्तीय निष्पादन का सत्य व स्पष्ट प्रस्तुतीकरण

(ब) व्यापार की वित्तीय स्थिति का सत्य व सपष्ट प्रस्तुतीकरण,

इस उद्देश्य को पूर्ण करने के लिये निम्नलिखित वित्तीय विवरण तैयार किये जाते हैं:

1. व्यापारिक व लाभ और हानि खाता
2. तुलन–पत्र

व्यापारिक तथा लाभ व हानि खाता को आय विवरण के रूप में भी जाना जाता है जो कि व्यापार की हानि व लाभ की स्थिति को दर्शाता है। तुलन–पत्र व्यापार की वित्तीय स्थिति को परिसंपत्ति, दायित्व और पूँजी के रूप में व्यक्त करता है। इसको तलपट और अन्य सूचनाओं के आधार पर तैयार किया जाता है।

© NCERT not to be republished

उदाहरण 1

नीचे दिये गये अंकित के तलपट को ध्यानपूर्वक देखें। आप जानेंगे कि परिसंपत्तियों एवं व्ययों/हानियों को नाम शेष होता है तथा स्वामित्व/देयताओं अथवा आगम/अधिलाभ को जमा शेष होता है।

[अंकित का यह तलपट पूरे अध्याय में प्रयोग किया जायेगा जिससे वित्तीय विवरण को बनाने की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।]

31 मार्च, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

खातों के नाम	*ब.पृ.स*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
रोकड़		1,000	
पूँजी			12,000
बैंक		5,000	
विक्रय			1,25,000
मजदूरी		8,000	
लेनदार			15,000
वेतन		25,000	
10% ब्याज पर ऋण (1 अप्रैल, 2016 से लागू)			5,000
फर्नीचर		15,000	
प्राप्त कमीशन			5,000
भवन का किराया		13,000	
देनदार		15,500	
डूबत ऋण		4,500	
क्रय		75,000	
		1,62,000	1,62,000

चित्र 8.1 : *अंकित का तुलन-पत्र*

31 मार्च, 2017 को अंकित के तुलन-पत्र का विश्लेषण

खातों के नाम	*तत्व*	*ब.पृ.स.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
रोकड़	परिसंपत्ति		1,000	
पूँजी	स्वामित्व			12,000
बैंक	परिसंपत्ति		5,000	
विक्रय	आगम			1,25,000
मजदूरी	व्यय		8,000	
लेनदार	देयताएं			15,000
वेतन	व्यय		25,000	

10% ब्याज पर ऋण (1 अप्रैल, 2017 से लागू)	देयताएँ			5,000
फर्नीचर	परिसंपत्ति		15,000	
प्राप्त कमीशन	आगम			5,000
भवन का किराया	व्यय		13,000	
देनदार	परिसंपत्ति		15,500	
डूबत ऋण	व्यय		4,500	
क्रय	व्यय		75,000	
			1,62,000	1,62,000

8.4 व्यापारिक व लाभ और हानि खाता

एक लेखांकन अवधि में किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान द्वारा अर्जित लाभ अथवा हानि के आकलन को व्यापारिक तथा लाभ और हानि खाता में तैयार किया जाता है। वास्तव में यह व्यापार के आगम व व्यय की समीक्षा होती है और निवल लाभ और हानि की गणना को प्रदर्शित करती है। आय से व्यय को घटाने पर लाभ प्राप्त होता है। यदि लागत से आय कम है तो हानि प्राप्त होती है। व्यापारिक लाभ और हानि खाते में एक लेखांकन अवधि में निष्पादन की समीक्षा होती है। इसे प्राप्त करने के लिये तलपट से व्यय व आय के शेषों को व्यापारिक व लाभ और हानि खाते में हस्तांतरित किया जाता है। व्यापारिक व लाभ और हानि खाता में नाम और जमा भी व्यक्त किया जाता है। यह देखा जा सकता है कि नाम शेष (व्यय को दर्शाया) और हानि को व्यापारिक व लाभ और हानि के व्यय में लिखते हैं और जमा शेष (आगम/लाभ को दर्शाया) को जमा की और हस्तांतरित करते हैं।

8.4.1 व्यापारिक व लाभ और हानि खाते के प्रासंगिक तत्व

व्यापारिक व लाभ और हानि खाता के विभिन्न मदों को नीचे व्याख्या की गयी है।

नाम पक्ष की मदें:

(i) *प्रारंभिक स्टॉक* — लेखांकन वर्ष के आरंभ में हस्त माल को प्रारंभिक स्टॉक कहते हैं। यह वह स्टॉक होता है जिसे गत वर्ष से आगे लाया जाता है और वर्ष के दौरान इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया जाता है। साथ ही वर्ष के अन्त में इसे तलपट पर दर्शाया जाता है। व्यापारिक खाते में यह नाम पक्ष की ओर दर्शाया जाता है क्योंकि यह चालू लेखांकन वर्ष के दौरान बेचे गए माल की लागत का हिस्सा होता है।

(ii) *वापसी को घटाकर क्रय* — वह माल जो पुन: विक्रय के लिये क्रय किया जाता है, व्यापार खाते में क्रय के रूप में लिखा जाता है। इसमें नगद व साख पर क्रय शामिल होते हैं। वह माल जिसे अपूर्तिकर्ताओं को वापस कर दिया जाता है, उसे क्रय से घटाकर दर्शाते हैं। इस राशि को निवल क्रय कहते हैं।

(iii) *मजदूरी* — उत्पादन प्रक्रिया में प्रत्यक्षतः संलग्न मजदूरों को भुगतान की गयी मजदूरी, जैसे किसी फैक्टरी माल के उत्पादन करने तथा माल उतारने में प्रयुक्त मजदूर, को व्यापारिक खाते के नाम पक्ष में लिखा जाता है।

(iv) *आंतरिक ढुलाई भाड़ा/आंतरिक लदान* — यह व्यय परिवहन व्ययों से संबंधित होता है जो क्रय की गयी सामग्री को व्यवसाय के स्थान तक ले जाने में किया जाता है। एक वर्ष किये गये कुल क्रय पर व्यय को व्यापार खाते में नाम पक्ष की ओर लिखा जाता है।

(v) *ईंधन/विद्युत/गैस/जल* — इन मदों का प्रयोग उत्पादन प्रक्रिया में किया जाता है इसलिये इन्हें व्यय में शामिल किया जाता है।

(vi) *पैकिंग सामग्री तथा पैकेजिंग प्रभार* — पैकेजिंग सामग्री की लागत तथा सामग्री की लागत तथा इस पर प्रभार उत्पादों में प्रयोग किया जाता है और इसे प्रत्यक्ष व्यय के रूप में लिया जाता है क्योंकि ये वो छोटे बाक्स हैं जिनमें माल रखकर विक्रय किया जाता है जबकि माल को ले जाने के लिये कंटेनरों का इस्तेमाल किया जाता है। इसे पैकिंग कहते हैं। इसको अप्रत्यक्ष व्यय के रूप में लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष में लिखा जाता है।

(vii) *वेतन* — इसमें प्रशासनिक गोदाम एवं भंडार गृह के कर्मचारी को भुगतान किया गया वेतन सम्मिलित है जो कि व्यापार को चलाने में अपनी सेवायें अर्पित करता है। यदि वेतन में कुछ सुविधाएं (जिन्हें *पर्क* के नाम से जाना जाता है, का भुगतान कर्मचारी को किया जाता है जैसे बिना किराये का निवास, भोजन, चिकित्सा सुविधा, आदि को वेतन के रूप में लिया जाता है और जिसे लाभ और हानि खाते में नाम पक्ष में लिखा जाता है।

(viii) *किराये का भुगतान* — इसमें कार्यालय, गोदाम किराया, नगरीय कर एवं शुल्क की दरें शामिल किये जाते हैं। इस राशि को लाभ व हानि खाते में नाम पक्ष की ओर लिखा जाता है।

(ix) *ब्याज* — ऋणों, बैंक अधिविकर्ष, विनिमय विपत्रों का नवीनीकरण आदि पर भुगतान किये गये ब्याज जो कि व्यापार के एक व्यय के रूप में होता है, को लाभ-हानि खाते में नाम पक्ष की और दर्शाया जाता है।

(x) *कमीशन का भुगतान* — एजेन्ट के माध्यम से किये गये व्यापारिक लेन-देन पर प्रदत्त या देय कमीशन व्यय का एक मद है तथा लाभ और हानि खाते में नाम पक्ष में दर्शाया जाता है।

(xi) *मरम्मत* — मरम्मत और लघुनवीनीकरण या प्रतिस्थापन जो कि संयंत्र एवं मशीनरी, फर्नीचर, फिक्सचर, फिटिंग्स आदि को कार्यकारी अवस्था में रखने के लिए किया जाता है। ये इस शीर्षक में शामिल है। ऐसे व्यय को लाभ-हानि खाते के नाम पक्ष की ओर दर्शाया जाता है।

(xii) *मिश्रित व्यय* — यद्यपि व्ययों को वर्गीकृत एवं विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत निर्धारित किया गया है लेकिन कुछ व्यय जो छोटी-छोटी राशि के हैं उन्हें मिश्रित व्यय कहा जाता है। और जिन्हें समूहीकृत किया जाता है। सामान्य प्रयोग में इन्हें विविध व्यय या व्यापारिक व्यय कहा जाता है।

© NCERT not to be republished

जमा पक्ष की मदें

(i) वापसी को घटाकर विक्रय — एक वर्ष के दौरान तलपट में विक्रय खाते की सकल विक्रय (नकद व उधार पर दोनों) को दर्शाता है। यह व्यापार खाते के जमा पक्ष में दर्शाया जाता है। उपभोगता द्वारा सामान की वापसी को विक्रय वापसी कहा जाता है और कुल विक्रय से इस वापसी को घटाकर जो राशि प्राप्त होती है उसे निवल विक्रय कहते हैं।

(ii) अन्य आय — वेतन के अतिरिक्त अन्य लाभ और आय को लाभ–हानि खाते में लिखा जाता है। ऐसी आय के उदाहरण किराये की प्राप्ति, लाभांश की प्राप्ति ब्याज की प्राप्ति, बट्टा की प्राप्ति, कमीशन की प्राप्ति आदि हैं।

8.4.2 अंतिम प्रविष्टियाँ

व्यापारिक व लाभ और हानि खाते तैयार करने के लिए आगम एवं व्यय की सभी मदों के शेष को हस्तांतरित कर दिया जाता है।

- प्रारम्भिक स्टॉक खाता, क्रय खाता, मजदूरी खाता, आंतरिक ढुलाई भाड़ा खाता और प्रत्यक्ष व्यय खाता को लाभ व हानि खाते में नाम पक्ष में हस्तांतरित कर बंद कर दिया जाता है। ऐसा निम्नलिखित प्रविष्टियों को करके किया जाता है।

  व्यापारिक खाता नाम
  प्रारंभिक स्टॉक खाते से
  क्रय खाते से
  मजदूरी खाते से
  आंतरिक ढुलाई खाते से
  अन्य प्रत्यक्ष व्यय खाते से

- क्रय वापसी या वाह्य वापसी के शेष को क्रय खाते में हस्तांतरित कर बंद कर दिया जाता है इसके लिए निम्नलिखित प्रविष्टयाँ लिखी जाती हैं।

  क्रय वापसी खाता नाम
  क्रय खाते से

- इसी प्रकार विक्रय वापसी या आंतरिक वापसी खाते के शेष को विक्रय खाते में हस्तांतरित कर बंद कर दिया जाता है।

  विक्रय खाता नाम
  विक्रय वापसी खाते से

- विक्रय खाते के शेष को लाभ और निम्नलिखित प्रविष्टि से बंद कर दिया जाता है।

  विक्रय खाता नाम
  व्यापारिक खाते से

- व्यय व हानि के मदों को निम्नलिखित प्रविष्टियों के माध्यम से बंद किया जाता है

  लाभ व हानि खाता नाम
  व्यय खातों से (व्यक्तिगत)
  हानि खातों से (व्यक्तिगत)

© NCERT not to be republished

आयों व लाभों के मदों को निम्नलिखित प्रविष्टियों के माध्यम से बंद किया जाता है।

आय खाता (व्यक्तिगत)	नाम		
अधिलाभ खाता (व्यक्तिगत)	नाम		
लाभ व हानि खाते से			

यदि हम अपने उदाहरण 1 को देखें तो पाएंगे कि अंकित के तलपट पर दर्शाये गए सात खाते व्यय और आगम से संबंधित हैं। इन सातों खातों को इस प्रकार बंद किया जाएगा:

(i)	व्यय खातों को बंद करने पर:			
	व्यापारिक खाता	नाम	83,000	
	क्रय खाते से			75,000
	मजदूरी खाते से			8,000
(ii)	लाभ व हानि खाता	नाम	43,500	
	वेतन खाते से			25,000
	भवन का किराया खाते से			13,000
	डूबत ऋण खाते से			4,500
(iii)	आगम खातों को बंद करने पर			
	विक्रय खाता	नाम	1,25,000	
	व्यापारिक खातों से			1,25,000
(iv)	कमीशन की प्राप्ति खाता	नाम	5,000	
	लाभ व हानि खातों से			5,000

इन प्रविष्टियों की खतौनी इस प्रकार की जाएगी:

क्रय खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
	शेष आ/ले		75,000		व्यापारिक		75,000
			75,000				75,000

मजदूरी खाता

नाम **जमा**

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
	शेष आ/ले		8,000		व्यापारिक		8,000
			8,000				8,000

© NCERT not to be republished

वेतन खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
	शेष आ/ले		25,000		लाभ व हानि		25,000
			25,000				25,000

भवन का किराया खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
	शेष आ/ले		13,000		लाभ व हानि		13,000
			13,000				13,000

डूबत ऋण खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
	शेष आ/ले		4,500		लाभ व हानि		4,500
			4,500				4,500

विक्रय खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
	व्यापारिक		1,25,000		शेष आ/ले		1,25,000
			1,25,000				1,25,000

कमीशन प्राप्ति खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.	तिथि	विवरण	रो.पृ.सं.	राशि रु.
	लाभ व हानि		5,000		शेष आ/ले		5,000
			5,000				5,000

© NCERT not to be republished

उपरोक्त के माध्यम से अब हम लोग, तलपट से व्यापारिक और लाभ व हानि खाता कैसे बनाया जाता है, को सीखेंगे। इस खाते का प्रारूप चित्र 8.2 में दिया गया है, हालांकि यह संपूर्ण ब्यौरे के साथ नहीं है। वास्तविकता में और अधिक मदें भी हो सकती हैं जिनके संदर्भ में आप आगे पढेंगे तथा यह जानेंगे कि किस प्रकार प्रत्येक मद के साथ व्यापारिक और लाभ व हानि खाते का प्रारूप बदलता जाता है।

ए बी सी का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता
वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि* रु.	*आगम/व्यय*	*राशि* रु.
प्रारंभिक रहतिया	XXX	विक्रय	XXX
क्रय	XXX		
मजदूरी	XXX		
ढुलाई (आंतरिक)	XXX		
माल भाड़ा (आंतरिक)			
सकल लाभ आ/ले[1]	XXXX		XXXX
		सकल लाभ आ/ला[1]	XXX
सकल हानि आ/ला[2]	XXX	सकल हानि आ/ले[2]	XXX
किराया/दर और कर	XXX	ब्याज प्राप्ति	XXX
वेतन	XXX		
मरम्मत और राजस्व	XXX	निवल हानि[2]	
डूबत ऋण	XXX		
निवल लाभ[1] (पूँजी खाते में हस्तांतरित)			
	XXXX		XXXX

[1,2] केवल एक ही मद दर्शायी जाएगी

चित्र 8.2: *व्यापारिक और लाभ व हानि खाते का प्रारूप*

© NCERT not to be republished

8.4.3 सकल लाभ व निवल लाभ की अवधारणा

व्यापारिक और लाभ व हानि खाते को दो खातों के मिश्रण के रूप में देखा जा सकता है जिनमें व्यापारिक खाता और लाभ और हानि खाता शामिल हैं। व्यापारिक खाता सकल लाभ को प्राप्त करने का प्रथम भाग है। लाभ व हानि खाता निवल लाभ प्राप्त करने का द्वितीय भाग है।

व्यापारिक खाता: व्यापारिक खाते को व्यापार की मूलभूत प्रचालन प्रक्रिया के आधार पर तैयार किया जाता है। मूलभूत प्रचालन प्रक्रिया में उत्पादन, क्रय और माल के विक्रय शामिल होते हैं। इस खाते को बनाने का

अभिप्राय यह ज्ञात करना है कि क्या व्यापार विक्रय और/अथवा ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली सेवाएँ व्यापार के लिए लाभप्रद हैं अथवा नहीं। किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान में क्रय व्यय का एक अभिन्न अंग होता है। क्रय के अलावा व्यय को दो भागों में बाँटा गया है। उदाहरणत: प्रत्यक्ष व्यय और अप्रत्यक्ष व्यय।

प्रत्यक्ष व्यय का अर्थ उत्पादन प्रक्रिया, माल के क्रय और उसे विक्रय स्थान तक लाने में प्रत्यक्ष रूप से होने वाले व्यय से है। प्रत्यक्ष व्यय में आंतरिक ढुलाई, आंतरिक भाड़ा, मजदूरी, कारखाने में बिजलीकरण कोयला, जल और ईंधन, उत्पादन पर अधिकार शुल्क आदि शामिल होते हैं। अपने उदाहरण–1 (अंकित का तलपट चित्र 8.1) में यदि हम देखें क्रय के अलावा व्यय में चार अन्य मदें शामिल हैं जो मजदूरी, वेतन, भवन का किराया और डूबत ऋण हैं। इन मदों के अतिरिक्त मजदूरी को प्रत्यक्ष व्यय में रखा गया है। जबकि अन्य तीनों को अप्रत्यक्ष व्यय में रखा गया है।

इसी प्रकार, व्यापार के आगम में विक्रय एक मुख्य मद है। विक्रय से क्रय और प्रत्यक्ष व्यय की सहायता से सकल लाभ को प्राप्त किया जाता है। यदि क्रय की राशि, जिसमें प्रत्यक्ष व्यय शामिल हो विक्रय से अधिक है तो इसे सकल हानि कहेंगे। सकल लाभ को निम्न समीकरण द्वारा दर्शाया जा सकता है:

सकल लाभ = विक्रय – (क्रय + प्रत्यक्ष व्यय)

सकल लाभ अथवा हानि को लाभ व हानि खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है।

अप्रत्यक्ष व्ययों को दूसरे भाग में नाम के पक्ष की ओर दर्शाया जाता है जिसे लाभ व हानि खाता कहते हैं। विक्रय के अतिरिक्त सभी आगम/लाभ को लाभ और हानि खाते के जमा पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाता है। लाभ व हानि खाते के जमा पक्ष के कुल योग नाम पक्ष के कुल योग से अधिक है तो उसे वर्ष का निवल लाभ प्राप्त होता है। दूसरी ओर जमा पक्ष के कुल योग से नाम पक्ष का कुल योग अधिक है तो इसको व्यापार की निवल हानि प्राप्त होती है। इसे एक समीकरण द्वारा नीचे दर्शाया गया है।

निवल लाभ = सकल लाभ + अन्य आय – अप्रत्यक्ष व्यय

निवल लाभ अथवा हानि को तुलन–पत्र के पूँजी खाते में निम्न प्रकार से हस्तांतरित किया जाता है।

(i) निवल लाभ का हस्तांतरण

लाभ व हानि खाता	नाम
पूँजी खाते से	

(ii) निवल हानि का हस्तांतरण

पूँजी खाता	नाम
लाभ व हानि खाते से	

31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये अंकित के व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में सकल लाभ व निवल लाभ की पुन: रूप रेखा को चित्र 8.3 में दर्शाया गया है।

© NCERT not to be republished

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को अंकित का
व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि* रु.	*आगम/लाभ*	*राशि* रु.
क्रय	75,000	विक्रय	1,25,000
मजदूरी	8,000		
सकल लाभ आ/ले	**42,000**		
	1,25,000		1,25,000
वेतन	25,000	सकल लाभ आ/ला	**42,000**
भवन का किराया	13,000	कमीशन प्राप्ति	5,000
डूबत ऋण	4,500		
कुल लाभ (पूँजी खाते में स्थानांतरित)	**4,500**		
	47,000		47,000

चित्र 8.3 : *अंकित के लाभ की गणना*

सकल लाभ, जो कि व्यापार की प्रचालन प्रक्रिया को दर्शाती है, की गणना 42,000 रु. है। सकल लाभ को व्यापारिक खाते से लाभ और हानि खाते में हस्तांतरित किया गया है। सकल लाभ के अतिरिक्त व्यापार में 5,000 रु. की कमीशन की प्राप्ति हुई और 42,500 रु. (25,000 रु. + 13,000 रु. + 4,500 रु.) का व्यय वेतन, किराया और डूबत ऋण में हुआ। अत: निवल लाभ 4,500 रु. हुआ।

उदाहरण 1

31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये निम्न तथ्यों के आधार पर व्यापारिक खाता तैयार करें।

	रु.
प्रारंभिक स्टॉक	37,500
क्रय	1, 05000
विक्रय	2,70,000
मजदूरी	30,000

© NCERT not to be republished

हल

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को व्यापारिक खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि* रु.	*आगम/लाभ*	*राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक	37,500	विक्रय	2,70,000
क्रय	1,05,000		
मजदूरी	30,000		
सकल लाभ	97,500		
	2,70,000		2,70,000

उदाहरण 2

वर्ष 2016-17 के लिये मै. प्राइम प्रोडक्ट्स के लिये निम्न तथ्यों के आधार पर व्यापारिक खाता तैयार करें।

	रु.
प्रारंभिक स्टॉक	50,000
क्रय	1,10,000
विक्रय वापसी	5,000
विक्रय	3,00,000
क्रय वापसी	7,000
फैक्टरी का किराया	30,000
मजदूरी	40,000

हल

प्राइम प्रोडक्ट्स की पुस्तक
वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को व्यापारिक खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि* रु.	*आगम/लाभ*		*राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक		50,000	विक्रय	3,00,000	
क्रय	1,10,000		*घटाया :* विक्रय वापसी	(5,000)	2,95,000
घटाया : क्रय वापसी	(7,000)	1,03,000			
फैक्टरी का किराया		30,000			
मजदूरी		40,000			
सकल लाभ		72,000			
		2,95,000			2,95,000

© NCERT not to be republished

उदाहरण 3

वर्ष मार्च 31, 2017 के लिये मै. अंजनी के निम्न तथ्यों के आधार पर व्यापार खाता तैयार करें।

	रु.
प्रारंभिक स्टॉक	60,000
क्रय	3, 00,000
विक्रय	7, 50,000
क्रय वापसी	18,000
विक्रय वापसी	30,000
क्रय पर ढुलाई	12,000
विक्रय पर ढुलाई	15,000
फैक्टरी का किराया	18,000
ऑफिस का किराया	18,000
गोदी एवं निकासी व्यय	48,000
भाड़ा एवं चुंगी	6,500
कोयला, गैस और जल	10,000

हल

अंजलि की पुस्तक
वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को व्यापारिक खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि* रु.	*आगम/लाभ*		*राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक		60,000	विक्रय	7,50,000	
क्रय	3,00,000		*घटाया* : विक्रय वापसी	(30,000)	7,20,000
घटाया : क्रय वापसी	(18,000)	2,82,000			
क्रय पर ढुलाई		12,000			
फैक्टरी का किराया		18,000			
गोदी एवं निकासी व्यय		48,000			
भाड़ा एवं चुंगी		6,500			
कोयला, गैस और जल		10,000			
सकल लाभ		2,83,500			
		7,20,000			7,20,000

उदाहरण 4

निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर 31 मार्च 2015 के लिए लाभ व हानि खाता तैयार कीजिये।

	रु.
सकल लाभ	60,000
किराया	5,000

© NCERT not to be republished

वेतन	15,000
कमीशन का भुगतान	7,000
ऋण पर ब्याज का भुगतान	5,000
विज्ञापन	4,000
बट्टा प्राप्त	3,000
छापाई और लेखन सामग्री	2,000
वैधानिक शुल्क	5,000
डूबत ऋण	1,000
ह्रास	2,000
ब्याज प्राप्त	4,000
आग द्वारा हानि	3,000

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को
लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि* रु.	*आगम/लाभ*	*राशि* रु.
किराया	5,000	सकल लाभ	60,000
वेतन	15,000	बट्टा प्राप्त	3,000
कमीशन	7,000	ब्याज प्राप्त	4,000
ऋण पर ब्याज का भुगतान	5,000		
विज्ञापन	4,000		
छापाई और लेखन सामग्री	2,000		
वैधानिक शुल्क	5,000		
डूबत ऋण	1,000		
ह्रास	2,000		
आग द्वारा हानि	3,000		
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)	18,000		
	67,000		67,000

स्वयं जाँचिए - 1

1. **सत्य अथवा असत्य**

(i) सकल लाभ को कुल आगम कहते हैं।

(ii) व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में प्रारंभिक स्टॉक को नाम के पक्ष में रखा जाता है। क्योंकि यह चालू वित्तीय वर्ष में विक्रय की लागत का एक भाग होती है।

(iii) किराया, दर और कर प्रत्यक्ष व्ययों के उदाहरण हैं।

(iv) लाभ और हानि खाता के जमा पक्ष का कुल योग यदि नाम पक्ष के कुल योग से अधिक है तो अन्तर को निवल लाभ कहेंगे।

© NCERT not to be republished

2. I व II को सही तरह से जोड़ें।

I	II
(i) अंतिम स्टॉक अ को जमा पक्ष में दर्शाया जाता है	(अ) तलपट
(ii) खातों की परिशुद्ध का परीक्षण होता है	(ब) व्यापारिक खाता
(iii) ग्राहक द्वारा बेचे गए माल की वापसी	(स) क्रेडिट नोट
(iv) वित्तीय स्थिति के द्वारा निर्धारण होता है	(द) तुलन-पत्र
(v) ग्राहक द्वारा माल वापसी पर विक्रेता भेजता है	(ह) डेबिट नोट

8.4.4 बेचे गये समान की लागत और अंतिम स्टॉक का व्यापारिक खाते में पुनः निरीक्षण:

चित्र 8.3 में बनाया गया व्यापारिक और लाभ व हानि खाता एक व्यापारिक इकाई के आधारभूत कार्यों से होने वाले लाभ को पाने के लिये उपयोगी सूचनाएं देता है। इसके पुन: अध्ययन हेतु अंकित के व्यापारिक खाते के नीचे दर्शाया गया है।

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को
अंकित का व्यापारिक खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि* रु.	*आगम/लाभ*	*राशि* रु.
क्रय	75,000	विक्रय	1,25,000
मजदूरी	8,000		
सकल लाभ	42,000		
	1,25,000		1,25,000

चित्र 8.4 : *अंकित का व्यापारिक खाता*

यदि कोई प्रारंभिक अथवा अंतिम स्टॉक नहीं है तो क्रय के कुल तथा प्रत्यक्ष व्यय को "बिके हुए माल की लागत के रूप में ले सकते हैं। यदि हम अंकित के व्यापारिक खाते को ध्यानपूर्वक देखें तो पायेंगे कि क्रय राशि 75,000 रु. और मजदूरी राशि 8,000 रु. है। अत: बिके हुए माल की लागत की गणना निम्न सत्र के प्रयोग द्वारा इस प्रकार की जाएगी।

बिके माल की लागत = क्रय + प्रत्यक्ष व्यय
= 75,000 रु. + 8,000 रु.
= 83,000 रु.

जब कोई बिना बिका समान है तो उसे यह माना जाता है कि सम्पूर्ण क्रय किया सामान बिक चुका है। परन्तु वास्तव में लेखांकन वर्ष के अंत में बिना बिका हुआ सामान खाते में होता है

अपने उदाहरण में यह मान लिया गया है कि चालू वर्ष में कुल क्रय 75,000 रु. में अंकित ने कुल 60,000 का सामान बेच पाया है। ऐसी स्थिति में केवल बिना बिके हुये सामान की लागत 15,000 रु. होती है।

बिके हुए सामान की लागत = क्रय + प्रत्यक्ष – अंतिम स्टॉक

= 75,000 रु. + 8,000 रु. – 15,000 रु.

परिणाम स्वरूप, व्यापार में सकल लाभ की राशि भी अंतिम स्टॉक की उपस्थिति के कारण 42,000 रु. से 57,000 रु. में बदल जायेगी। (देखें चित्र 8.5)

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को
अंकित का व्यापारिक खाता

व्यय/हानि	*राशि* रु.	*आगम/लाभ*	*राशि* रु.
क्रय	75,000	विक्रय	1,25,000
मजदूरी	8,000	**अंतिम स्टॉक**	**15,000**
सकल लाभ आ/ले	**57,000**		
	1,40,000		1,40,000
वेतन	25,000	सकल लाभ आ/ला	57,000
मकान का किराया	13,000	कमीशन प्राप्ति	5,000
डूबत ऋण	4,500		
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)	**19,500**		
	62,000		62,000

चित्र 8.5 : *अंकित का व्यापारिक खाता*

यह ध्यान दिया जा सकता है कि अंतिम स्टॉक तलपट का भाग नहीं होता है। इसे निम्न प्रविष्टियों द्वारा किताब में लाया जाता है

अंतिम स्टॉक खाता नाम
व्यापारिक खाते से

यह प्रविष्टि नया परिसंपत्ति खाता खोलती है। अर्थात् अंतिम स्टॉक 15,000 रु. जिसे तुलन-पत्र में हस्तांतरित कर दिया जाता है। अंतिम स्टॉक नये वर्ष के लिये प्रारंभिक स्टॉक का कार्य करता है। बेचे गए माल की लागत को निम्न समीकरण द्वारा प्रदर्शित किया जाता है।

बेचे गए माल की लागत = प्रारंभिक स्टॉक + क्रय पर प्रत्यक्ष व्यय – अंतिम स्टॉक

उदाहरण 5 को देखें जाने कि उससे इसकी गणना किस प्रकार की जाती है।

© NCERT not to be republished

उदाहरण 5

वर्ष 2017 के लिये निम्न सूचनाओं के आधार पर बिके हुए सामान की लागत और व्यापार खाते प्राप्त करें।

	रु.
विक्रय	20, 00,000
क्रय	15, 00,000
मजदूरी	1, 00,000
स्टॉक (अप्रैल 01, 2014)	3, 00,000
स्टॉक (मार्च 31, 2015)	4,00,000
अंतरिक भाड़ा	1,00,000

हल

बेचे गए माल की लागत

विवरण	*राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक	3,00,000
जोड़ा: क्रय	15,00,000
प्रत्यक्ष व्यय	
आंतरिक ढुलाई	1,00,000
मजदूरी	1,00,000
	20,00,000
घटाया: अंतिम स्टॉक	(4,00,000)
बेचे गए माल की लागत	16,00,000

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को
व्यापारिक खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि* रु.	*आगम/लाभ*	*राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक	3,00,000	विक्रय	20,00,000
क्रय	15,00,000	अंतिम स्टॉक	4,00,000
आंतरिक भाड़ा	1,00,000		
मजदूरी	1,00,000		
सकल लाभ	4,00,000		
	24,00,000		24,00,000

© NCERT not to be republished

उदाहरण 6

मै. एच. बालाराम के कुछ खातों से निम्नलिखित शेष प्राप्त हुए। इस आधार पर व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तैयार करें

	रु.		रु.
स्टॉक (अप्रैल 01, 2016 को)	8,000	डूबत ऋण	1,200
वर्ष के लिए क्रय	22,000	किराया	1,200
वर्ष के लिए विक्रय	42,000	प्रदत्त बट्टा	600
क्रय व्यय	2,500	कमीशन भुगतान	1,100
वेतन और मजदूरी	3,500	विक्रय व्यय	600
विज्ञापन	1,000	मरम्मत	600

31 मार्च, 2017 को अंतिम स्टॉक 4,000 रु.

एच. बालाराम की पुस्तकें

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को व्यापारिक खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि* रु.	*आगम/लाभ*	*राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक	8,000	विक्रय	42,000
क्रय	22,000	अंतिम स्टॉक	4,500
क्रय व्यय	2,500		
सकल लाभ आ/ले	14,000		
	46,500		46,500
वेतन और मजदूरी	3,500	सकल लाभ आ/ला	14,000
किराया	1,200		
विज्ञापन	1,000		
कमीशन	1,100		
प्रदत्त बट्टा	600		
डूबत ऋण	1,200		
विक्रय ऋण	600		
मरम्मत	600		
कुल लाभ (पूँजी खाते में स्थानांतरण)	4,200		
	14,000		14,000

8.5 प्रचालन लाभ

यह लाभ व्यवसाय के सामान्य प्रचालन एवं क्रियाओं के माध्यम से अर्जित किया जाता है। प्रचालन लाभ, प्रचालन आय का प्रचालन व्यय पर आधिक्य होता है। प्रचालन लाभ की गणना करते समय असंगत लेन-देनों

एवं व्ययों जो कि विशुद्ध वित्तीय प्रकृति के होते हैं, को नहीं लिया जाता है। प्रचालन लाभ कर और ब्याज से पूर्व का लाभ होता है। इसी प्रकार असमान्य मदें जैसे आग द्वारा हानि आदि को भी नहीं लिया जाता है। प्रचालन लाभ की गणना निम्न समीकरण से की जा सकती है।

प्रचालन लाभ = निवल लाभ + अप्रचालन व्यय – अप्रचालन आय

यदि हम अंकित के तलपट को देखें (चित्र 9.1), आप यह पायेंगे कि यह एक मद का वर्णन करते हैं जो 01 अप्रैल, 2017 के दीर्घकालीन ऋण पर 10% ब्याज की प्राप्ति हुई, ब्याज की राशि 500 रु.

$500\text{रु} \times \frac{10}{100}$ को व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में नाम पक्ष में दर्शाया जाएगा।

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को
अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि* रु.	*आगम/लाभ*	*राशि* रु.
क्रय	75,000	विक्रय	1,25,000
मजदूरी	8,000	अंतिम स्टॉक	15,000
सकल लाभ आ/ले	57,000		
	1,40,000		1,40,000
वेतन	25,000	सकल लाभ आ/ला	57,000
मकान का किराया	13,000	कमीशन प्राप्ति	5,000
डूबत ऋण	4,500		
ब्याज	**500**		
कुल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)	**19,000**		
	62,000		62,000

चित्र 8.6 : *लाभ पर ब्याज का व्यवहार*

प्रचालन लाभ होगा:

प्रचालन लाभ = निवल लाभ + अप्रचालन व्यय – अप्रचालन आय

प्रचालन लाभ = 19,000 रु. + 500 रु.

= 19,500 रु.

स्वयं जाँचिए - 2

निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर को चुनें –

1. वित्तीय विवरण में सम्मिलत हैं:
   (i) तलपट
   (ii) लाभ व हानि खाता
   (iii) तुलन–पत्र
   (iv) (i) और (iii)
   (v) (ii) और (iii)
2. लाभ व हानि खाते से ज्ञात निम्न लाभों से सही क्रम से चुनें:
   (i) प्रचालन लाभ, निवल लाभ, सकल लाभ
   (ii) प्रचालन लाभ, सकल लाभ, निवल लाभ
   (iii) सकल लाभ, प्रचालन लाभ, निवल लाभ
   (iv) सकल लाभ, निवल लाभ, प्रचालन लाभ
3. प्रचालन लाभ की गणना करते समय निम्न में किसे खाते में नहीं लिया जाता है–
   (i) साधारण लेन–देन
   (ii) असाधारण मद
   (iii) पूर्ण वित्तीय प्रकृति वाले व्यय
   (iv) (ii) और (iii)
   (v) (i) और (iii)
4. निम्न में से सही को चुनें–
   (i) प्रचालन लाभ = प्रचालन लाभ - अप्रचालन व्यय - अप्रचालन आय
   (ii) प्रचालन लाभ = निवल लाभ + अप्रचालन व्यय + अप्रचालन आय
   (iii) अप्रचालन लाभ = निवल लाभ - अप्रचालन व्यय - अप्रचालन आय
   (iv) अप्रचालन लाभ = निवल लाभ - अप्रचालन व्यय + अप्रचालन आय

उदाहरण 7

31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये व्यापारी की पुस्तकों से निकाले गये शेषों से सकल लाभ, प्रचालन लाभ, निवल लाभ की गणना करें।

विवरण	*राशि (रु.)*
विक्रय	75,250
क्रय	32,250
प्रारंभिक स्टॉक	7,600
विक्रय वापसी	1,250
क्रय वापसी	250
किराया	300
छापाई और लेखन सामग्री	250

© NCERT not to be republished

वेतन	3,000
विविध व्यय	200
यात्रा व्यय	500
विज्ञापन	1,800
कमीशन प्राप्ति	150
कार्यालय व्यय	1,600
मजदूरी	2,600
निवेश के विक्रय पर लाभ	500
ह्रास	800
निवेश पर लाभांश	2,500
पुराने फर्नीचर के बिक्रय पर हानि	300

अंतिम स्टॉक (31 मार्च, 2017) को 8,000 रु.

व्यापारिक और लाभ व हानि खाता
वर्षान्त 31 मार्च, 2017

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि* रु.	*आगम/लाभ*		*राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक		7,600	*विक्रय*	75,250	
क्रय	32,250		*घटाया* : विक्रय वापसी	(1,250)	74,000
घटाया: क्रय वापसी	(250)	32,000	अंतिम स्टॉक		8,000
मजदूरी		2,600			
सकल लाभ आ/ले		**39,800**			
		82,000			82,000
किराया		300	सकल लाभ आ/ला		39,800
छापाई और लेखांकन सामग्री		250			
वेतन		3,000			
विविध व्यय		200			
यात्रा व्यय		500			
विज्ञापन व्यय		1,800			
कमीशन का भुगतान		150			
कार्यालय व्यय		1,600			
ह्रास		800			
प्रचालन लाभ आ/ले		**31,200**			
		39,800			39,800
पुराने फर्नीचर के बिक्री पर हानि		300	**प्रचालन लाभ आ/ला**		**31,200**
कुल लाभ (पूँजी खाते में स्थानांतरित)		33,900	निवेश के विक्रय पर लाभ		500
			निवेश पर लाभांश		2,500
		34,200			34,200

8.6 तुलन-पत्र

तुलन–पत्र एक तिथि विशेष पर परिसंपत्तियों और दायित्वों की वित्तीय स्थिति को ज्ञात करने के लिये तैयार किया गया विवरण है। परिसंपत्ति नाम शेषों को और दायित्व (पूँजी को शामिल करके) जमा शेषों को प्रदर्शित करते हैं। इसे लेखांकन अवधि के अंत में तैयार किया जाता है। इसके पहले व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तैयार किया जाता है। इसे तुलन–पत्र इसलिये कहते हैं। क्योंकि यह उन लेखांकन खातों के शेष को वर्णित करता है जिन्हें व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में हस्तांतरित नहीं किया जाता है तथा आगामी वर्ष के प्रारंभ में सामान्य प्रविष्टियों की सहायता से आगे लाया जाता है।

8.6.1 तुलन-पत्र का निर्माण

तुलन–पत्र में दायित्व, परिसंपत्ति और पूँजी संबंधी खातों को दर्शाया जाता है। पूँजी और देयताओं को बायीं ओर दर्शाया जाता है। परिसंपत्ति तथा अन्य नाम शेषों को दायीं ओर दर्शाया जाता है। एकाकी व्यवसाय व साझेदारी व्यावसाय के लिये तुलन–पत्र का कोई निर्धारित प्रारूप नहीं होता है। हालांकि कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III भाग I में तुलन–पत्र का प्रारूप तथा परिसंपत्तियों एवं दायित्वों को क्रमानुसार प्रस्तुतिकरण को स्पष्ट किया गया है। तुलन–पत्र का साधारण प्रारूप चित्र 8.7 में दिखाया गया है:

मार्च 31, 2017 को .... का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि रु.*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि रु.*
पूँजी	.....		फर्नीचर	.....
जमा: लाभ	.....	.....	रोकड़	.....
दीर्घकालीन ऋण		.....	बैंक	.....
देय विपत्र			ख्याति	....
बैंक अधिविकर्ष		.....	विविध देनदार	.....
			भूमि और भवन	
			अंतिम स्टॉक	
		xxxx		xxxx

चित्र 8.7 : *तुलन-पत्र का प्रारूप*

यदि हम अंकित के तलपट (चित्र 8.1) को देखें तो पाएंगे कि 14 खातों का वर्णन किया गया है जिसमें 7 खातों को व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में हस्तांतरित किया गया है। चित्र 9.3 के विश्लेषण से प्राप्त होता है कि व्यापारिक का कुल व्यय 1,25,500 रु. और अर्जित आगम 1,30,000 रु. जिससे 4,500 रु. का लाभ होता है। अन्य 7 मदों को तलपट में पूँजी, परिसंपत्ति और दायित्व के साथ दर्शाया जाएगा। नीचे अंकित

के तलपट को पुनः दर्शाया गया है जिसके अध्ययन से यह स्पष्ट होगा कि अंकित के परिसंपत्ति और देयता खातों को तुलन-पत्र में किस प्रकार प्रदर्शित किया जाएगा।

31 मार्च, 2017 को अंकित का तलपट

खाते का नाम	*ख.पृ.सं*	*नाम राशि रु.*	*जमा राशि रु.*
रोकड़		**1,000**	
पूँजी			**12,000**
बैंक		**5,000**	
विक्रय			1,25,000
मजदूरी		8,000	
लेनदार			**15,000**
वेतन		25,000	
10% दीर्घकालीन ऋण (1 अप्रैल, 2014 से लागू)			**5,000**
फर्नीचर		**15,000**	
कमीशन प्राप्ति			5,000
मकान का किराया		13,000	
देनदार		**15,500**	
डूबत ऋण		4,500	
क्रय		75,000	
		1,62,000	1,62,000

चित्र 8.8 : *अंकित के तलपट में परिसंपत्ति एवं देयताओं संबंधी खातों का चित्रण*

मार्च 31, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

देयताएं		*राशि रु.*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि रु.*
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000
जमा: लाभ	4,500	16,500	रोकड़	1,000
10 % दीर्घकालीन ऋण		5,000	बैंक	5,000
लेनदार		15,000	देनदार	15,500
		36,500		36,500

चित्र 8.9 : *अंकित की तुलन-पत्र का प्रदर्शन*

© NCERT not to be republished

8.6.2 तुलन-पत्र की प्रासंगिक मदें

तुलन–पत्र की मदों का वर्णन नीचे किया गया है:

1. *चालू परिसंपत्ति* — चालू परिसंपत्ति वह परिसंपत्ति होती है जो कि नकद के रूप में अथवा इसे 1 वर्ष के भीतर नकद के रूप में बदला जा सकता है। ऐसी परिसंपत्ति का उदाहरण हस्तस्थ रोकड़, विपत्र, कच्चे माल का स्टॉक, अर्ध–निर्मित समान, पूर्ण निर्मित समान, विविध देनदार अल्पकालिक निवेश, पूर्व अदत्त देय आदि।
2. *स्थायी परिसंपत्ति* — ये परिसंपत्तियां प्रतिष्ठान के व्यापारिक क्रियाओं की लंबे समय तक चलाने के लिये प्राप्त की जाती है। इन परिसंपत्तियों को पुनः विक्रय के लिये नहीं खरीदा जाता है। जैसे भूमि, भवन संयंत्र और मशीनरी, फर्नीचर और फिक्सर आदि कभी–कभी स्थायी संपत्तियों और स्थायी पूँजी का प्रयोग इन संपत्तियों के लिये किया जाता है।
3. *चालू दायित्व* — वे दायित्व जो किसी तिथि से एक वर्ष के अन्दर भुगतान किये जाने योग्य हैं वे भुगतान चालू परिसंपत्तियों में से न हों और नये चालू दायित्व का सृजन करके हो, चालू दायित्व कहलाते हैं। उदाहरण: बैंक अधिविकर्ष, देय–विपत्र विविध लेनदार, अल्पकालीन ऋण, अदत्य व्यय आदि।
4. *अमूर्त परिसंपत्ति* — ये वे परिसंपत्तियां हैं जो कि न तो देखी जा सकती हैं न ही स्पर्श की जा सकती हैं। जैसे, ख्याति, पैटेंट, ट्रेड मार्क आदि अमूर्त परिसंपत्ति के उदाहरण हैं।
5. *निवेश* — धन का सरकारी प्रत्याभूति और कंपनी के शेयरों में लगाने को निवेश कहते हैं। इन्हें लागत मूल्य पर दर्शाया जाता है यदि तुलन–पत्र के तैयार करने की तिथि को निवेश का बाजार लागत मूल्य से कम है तो टिप्पणी द्वारा इसे तुलन–पत्र में दर्शाया जाता है।
6. *दीर्घकालीन दायित्व* — सभी प्रकार के दायित्व जो चालू दायित्व नहीं होते हैं, दीर्घकालीन दायित्व कहलाते हैं। इनका भुगतान सामान्यतः एक वर्ष बाद होता है। दीर्घकालीन दायित्व के प्रमुख मद, बैंक दीर्घकालीन ऋण और वित्तीय संस्थान होते हैं।
7. *पूँजी* — यह बाह्य कारण से दायित्वों पर संपत्तियों की अधिकता से होता है। यह एकल अथवा साझेदारी वाले व्यावसाय में लगायी गयी राशि का प्रतिनिधित्व करता है जो लाभ और ब्याज से बढ़ता है तथा हानि, आहरण एवं आहरण पर ब्याज से घटता है।
8. *आहरण* — स्वामी द्वारा निकाली गयी राशि को आहरण कहते हैं जो पूँजी खाते में कमी लाती है। इसलिये आहरण खाते को पूँजी से हस्तांतरित करके बंद किया जाता है। तुलन–पत्र में इस मद को पूंजी में से घटाकर प्रदर्शित करते हैं।

8.6.3 परिसंपत्तियों और दायित्वों का क्रमबद्धीकरण और समूहीकरण

खाते का उद्देश्य वित्तीय विवरणों को तैयार और प्रस्तुत करना है इससे उपयोगकर्ता को आवश्यक सूचनाएँ प्राप्त होनी चाहिए। इसलिये यह आवश्यक हो जाता है कि तुलन–पत्र में सभी उचित समूह में व एक विशेष क्रम में हों।

© NCERT not to be republished

परिसंपत्तियों व दायित्वों का क्रमबद्धीकरण

तुलन–पत्र में परिसंपत्तियां और दायित्व तरलता या निष्पादन के क्रम में हो सकते हैं। संपत्तियों एवं दायित्वों को विशेष क्रम में रखने को क्रमबद्धीकरण कहते हैं।

निष्पादन की स्थिति में, अति महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों और दायित्वों को तुलन–पत्र के शीर्ष पर रखा जाता है। इसके उपरांत परिसंपत्तियों को उनकी वरीयता के क्रम में व्यवस्थित किया जाता है।

अंकित के तुलन–पत्र में आप पायेंगे कि फर्नीचर एक स्थायी परिसंपत्ति है, देनदारों, बैंक और नकद में से देनदार को वापस नकद में लाने के लिये सबसे अधिक समय लगता है। नकद से बैंक कम तरल होता है। सभी संपत्तियों में नकद सबसे अधिक तरल होता है। ठीक इसी प्रकार दायित्व के पक्ष में पूँजी का वित्त में प्रमुख स्रोत है जो व्यवसाय में दीर्घकालीन ऋण से दीर्घकालीन ब्याज में बनाये रखेगा। लेनदार तरल दायित्व से निकट भविष्य में मुक्त हो जायेंगे। अंकित के तुलन–पत्र को निष्पादन के आधार पर चित्र 8.10 (ख) में दर्शाया गया है।

31 मार्च, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि* रू.	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि* रू.
10% दीर्घकालीन ऋण		5,000	बैंक	5,000
लेनदार		15,000	रोकड़	1,000
पूँजी	12,000		देनदार	15,500
जोड़ा लाभ	4,500	16,500	फर्नीचर	15,000
		36,500		36,500

चित्र 8.10 (क) : *तरलता के आधार पर तुलन–पत्र का निर्माण*

तरलता की स्थिति में क्रम ठीक इसके विपरीत हो जाता है। इस विधि से प्रस्तुत सूचनाएँ उपयोगकर्ता को विभिन्न खातों के जीवन के बारे में अच्छे विचार के योग्य तैयार करते हैं संबंधित स्थाई प्रकृति का संपत्ति खाता को व्यवसाय में दीर्घ काल तक जारी रहता है जबकि क्रम स्थायी अथवा अधिक तरलीय खाता अपने आकार को निकट भविष्य में बदल लेता है। इसको नकद का रूप देते हैं अथवा नकद के बराबर हो जाते हैं।
अंकित के तुलन–पत्र को चित्र संख्या 8.10 (क) में तरलीय क्रम में रखा गया है।

परिसंपत्तियों और देयताओं का समूहीकरण

तुलन–पत्र में प्रदर्शित मदों का समूहीकरण भी किया जा सकता है। समूहीकरण से आशय है, समान प्रकृति की मदों को एकरूप शीर्ष के अंतर्गत् रखना। उदाहरण के रूप में, रोकड़, बैंक, देनदारों आदि खातों को ''चालू परिसंपत्ति'' शीर्ष के अंतर्गत् लिखा जा सकता है तथा समस्त दीर्घ परिसंपत्तियों और दीर्घकालीन निवेश को ''गैर–चालू परिसंपत्तियाँ'' शीर्ष में प्रदर्शित किया जा सकता है।

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र (निष्पादन के आधार पर)

दायित्व		*राशि* *रु.*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि* *रु.*
पूँजी	12,000		देनदार	15,500
जोड़ाः लाभ	4,500	16,500	फर्नीचर	15,000
10% दीर्घकालीन ऋण		5,000	बैंक	5,000
लेनदार		15,000	रोकड़	1,000
		36,500		36,500

चित्र 8.10 (ख) : *निष्पादन के आधार पर तुलन-पत्र का निर्माण*

31 मार्च, 2017 को अंकित की तुलन-पत्र
(निष्पादन आधार पर)

देयताएं		*राशि* *रु.*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि* *रु.*
स्वामित्व कोष			*गैर चालू परिसंपत्तियाँ*	
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000
जोड़ाः लाभ	4,500	16,500	*चालू परिसंपत्तियाँ*	
गैर चालू दायित्व				
दीर्घकालीन ऋण		5,000	देनदार	15,500
चालू देयताएं			बैंक	5,000
लेनदार		15,000	रोकड़	1,000
		36,500		36,500

चित्र 8.10 (ग): *परिसंपत्तियों और देयताओं के समूहीकरण का प्रदर्शन*

स्वयं करें

निम्न मदों को निष्पादन और तरलता के आधार पर तुलन-पत्र में दर्शायें। साथ ही तर्कसंगत शीर्ष के अंतर्गत् समूहीकरण करें:

देयताएँ	***परिसंपत्तियाँ***
दीर्घकालीक ऋण	मकान
बैंक अधिविकर्ष	हस्तस्थ रोकड़
देय विपत्र	बैंक में जमा रोकड़
स्वामित्व पूँजी	प्राप्य विपत्र
लघुकालीन ऋण	विविध देनदार
विविध लेनदार	भूमि
	माल की संपत्ति
	कार्य प्रगति पर
	कच्चा माल

उदाहरण 8

नीचे दी गयी सूचनाओं के आधार पर वर्ष 31 मार्च 2017 की समाप्ति के लिए व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तैयार करें।

खातों के नाम	*राशि* रु.	*खातों के नाम*	*राशि* रु.
माल की ढुलाई	8,000	हस्तस्थ रोकड़	2,500
क्रय		बैंक अधिविकर्ष	30,000
बिके हुए माल की ढुलाई	3,500	मोटर कार	60,000
विनिर्माण व्यय	42,000	आहरण	8,000
विज्ञापन	7,000	अंकेक्षण शुल्क	2,700
उत्पाद शुल्क	6,000	प्लांट	1,53,900
फैक्टरी विजली	4,400	प्लांट की मरम्मत	2,200
देनदार	80,000	जमा माल की समाप्ति	76,000
लेनदार	61,000	क्रय वापसी	1,60,000
गोदी एवं निकासी व्यय	5,200	क्रय पर कमीशन	2,000
डाक एवं तार	800	व्यापारिक व्यय	3,200
आग बीमा का भुगतान	3,600	निवेश	30,000
पेटेंट	12,000	निवेश पर ब्याज	4,500
आयकर	24,000	पूँजी	1,00,000
कार्यालय व्यय	7,200	विक्रय वापसी पर हानि	5,20,000
		विक्रय शुल्क का भुगतान	12,000
		बट्टा	2,700
		क्रय पर बट्टा	3,400

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को व्यापारिक और लाभांश हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि* रु.	*आगम/अधिलाभ*	*राशि* रु.
क्रय वापसी पर हानि	1,60,000	विक्रय वापसी पर हानि	5,20,000
क्रय पर कमीशन	2,000		
क्रय माल की ढुलाई	8,000		
विनिर्माण व्यय	42,000		
फैक्टरी का विद्युतीकरण	4,400		
गोदी एवं निकासी व्याज	5,200		
सकल लाभ आ/ले	2,98,400		
	5,20,000		5,20,000

© NCERT not to be republished

विक्रय पर ढुलाई	3,500	सकल लाभ आ/ला	2,98,400
विज्ञापन	7,000	निवेश पर ब्याज	4,500
उत्पाद शुल्क	6,000	क्रय पर बट्टा	3,400
डाक और तार	800		
आग बीमा का भुगतान	3,600		
कार्यालय व्यय	7,200		
ऑडिट शुल्क	2,700		
प्लांट की मरम्मत	2,200		
आकस्मिक व्यापार व्यय	3,200		
आयकर भुगतान	12,000		
बट्टा	2,700		
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)	2,55,400		
	3,06,300		3,06,300

31 मार्च, 2017 को तुलन-पत्र

देयताएँ		*राशि* रु.	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि* रु.
बैंक अधिविकर्ष		30,000	हस्तस्थ रोकड़	2,500
लेनदार		61,000	देनदार	80,000
पूँजी	1,00,000		अंतिम स्टॉक	76,000
जोड़ाः *लाभ*	2,55,400		निवेश	30,000
	3,55,400		मोटर कार	60,000
घटायाः आहरण	(8,000)		प्लांट	1,53,900
	3,47400		पेटेंट	12,000
घटायाः कर	(24,000)	3,23,400		
		4,14,400		4,14,400

उदाहरण 9

निम्नलिखित शेष की सहायता से व्यापार और लाभ–हानि खाता तथा तुलन–पत्र तैयार कीजिए जबकि वर्ष का अंत 31 मार्च, 2017 को होता है।

© NCERT not to be republished

खातों के नाम	*राशि* रु.	*खातों के नाम*	*राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक	15,310	पूँजी	2,50,000
क्रय	82,400	आहरण	48,000
विक्रय	256,000	विविध देनदार	57,000
वापसी (नाम)	4,000	विविध लेनदार	12,000
वापसी (जमा)	2,400	ह्रास	4,200
फैक्टरी किराया	18,000	चैरिटी	500
सीमा शुल्क	11,500	रोकड़ शेष	4,460
कोयला, गैस, और उर्जा	6,000	बैंक शेष	4,000
वेतन और मजदूरी	36,600	बैंक शुल्क	180
बट्टा (नाम)	7,500	स्थापना व्यय	3,600
कमीशन (जमा)	1,200	प्लांट	42,000
डूबत ऋण	5,850	पट्टे का भवन	1,50,000
डूबत ऋण की पुनः प्राप्ति	2,000	बिक्री कर संग्रहण	2,000
शिक्षुता प्रीमियम	4,800	ख्याति	20,000
उत्पादन व्यय	2,600	पेटेन्ट्स	10,000
प्रशासनिक व्यय	5,000	ट्रेडमार्क	5,000
ढुलाई	8,700	ऋण (जमा)	25,000
		ऋण पर ब्याज	3,000

मार्च 31, 2017 को अंतिम स्टॉक की लागत 25,000 रु.

हल

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 को
व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि* रु.	*आगम/अधिलाभ*		*राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक		15,310	विक्रय	2,56,000	
क्रय	82,400		*घटाया:* वापसी	(4,000)	2,52,000
घटाया: वापसी	(2,400)	80,000			
फैक्टरी किराया		18,000	अंतिम स्टॉक		25,400
सीमा शुल्क		11,500			
कोयला, गैस, ऊर्जा		6,000			
वेतन और मजदूरी		36,600			
उत्पादन व्यय		2,600			
ढुलाई		8,700			
सकल लाभ आ/ले		98,690			
		2,77,400			2,77,400

© NCERT not to be republished

बट्टा (नाम)	7,500	सकल लाभ आ/ला	98,690
डूबत ऋण	5,850	कमीशन	1,200
प्रशासनिक व्यय	5,000	डूबत ऋण की पुनः प्राप्ति	2,000
ह्रास	4,200	शिक्षुता प्रीमियम	4,800
दान	500		
बैंक शुल्क	180		
स्थापना व्यय	3,600		
ऋण पर ब्याज	3,000		
निवल लाभ	76,860		
(पूँजी खाते में हस्तांतरित)			
	1,06,690		1,06,690

31 मार्च, 2017 को तुलन-पत्र

देयताएं		*राशि* रु.	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि* रु.
विक्री कर की प्राप्ति		2,000	रोकड़ शेष	4,460
विविध लेनदार		12,000	बैंक शेष	4,000
ऋण		25,000	विविध देनदार	57,000
पूँजी	2,50,000		अंतिम स्टॉक	25,400
जोड़ा: निवल लाभ	76,860		किराये पर लिया गया भवन	1,50,000
	3,26,860		प्लांट	42,000
			पेटेन्ट्स	10,000
घटाया: आहरण	(48,000)	2,78,860	ख्याति	5,000
			ट्रेडमार्क	20,000
		3,17,860		3,17,860

8.7 प्रारंभिक प्रविष्ट

तुलन-पत्र में विभन्न खातों के शेषों को एक वित्तीय सत्र से दूसरे वित्तीय सत्र में लाया जाता है। वास्तव में एक वित्तीय सत्र में तुलन-पत्र के प्रारंभिक तलपट को अगले वित्तीय सत्र में ले जाते हैं। अगले वर्ष इन प्रारंभिक प्रविष्टियों द्वारा इन खातों की शुरूआत को तुलन-पत्र में लिया जाता है।

चित्र 8.10 (ग) में प्रदर्शित तुलन-पत्र द्वारा निम्न प्रकार से प्रारंभिक प्रविष्टियों को लिखा जायेगा।

		रू.
फर्नीचर खाता	नाम	15,000
देनदार खाता	नाम	15,500
बैंक खाता	नाम	5,000
नकद खाता	नाम	1,000

© NCERT not to be republished

पूँजी खाते से	16,500
10% दीर्घकालीन ऋण खाता से	5,000
लेनदार खाता से	15,000

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

- तुलन-पत्र
- देय-विपत्र
- पूँजी
- पूँजी प्राप्तियाँ
- बाह्य ढुलाई
- अंतिम प्रविष्टियाँ
- चालू परिसंपत्तियाँ
- क्रय वापसी
- विक्रय वापसी
- आगम व्यय
- प्रदत्त बट्टा
- रोकड़
- फैक्टरी व्यय
- स्थायी परिसंपत्तियाँ
- सकल लाभ
- आय कर
- आहरण पर ब्याज
- निवल लाभ
- निष्पादन आधार
- आगम प्राप्ति
- विक्रय
- क्रमबद्धीकरण एवं समूहीकरण
- बैंक अधिविकर्ष
- प्राप्य विपत्र
- पूँजीगत व्यय
- आंतरिक ढुलाई
- बैंकस्थ रोकड़
- अंतिम स्टॉक
- चालू देयताएँ
- किराया
- क्रय वापसी
- ह्रास
- प्राप्त बट्टा
- व्यापार व्यय
- वित्तीय विवरण
- भाड़ा
- सकल हानि
- पूँजी पर ब्याज
- निवल हानि
- तरलता आधार
- आयगत व्यय
- वेतन
- विक्रय वापसी

अधिगम उद्देश्यों के संदर्भ में सारांश

1. *वित्तीय विवरणों का अर्थ व उपयोगिता तथा उसके प्रकार:* तलपट पर सहमति के उपरान्त एक व्यापारिक प्रतिष्ठान अपना वित्तीय विवरण तैयार करता है। वित्तीय विवरण वह विवरण है जो किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान की प्रक्रिया पर आवर्तीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है तथा दिये गये समयावधि मे अपने उद्देश्यों की प्राप्ति को प्रदर्शित करता है। वित्तीय विवरण में, व्यापारिक व लाभ तथा हानि, तुलन-पत्र और अन्य विवरणों के साथ व्याख्यान के नोट जो उसके प्रमुख भाग होते हैं, समाहित होते हैं। वित्तीय विवरण से प्राप्त सूचनाएँ व्यापार प्रक्रिया की योजना और नियंत्रण तथा उसके प्रबंधन में सहायक होती है। वित्तीय विवरण लेनदार शेयरहोल्डर, प्रतिष्ठान के कर्मचारियों के लिये भी उपयोगी होता है।

© NCERT not to be republished

2. *व्यापारिक लाभ और हानि खातों की तैयारी तथा उसका अर्थ व उपयोगिता:* लाभ और हानि खाते किसी व्यापारिक इकाई के द्वारा दिये गये समय में किये गये व्यापारिक से क्रियाओं में अर्जित लाभ या हानि को प्रदर्शित करता है। व्यापारिक तथा लाभ और हानि खाता, किसी दिए गये समय में किये गये व्यापारिक संक्रियाओं के शुद्ध परिणाम को निश्चित करने के लिये, आवश्यक है। लाभ व हानि खाता आगम व्यय और हानियों के मद को नाम (डेबिड) की तरफ प्रदर्शित करता है जबकि लाभ तथा सकल लाभ के मद को जमा (क्रेडिट) की तरफ प्रदर्शित करता है व्यापारिक व लाभ और हानि खाते की तैयारी के लिये अंतिम प्रविष्टियों व्यय और आगम के मदों को तुलन खाते में हस्तांतरित करने के लिये दर्ज किया जाता है। लाभ व हानि खाते के द्वारा दिखाये गये निवल लाभ व हानि को पूँजी खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है।

3. *तुलन-पत्र का अर्थ, गुण, उपयोगिता तथा संरचना:* तुलन-पत्र किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान की परिसंपत्तियों तथा दायित्वों को दर्शाने वाला एक विवरण है जो उसकी आर्थिक अवस्था को प्रदर्शित करता है। किसी दी गयी तिथि में तुलन-पत्र में मौजूद सूचनाएं उस तिथि के लिये ही सत्य होती है। तुलन-पत्र अंतिम खाते का एक भाग है परंतु यह खाता नहीं है, यह केवल एक विवरण है। तुलन-पत्र में परिसंपत्तियों का योग हमेशा दायित्व के बराबर होता है। ये खाता के समीकरण को प्रदर्शित करता है। किसी व्यापार की आर्थिक स्थिति तथा उसके परिसंपत्तियों व दायित्वों को प्रकृति तथा मूल्य को जानने के लिये तुलन-पत्र पर प्रदर्शित किया जाता है। ये सभी खाते जो कि लाभ व हानि खाते को बनाये जाने तक बंद नहीं हुए हैं वे तुलन-पत्र पर प्रदर्शित किये जाते हैं। तुलन-पत्र पर दिये गये परिसंपत्तियों व दायित्वों को तरलता के क्रम में अथवा स्थिरता के क्रम होते हैं।

अभ्यास

लघु उत्तरीय

1. वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिये क्या उद्देश्य होते हैं ?
2. व्यापारिक तथा लाभ और हानि खाता को तैयार करने के क्या उद्देश्य हैं ?
3. बेचे गये सामान की लागत की आवधारणाओं की व्याख्या करें?
4. एक तुलन-पत्र क्या है? इसके गुण क्या होते हैं?
5. पूँजी तथा आगम व्यय के मध्य क्या भेद हैं और नीचे दिये गये कथनों के विवरण में कौन से कथन पूँजी अथवा आगम व्यय मदों के है–
   (अ) पूराने भवन के क्रय के बाद उसे उपयोग हेतु तैयार करने के लिये उसकी मरम्मत तथा सफेदी पर व्यय।
   (ब) सरकार के अदेशानुसार एक सिनेमा हाल में एक से अधिक निकास बनाने पर आया व्यय।
   (स) भवन को खरीदते समय दिये गये पंजीकरण शुल्क
   (द) चाय के बागन की देखभाल पर आया व्यय, जो चार साल के बाद चाय का उत्पादन करेगा।
   (ध) संयंत्र पर आया ह्रास।
   (य) एक प्लेटफार्म जिस पर मशीन को लगाने में आय व्यय।
   (र) विज्ञापन पर किया गया व्यय जिसका लाभ चार साल तक आयेगा।
6. प्रचालन लाभ क्या है?

Reprint 2026-27

दीर्घ उत्तरीय

(1) वित्तीय विवरण क्या होते हैं? ये क्या सूचनाएँ प्रदान करते हैं?

(2) अंतिम प्रविष्टियां क्या होती है? अंतिम प्रविष्टियों के चार उदाहरण दें।

(3) तुलन-पत्र की उपयोगिता की व्याख्या करें।

(4) संपत्ति व दायित्वों के क्रमवही करण व समूहीकरण का क्या अर्थ है। तुलन-पत्र को किस प्रकार क्रमबद्ध किया जा सकता है। इसकी व्याख्या करें।

अंकिक प्रश्न

1. नीचे दिये गये शेषों को सीम्मी व विम्मी लि. की पुस्तक से लिया गया है। 31 मार्च 2017 को समाप्त हुए खाते वर्ष के लिये, सकल लाभ की गणना करें।

	रु.
अंतिम स्टॉक	2,50,000
एक साल में शुद्ध विक्रय	40,00,000
एक साल में शुद्ध क्रय	15,00,000
प्रारंभिक स्टॉक	15,00,000
प्रत्यक्ष व्यय	30,000

(*उत्तर:* सकल लाभ 11,70,000 रु.)

2. मै. आहूजा और नन्दा की पुस्तकों से नीचे दिये गये शेषों को लिया गया है। राशि की गणना करें।
(अ) बेचने के लिये उपलब्ध माल की लागत
(ब) एक साल में बेचे गये माल की लागत
(स) सकल लाभ

	रु.
प्रारंभिक स्टॉक	25,000
उधार क्रय	7,50,000
नकद पर क्रय	3,00,000
उधार विक्रय	12,00,000
नकद विक्रय	4,00,000
मजदूरी	1,00,000
वेतन	1,40,000
अंतिम स्टॉक	30,000
विक्रय वापसी	50,000
क्रय वापसी	10,000

(*उत्तर:* (अ) 11,65,000 रु. (ब) 11,35,000 रु. (स) 4,15,000 रु.)

© NCERT not to be republished

3. 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये मै. राजीव एण्ड सन्स की पुस्तकों से लिये गये शेषों क आधार पर सकल लाभ तथा प्रचालन लाभ की राशि की गणना करें।

	रु.
प्रारंभिक स्टॉक	50,000
निवल विक्रय	11,00,000
निवल क्रय	6,00,000
प्रत्यक्ष व्यय	60,000
प्रशासनिक व्यय	45,000
बिक्री व वितरण व्यय	65,000
आग द्वारा हानि	20,000
अंतिम स्टॉक	70,000

(*उत्तर:* सकल लाभ 4,60,000 रु. प्रचालन लाभ 3,50,000 रु.)

4. मै. अरोरा व संचदेवा ने 2016-17 में प्रचालन लाभ 17,00,000 रु. अर्जित किया था। इसकी अप्रचालन आय 1,50,000 रु. तथा अ-प्रचालन व्यय 3,75,000 रु. थी। कम्पनी द्वारा प्राप्त निवल लाभ की गणना करें।

(*उत्तर:* निवल लाभ 14,75,000 रु.)

5. 31 मार्च 2017 को मै. भोला एण्ड सन्स के तलपट से निम्नलिखित को लिया गया है।

खाते का नाम	*नाम* रु.	*जमा* रु.
प्रारंभिक स्टॉक	2,00,000	
क्रय	8,10,000	
विक्रय		10,10,000
(केवल प्रासंगिक मदें)	10,10,000	10,10,000

इस तिथि का अंतिम स्टॉक का मूल्य 3,00.000 रु. था। आप आवश्यकतानुसार रोजनामचा प्रविष्टयों को दर्ज करें और उपरोक्त मदों की व्यापारिक और लाभ व हानि तथा तुलन-पत्र को मै. भोला एण्ड सन्स के लिये कैसे तैयार करेंगे।

6. 31 मार्च 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

खाते का नाम	*राशि* रु.	*खाते का नाम*	*राशि* रु.
मशीनरी	27,000	पूँजी	60,000
विविध देनदार	21,600	देय विपत्र	2,800
आहरण	2,700	विविध लेनदार	1,400
क्रय	58,500	विक्रय	73,500
मजदूरी	15,000		

विविध व्यय	600		
किराया व कर	1,350		
आंतरिक ढुलाई	450		
बैंक	4,500		
प्रारंभिक स्टॉक	6,000		

(उत्तर: सकल लाभ 15,950 रु., निवल लाभ 14,000 रु., तुलन-पत्र का योग 75,500 रु.)

7. 31 मार्च 2017 को मै. राम की पुस्तकों से निम्नलिखित तलपट को लिया गया है इस तिथि के अनुसार आप व्यापारिक व लाभ और हानि खाता तथा तुलन-पत्र को तैयार करेंगे।

खाते का नाम	*राशि* रु.	*खाते का नाम*	*राशि* रु.
देनदार	12,000	शिक्षुता प्रीमियम	5,000
क्रय	50,000	ऋण	10,000
कोयला गैस व पानी	6,000	बैंक अधिविकर्ष	1,000
फैक्टरी मजदूरी	11,000	विक्रय	80,000
वेतन	9,000	लेनदार	13,000
किराया	4,000	पूँजी	20,000
बट्टा	3,000		
विज्ञापन	500		
आहरण	1,000		
ऋण	6,000		
खुदरा रोकड़	500		
क्रय वापसी	1,000		
मशीनरी	5,000		
भूमि व भवन	10,000		
आय कर	100		
फर्नीचर	9,900		

(उत्तर: सकल लाभ 12,000 रु., निवल लाभ 500 रु., तुलन-पत्र का योग – 43,400 रु.)

8. 31 मार्च 2017 को निम्नलिखित तलपट जो मंजू चावला का है। इसी तिथि के अनुसार आप इसकी व्यापारिक और लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र को तैयार करेंगे।

खाते का नाम	*नाम राशि* रु.	*जमा राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक	10,000	
क्रय व विक्रय	40,000	80,000

© NCERT not to be republished

वापसियाँ	200	600
उत्पादक मजदूरी	6,000	
गोदी एवं निकासी	4,000	
दान व चंदा व्यय	600	
वितरण वैन व्यय	6,000	
बिजली	500	
बिक्री कर संग्रहण		1,000
डूबत ऋण	600	
विविध आय		6,000
भवन का किराया		2,000
रायल्टी	4,000	
पूँजी		40,000
आहरण	2,000	
लेनदार और देनदार	6,0000	7,000
रोकड़	3,000	
निवेश	6,000	
पेटेंट	4,000	
भूमि व मशीनरी	43,000	

(*उत्तर:* सकल लाभ 18,400 रु., निवल लाभ 18,700 रु., तुलन-पत्र का योग – 64,700 रु.)

9. 31 मार्च 2017 को निम्नलिखित तलपट जो मिस्टर दीपक का है। इस तिथि के अनुसार आप इसका व्यापारिक व लाभ और हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करेंगे।

खाते का नाम	*नाम राशि रु.*	*खाते का नाम*	*जमा राशि रु.*
आहरण	36,000	पूँजी	2,50000
बीमा	3,000	देय विपत्र	3,600
सामान्य व्यय	29,000	लेनदार	50,000
किराया व कर	14,400	प्राप्त बट्टा	10,400
फैक्टरी व बिजली	2,800	क्रय वापसी	8,000
यात्र व्यय	7,400	विक्रय	4,40,000
हस्तस्थ रोकड़	12,600		
प्राप्य विपत्र	5,000		
विविध देनदार	1,04,000		
फर्नीचर	16,000		
प्लांट व मशीनरी	1,80,000		
प्रारंभिक स्टॉक	40,000		

© NCERT not to be republished

क्रय	1,60,000		
विक्रय वापसी	6,000		
आंतरिक ढुलाई	7,200		
बाह्य ढुलाई	1,600		
मजदूरी	84,000		
वेतन	53,000		

(*उत्तर:* सकल लाभ 1,83,000 रु., निवल लाभ 85,000 रु., तुलन-पत्र का योग 3.52,600 रु.)

10. 31 मार्च 2017 को निम्नलिखित दिये गये विवरण से व्यापारिक और लाभ व हानि खाता व तुलन-पत्र को तैयार करें।

खाते का नाम	*नाम राशि रु.*	*जमा राशि रु.*
क्रय एवं विक्रय	3,52,000	5,60,000
क्रय वापसी एव विक्रय वापसी	9,600	12,000
आंतरिक ढुलाई	7,000	
बाह्य ढुलाई	3,360	
ईंधन और उर्जा	24,800	
प्रारंभिक स्टॉक	57,600	
डूबत ऋण	9,950	
देनदार और लेनदार	1,31,200	48,000
पूँजी		3,48,000
निवेश	32,000	
निवेश पर ब्याज		3,200
ऋण		16,000
मरम्मत	2,400	
सामान्य व्यय	17,000	
मजदूरी एवं वेतन	28,800	
भूमि व भवन	2,88,000	
हस्तस्थ रोकड़	32,000	
विविध प्राप्तियाँ		160
बिक्री कर संग्रहण		8,350

(*उत्तर:* सकल लाभ 1,22,200 रु., निवल लाभ 92,850 रु., कुल तुलन-पत्र 5,13,200 रु.)

11. 31 मार्च 2017 को मिस्टर ए. लाल के निम्नलिखित तलपट से व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र को तैयार करें।

© NCERT not to be republished

खाते का नाम		नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
1 अप्रैल 2014 को स्टॉक		16,000	
क्रय व विक्रय		67,600	1,12,000
आंतरिक व बाह्य वापसी		4,600	3,200
आंतरिक ढुलाई		1,400	
सामान्य व्यय		2,400	
डूबत ऋण		600	
प्राप्त बट्टा			1,400
बैंक अधिविकर्ष			10,000
बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज		600	
प्राप्त कमीशन			1,800
बीमा व कर		4,000	
दुपहिया व्यय		200	
वेतन		8,800	
हस्तस्थ रोकड़		4,000	
दुपहिया		8,000	
फर्नीचर		5,200	
भवन		65,000	
देनदार व लेनदार		6,000	16,000
पूँजी			50,000
अंतिम स्टॉक		15,000	

(*उत्तर:* सकल लाभ 40,000 रु., निवल लाभ 27,000 रु. तुलन-पत्र का योग 1,03,200)

12. 31 मार्च 2017 को मै. रोयल ट्रेडर्स के निम्नलिखित शेषों के द्वारा व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र को तैयार करें।

नाम शेष	*राशि* रु.	*जमा शेष*	*राशि* रु.
स्टॉक	20,000	विक्रय	2,45,000
रोकड़	5,000	लेनदार	10,000
बैंक	10,000	देय विपत्र	4,000
क्रय पर ढुलाई	1,500	पूँजी	2,00,000
क्रय	1,90,000		
आहरण	9,000		
मजदूरी	55,000		
मशीनरी	1,00,000		
देनदार	27,000		

डाक	300		
विविध व्यय	1,700		
किराया	4,500		
फर्नीचर	35,000		

(उत्तर: सकल हानि 13,500 रु., निवल हानि 20,000 रु., तुलन-पत्र का योग 1,35,000 रु.)

13. 31 मार्च 2017 को मै. नीमा ट्रेडर्स के विवरणों से व्यापारिक और लाभ व हानि खाता को तैयार करें।

खाते का नाम	*नाम राशि* रु.	*खाते का नाम*	*जमा राशि* रु.
भवन	23,000	विक्रय	1,80,000
प्लांट	16,930	बीमा	8,000
आंतरिक ढुलाई	1,000	प्राप्य विपत्र	2,520
मजदूरी	3,300	बैंक अधिविकर्ष	4,720
क्रय	1,64,000	लेनदार	8,000
क्रय वापसी	1,820	पूँजी	2,36,000
प्रारंभिक स्टॉक	9,000	क्रय वापसी	1,910
मशीनरी	2,10,940		
बीमा	1,610		
ब्याज	1,100		
डूबत ऋण	250		
डाक	300		
बट्टा	1,000		
वेतन	3,000		
देनदार	3,900		
अंतिम स्टॉक (31 मार्च 2015 को)	16,000		

(उत्तर: सकल लाभ 17,850 रु., निवल लाभ 10,590 रु., तुलन-पत्र का योग 2,69,830 रु.)

14. 31 मार्च 2017 को मै. नीलू साड़ी की निम्नलिखित शेषों से व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र को तैयार करें।

खाते का नाम	*नाम राशि* रु.	*खाते का नाम*	*जमा राशि* रु.
प्रारंभिक स्टॉक	10,000	वेतन	2,28,000
क्रय	78,000	पूँजी	70,000
आंतरिक ढुलाई	2,500	ब्याज	7,000

© NCERT not to be republished

वेतन	30,000	कमीशन	8,000
कमीशन	10,000	लेनदार	28,000
मजदूरी	11,000	देय विपत्र	2,370
किराया व कर	2,800		
मरम्मत	5,000		
दूरभाष व्यय	1,400		
वैधानिक व्यय	1,500		
विविध व्यय	2,500		
हस्तस्थ रोकड़	12,000		
देनदार	30,000		
मशीनरी	60,000		
निवेश	90,000		
आहरण	18,000		

31 मार्च 2017 को अंतिम स्टॉक 22,000 है

(*उत्तर:* सकल लाभ 1,56,500 रु., निवल लाभ 1,10,300 रु., तुलन-पत्र का योग 2,14,000 रु.)

15. 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये मै. स्पोर्टस समान के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र को उस तिथि पर तैयार करें।

खाते का नाम	*नाम राशि रु.*	*जमा राशि रु.*
प्रारंभिक स्टॉक	50,000	
क्रय व विक्रय	3,50,000	4,21,000
विक्रय वापसी	5,000	
पूँजी		3,00,000
कमीशन		4,000
लेनदार		1,00,000
बैंक अधिविकर्ष		28,000
हस्तस्थ रोकड़	32,000	
फर्नीचर	1,28,000	
देनदार	1,40,000	
प्लांट	60,000	
क्रय पर ढुलाई	12,000	
मजदूरी	8,000	
किराया	15,000	
डूबत ऋण	7,000	
आहरण	24,000	
लेखन सामग्री	6,000	

© NCERT not to be republished

यात्रा व्यय बीमा बट्टा कार्यालय व्यय	2,000 7,000 5,000 2,000	

31 मार्च 2017 को अंतिम स्टॉक 2,500 है

(*उत्तर:* सकल हानि 1,500 रु., निवल हानि 4,500 रु., तुलन-पत्र का योग 3,62,500 रु.)

स्वयं जाँचिए के लिए जाँच सूची

स्वयं जाँचिए - I

1. (i) सत्य (ii) सत्य (iii) असत्य (iv) सत्य
2. (i) ब (ii) अ (iii) ह (iv) स (v) द

स्वयं जाँचिए - II

1. (v) 2. iii 3. iv 4. iii

© NCERT not to be republished

11113CH10

वित्तीय विवरण – 2

9

अधिगम उद्देश्य

इस अध्याय के अध्ययन के उपरांत आपः

- वित्तीय विवरण तैयार करते समय समायोजन की आवश्यकता को समझ सकेंगे;
- अदत्त तथा पूर्वदत्त व्यय, उपार्जित तथा अग्रिम प्राप्त आय के लेखांकन व्यवहार को विस्तार से समझ सकेंगे;
- ह्रास, डूबत ऋण, संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान और देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान से संबंधित समायोजनों पर तर्क कर सकेंगे;
- प्रबंधक कमीशन तथा पूँजी पर ब्याज की अवधारणा तथा समायोजन को समझ सकेंगे;
- लाभ-हानि खाता तथा तुलन-पत्र समायोजन सहित तैयार कर सकेंगे;
- वित्तीय विवरणों का शीर्ष प्रस्तुतिकरण कर सकेंगे।

अध्याय 9 में आपने अंतिम खाते बनाने की प्रक्रिया का अध्ययन व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र के प्रारूप से किया। साधारण अंतिम खातों का निर्माण व्यावसायिक प्रचालन प्रक्रिया में लेखांकन जटिलताओं की अनुपस्थिति, जो कि व्यापार में समान्य है, के पूर्वानुमान पर आधारित होता है। यह जटिलताएं आय तथा वित्तीय स्थिति के निर्धारण हेतु उपार्जन आधार पर होने वाले तथ्यों के कारण उत्पन्न होती हैं। इससे आश्य है कि लाभप्रदता के निर्धारण के लिए आय जो कमाई जा चुकी है, के आधार पर करना चाहिये न कि प्राप्ति के आधार पर तथा व्ययों का निर्धारण उत्पत्ति के आधार पर किया जाना चाहिये न कि भुगतान के आधार पर। इसलिए अनेक मदों को वित्तीय विवरण बनाते समय कुछ समायोजन की आवश्यकता होती है। इस अध्याय में हम उन सभी मदों का अध्ययन करेंगे जिनमें समायोजन की आवश्यकता है, साथ ही यह भी जानेंगे कि किस तरह इन्हें अंतिम खातों में समायोजित किया जाता है।

9.1 समायोजन की आवश्यकता

लेखांकन के उपार्जन परिकल्पना के अनुसार एक लेखांकन वर्ष लाभ अथवा हानि की गणना, आगम की रोकड़ के रूप में वसूली, तथा वर्ष के दौरान भुगतान किए गए व्ययों पर आधारित नहीं है क्योंकि चालू वर्ष के दौरान कुछ ऐसी आय प्राप्तियाँ एवं भुगतान किये गए व्यय हो सकते हैं जो आंशिक रूप से गत वर्ष अथवा आगामी वर्ष से संबंधित हों। ऐसा भी हो सकता है कि चालू वर्ष से संबंधित कुछ आगम तथा व्यय जिसे लेखा पुस्तकों में दर्शाना बाकी है। इसलिए जब तक कि इन मदों का समायोजन नहीं हो जाता तब तक अंतिम खाते, एक व्यापार की वास्तविक तथा उचित अवस्था को प्रदर्शित नहीं करेंगे।

© NCERT not to be republished

अब हम एक उदाहरण लेते हैं जिसमें 1,200 रूपये की राशि का भुगतान 1 जुलाई 2016 को बीमा प्रीमियम के लिये किया गया। आप जानते हैं कि किसी भी सामान्य बीमा प्रीमियम का भुगतान सामान्यतया 12 महीने की अवधि के लिये किया जाता है। मान लेते हैं कि लेखांकन वर्ष का अंत 31 मार्च 2017 को होगा। इससे आश्य है कि 1 जुलाई, 2016 को भुगतान किए गए बीमा प्रीमियम का 1/4 भाग आगामी लेखांकन वर्ष 2017-18 से संबंधित है। इसलिए 2016-17 का वित्तीय विवरण बनाते समय बीमा प्रीमियम पर किए गए व्यय को 900 (1200 रु. – 300 रु.) रुपये लाभ–हानि खाते के नाम लिखे जायेंगे।

अब हम एक अन्य उदाहरण लेते हैं। मार्च 2017 माह के वेतन का 7 अप्रैल 2017 को भुगतान किया गया। इससे आशय है कि 2016-17 के वेतन खाते में मार्च 2017 का वेतन शामिल नहीं है। इस प्रकार के भुगतान न किये गये वेतन को *बकाया वेतन* कहेंगे तथा इस राशि को लाभ–हानि खाते के नाम पक्ष की ओर अप्रैल 2016 से लेकर फरवरी 2017 तक भुगतान किये गये वेतन के साथ पुस्तकों में लिखा जाएगा। इसी प्रकार कुछ अग्रिम प्राप्त आय तथा वह आय जो उपार्जित हो चुकी है परन्तु अभी भी प्राप्त होनी बाकी है का समायोजन भी आवश्यक हो सकता है। इसके अतिरिक्त यहाँ कुछ मदें जैसे कि परिसंपत्तियों पर ह्रास, पूँजी पर ब्याज आदि, जो कि दिन–प्रतिदिन अभिलेखित नहीं की जाती है, को भी वित्तीय विवरण तैयार करते समय समायोजित किया जाता है। अनेक समायोजनों का उद्देश्य अंतिम खातों द्वारा एक व्यवसाय की लाभ–हानि की गणना तथा वित्तीय स्थिति का सच्चा चित्र प्रस्तुत करना होता है। वह मदें जिन्हें आमतौर पर समायोजन की आवश्यकता होती है निम्न हैं:

1 अंतिम स्टॉक
2 बकाया व्यय
3 पूर्वदत्त/असमाप्त व्यय
4 उपार्जित आय
5 अग्रिम प्राप्त आय
6 ह्रास
7 डूबत ऋण
8 संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान
9 देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान
10 प्रबंधक कमीशन
11 पूँजी पर ब्याज

वित्तीय विवरण बनाते समय यह ध्यान देने योग्य है कि जिन मदों का समायोजन करना है उनका वर्णन तलपट के साथ अतिरिक्त सूचनाओं के रूप में उपलब्ध होता है। सभी समायोजन अंतिम खातों में दोहरी प्रविष्टि को पूरा करने के लिए दो स्थानों पर किये जाते हैं। अध्याय 9 में वर्णित उदाहरण में जो कि अंकित के तलपट को दर्शाता है। चित्र 9.1 में पुनः प्रदर्शित किया गया है:

© NCERT not to be republished

31 मार्च 2017 को अंकित का तलपट

खाता शीर्षक	*तत्व*	*ब.पृ.सं.*	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
रोकड़	परिसंपत्ति		1,000	
बैंक	परिसंपत्ति		5,000	
मजदूरी	व्यय		8,000	
वेतन	व्यय		25,000	
फर्नीचर	परिसंपत्ति		15,000	
भवन का किराया	व्यय		13,000	
देनदार	परिसंपत्ति		15,500	
डूबत ऋण	व्यय		4,500	
क्रय	व्यय		75,000	
पूँजी (समता)				12,000
विक्रय	आगम			1,25,000
लेनदार	दायित्व			15,000
(1-4-2014 का लिये) दीर्घ अवधि ऋण	दायित्व			5,000
प्राप्त कमीशन	आगम			5,000
			1,62,000	1,62,000

अतिरिक्त सूचनायें : 31 मार्च 2017 को स्टॉक 15,000 रु. का है।

चित्र *9.1:* *अंकित का तलपट*

अब हम समायोजन की जाने वाली मदों का अध्ययन करेंगे और आप देखेंगे कि किस प्रकार से यह समायोजन, वित्तीय स्थिति तथा लाभ-हानि खाते का सच्चा चित्रण प्रस्तुत करने में सहायक होते हैं।

9.2 अंतिम स्टॉक

जैसा कि अध्याय 8 में समझाया गया है, अंतिम स्टॉक एक लेखांकन वर्ष के अंत में भण्डार गृह में रखे हुए बिना बिके माल के मूल्य को दर्शाता है। अंतिम स्टॉक से संबंधित समायोजन निम्न प्रकार से किया जाएगा:

(i) व्यापार तथा लाभ-हानि खाते में जमा पक्ष की ओर; तथा

(ii) तुलन-पत्र में परिसम्पत्ति पक्ष की ओर दर्शाया जाएगा।

© NCERT not to be republished

इस संदर्भ में जो समायोजन प्रविष्टि अभिलेखित की जायेगी, वह है:

अंतिम स्टॉक खाता	नाम
व्यापारिक खाते से	

वर्ष का अंतिम स्टॉक, आगामी वर्ष के तलपट में आरंभिक स्टॉक के रूप में दर्शाया जाएगा। 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष में अंकित का व्यापार और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र में निम्न प्रकार दर्शाया जाएगा:

वर्षान्त *31* मार्च *2017* के लिये अंकित का व्यापार तथा लाभ-हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि	*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*	*राशि (रु.)*
क्रय	75,000	विक्रय	1.25,000
मजदूरी	8,000	अंतिम स्टॉक	15,000
सकल लाभ आ/ला	57,000		
	1,40,000		1,40,000
वेतन	25,000	सकल लाभ आ/ले	57,000
भवन का किराया	13,000	प्राप्त कमीशन	5,000
डूबत ऋण	4,500		
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)	19,500		
	62,000		62,000

कभी-कभी आरंभिक तथा अंतिम स्टॉक को क्रय खाते के द्वारा समायोजित किया जाता है। इस स्थिति में निम्न प्रविष्टि अभिलेखित की जाएगी:

अंतिम स्टॉक खाता	नाम
क्रय खाते से	

यह प्रविष्टि क्रय खाते की राशि को घटाती है तथा इसे *समायोजित क्रय* भी कहते हैं। इस मद को व्यापारिक और लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष की ओर दर्शाया जाता है। इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि अंतिम स्टॉक को व्यापार और लाभ व हानि खाते में नहीं दर्शाया जाएगा क्योंकि इसे पहले से ही क्रय खाते में समायोजित किया जा चुका है। केवल इस स्थिति में ही नहीं अपितु आरंभिक स्टॉक भी व्यापार और लाभ व हानि खाते में पृथक रूप से नहीं दर्शाया जाएगा। जैसा कि निम्न प्रविष्टि द्वारा पहले ही क्रय खाते में समायोजित किया गया है:

क्रय खाता	नाम
आरंभिक स्टॉक खाते से	

इस संदर्भ में अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु यह है कि जब आरंभिक एवं अंतिम स्टॉक क्रय खाते द्वारा समायोजित किया जाता है तो तलपट में आरंभिक स्टॉक को नहीं दर्शाया जाता। अपितु अंतिम स्टॉक को तलपट में दर्शाया

© NCERT not to be republished

जाएगा (अतिरिक्त सूचना और समायोजित मद के रूप में नहीं) और इस प्रकार समायोजित क्रय को भी। इस प्रकार की स्थिति में आपको याद रखना चाहिये कि समायोजित क्रय, व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में नाम पक्ष की ओर लिखा जाएगा। अंतिम स्टॉक को तुलन-पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में निम्न प्रकार दर्शायेंगे।

31 मार्च 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
स्वामित्व निधि			*गैर चालू परिसंपत्तियाँ*	
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000
जोड़ा निवल लाभ	19,500	31,500	*चालू परिसंपत्तियाँ*	
गैर चालू दायित्व			देनदार	15,500
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	बैंक	5,000
चालू दायित्व			रोकड़	1,000
लेनदार		15,000	**अंतिम स्टॉक**	**15,000**
		51,500		51,500

9.3 बकाया व्यय

किसी व्यावसायिक संस्था के लिए यह आम बात है कि वर्ष के दौरान व्यावसायिक प्रचालन में कुछ व्ययों का भुगतान लेखांकन वर्ष के अंत तक नहीं हो पाता है। ऐसे व्यय मजदूरी, वेतन, ऋण पर ब्याज आदि हो सकते हैं। लेखांकन वर्ष के अंत तक न किये गए भुगतानों को *बकाया व्यय* कहते हैं। चूंकि यह चालू वर्ष के दौरान उत्पन्न आगम से संबंध रखते हैं, यह तर्कसंगत है कि इन व्ययों को सही लाभ-हानि की राशि की गणना करने के लिये आगम पर प्राभार रूप में दर्शाया जाये। इस प्रकार के व्ययों की प्रविष्टि खातों में निम्न प्रकार से की जाएगी:

संबंधित व्यय खाता	नाम	
बकाया व्यय खाते से		

उपरोक्त प्रविष्टि से एक नया खाता "बकाया व्यय" खोला जाएगा जो कि तुलन-पत्र में दायित्व पक्ष में दर्शाया जाएगा। व्यापारिक तथा लाभ व हानि खाता बनाते समय अदत्त व्यय की राशि को संबंधित कुल व्यय में जोड़कर दर्शाया जाएगा। उदाहरण के लिए:

श्री अंकित के तुलन-पत्र के संबंध में (चित्र 9.1) आपने देखा होगा कि मजदूरी को 8,000 रु. पर दर्शाया गया है। हम मान लेते हैं कि श्री अंकित द्वारा 2016-17 वर्ष में 500 रूपये की मजदूरी राशि अपने एक कर्मचारी पर बकाया है। ऐसी स्थिति में मजदूरी पर सही व्यय राशि 8,500 रुपये होगी न कि 8,000 रुपये। अंकित के द्वारा व्यापारिक और लाभ व हानि खाते 8,500 रु. मजदूरी दर्शायी जायेगी और चालू दयित्व के रूप में 500 रुपये अपने कर्मचारी के प्रति देय दर्शाये जाएंगे। इसको *बकाया मजदूरी* से संबंधित किया जायेगा और इसका समायोजन मजदूरी खाते में निम्न प्रविष्टि को अभिलेखित करके किया जायेगा।

मजदूरी खाता	नाम	500	
बकाया मजदूरी खाते से			500

व्यापारिक और लाभ व हानि खाता बनाते समय बकाया मजदूरी की राशि को मजदूरी खाते में जोड़ा जायेगा जो कि निम्न प्रकार से है:

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिये अंकित का व्यापार तथा लाभ-हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*	*राशि (रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय	1,25,000
मजदूरी	**8,000**		अंतिम स्टॉक	15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	**500**	8,500		
सकल लाभ आ/ला		56,500		
		1,40,000		1,40,000
वेतन		25,000	सकल लाभ आ/ले	56,000
भवन का किराया		13,000	प्राप्त कमीशन	
डूबत ऋण		4,500		
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		19,000		
		61,500		61,500

अंकित के व्यापारिक और लाभ व हानि खाते को ध्यानपूर्वक देखें। क्या आपने गौर किया कि बकाया मजदूरी के कारण निवल लाभ की राशि कम होकर 19,000 रुपये हो गई है। तुलन–पत्र में अदत्त मजदूरी से संबंधित मद निम्न प्रकार दर्शायी जाएगी।

31 मार्च 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
स्वामित्व निधि			गैर चालू स्थायी परिसम्पत्तियाँ	
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000
जोड़ा निवल लाभ	19,000	31,000	चालू परिसंपत्तियाँ	
दीर्घ अवधि के लिए ऋण		5,000	देनदार	15,500
चालू दायित्व			बैंक	5,000
लेनदार		15,000	रोकड़	1,000
बकाया मजदूरी		**500**	अंतिम स्टॉक	15,000
		51,500		51,500

© NCERT not to be republished

9.4 पूर्वदत्त व्यय

व्यापारिक क्रियाकलापों के दौरान बहुत सी व्यय की मदों का भुगतान अग्रिम रूप में ही कर दिया जाता है। लेखांकन वर्ष की अवधि के दौरान यह पाया जाता है कि इन व्ययों की उपयोगिता पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हुई है और इनसे प्राप्त उपयोगिता का कुछ भाग आगामी वर्ष में प्राप्त होगा। इन व्ययों का वह भाग जो आगामी वर्ष में हस्तांतरित किया जाएगा, पूर्वदत्त व्यय कहलाएंगे। पूर्वदत्त व्ययों के संबंध में आवश्यक समायोजन प्रविष्टि निम्न प्रकार से अभिलेखित की जाएगी।

पूर्वदत्त व्यय खाता	नाम		
संबंधित व्यय खाते से			

उपरोक्त समायोजन प्रविष्टि का प्रभाव यह होगा कि पूर्वदत्त राशि का भाग, कुल संबंधित व्यय में से घटा दिया जाएगा और एक जमा खाता ''पूर्वदत्त व्यय'' को तुलन-पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में दिखलाएंगे।

उदाहरण के लिये अंकित के तलपट ये हम यह मान लेते हैं कि कर्मचारी को भुगतान की गई वेतन की राशि में 5,000 रु. शामिल है जो किसी एक कर्मचारी को कार्यालय में कार्य करने के लिये अंग्रिम रुप से दी गई थी। इससे यह ज्ञात होता है कि अंकित ने अपने कर्मचारी को 5,000 रु. अग्रिम के वेतन का भुगतान किया है, इसलिए चालू अवधि के वेतन खाते में सही व्यय की राशि 25,000 रुपये की अपेक्षा 20,000 रु. होगी। अंकित वेतन व्यय के रूप में लाभ व हानि खाते में 20,000 रुपये तथा तुलन-पत्र चालू परिसंपत्ति पक्ष में 5,000 रुपये पूर्वदत्त वेतन के रुप में दिखाएगा। इस संदर्भ में निम्न रोजनामचा प्रविष्टि अभिलेखित की जायेगी।

पूर्वदत्त वेतन खाता	नाम	5,000	
वेतन खाते से			5,000

व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में पूर्वदत्त वेतन को निम्न प्रकार दर्शायेंगे।

वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिये अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*	*राशि (रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय	1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक	15,000
जोड़ा अदत्त मजूदरी	500	8,500		
सकल लाभ आ/ला		56,500		
		1,40,000		1,40,000
वेतन	**25,000**		सकल लाभ आ/ले	56,500
***घटाया* पूर्वदत्त वेतन**	**(5,000)**	20,000	प्राप्त कमीशन	5,000
भवन का किराया		13,000	डूबत ऋण	4,500
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		24,000		
		65,000		65,000

आप देखेंगे कि किस प्रकार 5,000 रुपये के पूर्वदत्त वेतन के परिणामस्वरूप निवल लाभ में वृद्धि आई है तथा निवल लाभ 24,000 हो गया है। पूर्वदत्त वेतन से संबंधित मद तुलन-पत्र कोई परिसंपत्ति पक्ष में निम्न प्रकार दर्शायेंगे।

31 मार्च 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*	*राशि (रु.)*
स्वमित्व निधि			*गैर चालू परिसंपत्तियाँ*	
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000
जोड़ा निवल लाभ	24,000	36,000	*चालू परिसंपत्तियाँ*	
गैर चालू दायित्व			देनदार	15,500
दीर्घ अवधि के ऋण		5,000	**पूर्वदत्त वेतन**	**5,000**
चालू दायित्व			बैंक	5,000
लेनदार		15,000	रोकड़	1,000
बकाया मजदूरी		500	अंतिम स्टॉक	15,000
		56,500		56,500

9.5 उपार्जित आय

ऐसा भी हो सकता है कि आय से सम्बंधित कुछ मदें जैसे- ऋण पर ब्याज, कमीशन, किराया आदि चालू लेखांकन वर्ष के दौरान अर्जित की गई हैं परंतु वास्तव में चालू वर्ष के दौरान इनकी प्राप्ति नहीं हुई है। इस प्रकार की आय, *उपार्जित आय* कहलाती है। उपार्जित आय का समायोजन प्रविष्टि इस प्रकार होगी :

उपार्जित आय खाता	नाम		
संबंधित आय खाते से			

लाभ-हानि खाते में उपार्जित आय की राशि को संबंधित आय में जोड़ा जाएगा और इस प्रकार एक नया खाता *उपार्जित आय,* तुलन-पत्र के परिसंपत्ति पक्ष की ओर दर्शाया जाएगा। उदाहरण के लिए, यह मान लेते हैं कि अंकित ने अपने सहयोगी व्यवसायी की मदद के लिये कुछ अन्य पक्षों को उनसे मिलवाया और इसके बदले में कमीशन प्राप्त किया। अंकित के तलपट में आप यह देखेंगे की एक मद *प्राप्त कमीशन* की राशि 5,000 रुपये है। यह मान लिया जाता है कि 1,500 रुपये कमीशन की राशि अभी भी सहयोगी व्यवसायी से प्राप्त होनी बाकी है। इससे प्रकट होता है कि उपार्जित कमीशन की आय वर्ष 2016-17 के दौरान 6,500 रुपये है (5000 रु. + 1,500 रु.) अंकित को समायोजन प्रविष्टि करने की आवश्यकता है जो कि उपार्जित कमीशन पर यह प्रभाव निम्न प्रकार अभिलेखित करेगी।

उपार्जित कमीशन खाता	नाम	1,500	
कमीशन खाते से			1,500

व्यापारिक और लाभ व हानि खाते में उपार्जित आय खाते को निम्न प्रकार अभिलेखित किया जायेगा।

वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिये अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम जमा

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*		*राशि (रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000		सकल लाभ आ/ले		56,500
घटाया पूर्ववत वेतन	5,000	20,000	**प्राप्त कमीशन**	**5,000**	
भवन का किराया		13,000	**जोड़ा उपार्जित कमीशन**	**1,500**	**6500**
डूबत ऋण		4,500			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		25,000			
		63,000			63,000

देखने से यह पता चलता है कि उपार्जित आय के कारण निवल लाभ 1,500 रु. से अधिक होते हुए 25,500 हुआ है। इसको अंकित के तुलन पत्र के परिसम्पत्ति पक्ष में चालू परिसम्पति के रूप में निम्न प्रकार दर्शाया जाएगा।

31 मार्च 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
स्वामित्व निधि			*गैर-चालू परिसम्पतियाँ*	
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000
जोड़ा निवल लाभ	25,500	37,500	*चालू परिसम्पतियाँ*	
गैर-चालू दायित्व			देनदार	15,500
दीर्घ अवधि के ऋण		5000	पूर्वदत्त वेतन	5,000
चालू दायित्व			**उपार्जित कमीशन**	**1,500**
लेनदार		15000	बैंक	5,000
बकाया मजदूरी		500	रोकड़	1,000
			अंतिम स्टॉक	15,000
		58,000		58,000

© NCERT not to be republished

9.6 अग्रिम प्राप्त आय

कभी-कभी कुछ निश्चित आय प्राप्त होती है लेकिन समस्त राशि चालू अवधि से संबंधित नहीं होती है ऐसी आय का वह भाग जो लेखांकन वर्ष से संबंधित होता है, को अग्रिम प्राप्त आय या अनुमति आय कहते हैं। अग्रिम प्राप्त आय को निम्न समायोजन प्रविष्टि द्वारा अभिलेखित करेंगे।

सम्बंधित आय खाता	नाम		
अग्रिम प्राप्त आय खाते से			

इस प्रविष्टि का प्रभाव यह होगा कि आय खाते के शेष चालू लेखांकन वर्ष में उपार्जित आय की राशि के बराबर होगा और एक नया खाता *अग्रिम प्राप्त आय* को तुलन-पत्र के दायित्व पक्ष की ओर दर्शाया जाएगा। उदाहरण के लिये, अंकित इस बात से सहमत होता है कि 31 मार्च 2017 से भवन का कुछ भाग सहयोगी दुकानदार को 1,000 रुपये प्रतिमाह की दर से किराये पर दिया जाय। उस व्यक्ति ने आगामी तीन माह (अप्रैल, मई, जून) के किराये का अग्रिम भुगतान किया। प्राप्त राशि को लाभ-हानि खाते में जमा किया गया यद्यपि यह आय चालू वर्ष से संबंधित नहीं है इसलिये लाभ-हानि खाते के *जमा पक्ष* में नहीं दर्शायी जायेगी। यह अग्रिम प्राप्त आय है और 3,000 रुपये की राशि को दायित्व के रूप में जाना जाएगा। अंकित को आवश्यकता है कि वह निम्न समायोजन प्रविष्टि अभिलेखित करे जो अग्रिम प्राप्त आय पर प्रभाव डाले।

प्राप्त किराया खाता	नाम	3,000	
अग्रिम प्राप्त किराया खाते से			3,000

इस प्रकार एक जमा खाता ''अग्रिम प्राप्त किराया'' 3,000 रुपये से निम्न प्रकार दर्शाया जायेगा।

31 मार्च, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*	*राशि(रु.)*
स्वामित्व निधि				
पूँजी	12,000		*गैर-चालू परिसम्पतियाँ*	
जोड़ा निवल लाभ	25,500	37,500	फर्नीचर	15,000
गैर-चालू दायित्व			*चालू परिसम्पतियाँ*	
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	देनदार	15,500
चालू दायित्व			पूर्वदत्त वेतन	5,000
लेनदार		15,000	उपार्जित कमीशन	1,500
बकाया मजदूरी		500	बैंक	5,000
अग्रिम प्राप्त किराया		**3,000**	रोकड़	4,000
			अंतिम स्टॉक	15,000
		61,000		61,000

© NCERT not to be republished

9.7 ह्रास

अध्याय 7 (भाग 1) से पुनः स्मरणः करें कि ह्रास परिसम्पत्तियों के प्रयोग तथा समय व्यतीत होने आदि के कारण, मूल्य में होनी वाली कमी है। इसका व्यवहार व्यापारिक व्यय के रुप में किया जाएगा और लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष में लिखा जायेगा। इसका प्रभाव यह होगा कि वह परिसम्पत्ति जो व्यापार में लाभ कमाने के उद्देश्य से प्रयोग की जा रही है, उस परिसम्पत्ति लागत की कुछ राशि का भाग अपलिखित किया जाएगा। इस संदर्भ में निम्न प्रविष्टि की जाएगी :

ह्रास खाता	नाम		
संबंधित परिसम्पत्ति खाते से			

तुलन–पत्र में परिसम्पत्ति को उसकी लागत में से ह्रास की राशि को घटा कर दर्शाया जायेगा। उदाहरण के लिये, अंकित के तलपट में दर्शाया गया है कि फर्नीचर खाते का शेष 15,000 रुपये है। यह मान लेते हैं कि फर्नीचर पर 10% का ह्रास प्रतिवर्ष लगाया जाायेगा। यह प्रदर्शित करता है कि वर्ष में संबंधित फर्नीचर का मूल्य 1,500 रुपये तक कम होगा (15,000 रु. × 10%)। अंकित को फर्नीचर पर ह्रास का प्रभाव दिखाने के लिये निम्न समायोजन प्रविष्टि अभिलेखित करने की आवश्यकता है:

ह्रास खाता	नाम	1,500	
फर्नीचर खाते से			1,500

ह्रास को लाभ–हानि खाते तथा तुलन–पत्र में निम्न प्रकार दर्शायेंगे:

वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिये अंकित का व्यापार तथा लाभ-हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*		*राशि (रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000				
घटाया पूर्ववत वेतन	(5,000)	20,000	सकल लाभ आ/ले		56,500
भवन का किराया		13,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
ह्रास-फर्नीचर		**1,500**	जोड़ा उपार्जित कमीशन	1,500	6,500
डूबत ऋण		4,500			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		24,000			
		63,000			63,000

Reprint 2026-27

आपने देखा कि ह्रास के समायोजन के पश्चात् निवल लाभ की राशि में कमी आई है। अब हम देखेंगे कि ह्रास को प्रभार के रूप में तुलन-पत्र में किस प्रकार दर्शाया जायेगा:

31 मार्च 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
स्वामित्व निधि			गैर-चालू परिसम्पतियाँ		
पूँजी	12,000		**फर्नीचर**	**15,000**	
जोड़ा: निवल लाभ	24,000	36,000	***घटाया:* ह्रास**	**(1,500)**	**13,500**
गैर-चालू दायित्व					
चालू दायित्व					
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	देनदार		15,500
चालू दायित्व			पूर्वदत वेतन		5,000
लेनदार		15,000	उपार्जित कमीशन		1,500
बकाया मजदूरी		500	बैंक		5,000
अग्रिम प्राप्त किराया		3,000	रोकड़		4,000
			अंतिम स्टॉक		15,000
		59,500			59,500

9.8 डूबत ऋण

डूबत ऋण से आशय ऐसी राशि से है जो कि एक फर्म अपने देनदारों से वसूल करने में असमर्थ है। चूंकि यह हानि से संबंधित है अत: इसे डूब*त ऋण* कहा जाता है। डूबत ऋण को अभिलेखित करने की प्रविष्टि होगी:

डूबत ऋण खाता	नाम		
देनदार खाते से			

अंकित के तलपट को देखने पर यह ज्ञात होता है कि डूबत ऋण की राशि 4,500 रुपये है। अंकित के विविध देनदारों की राशि 15,500 रुपये है। अंकित के तलपट में डूबत ऋण का दर्शाया जाना यह सूचित करता है कि वर्ष के दौरान अंकित को डूबत ऋण के कारण हानि हुई जो कि लेखा पुस्तकों में पहले से ही अभिलेखित की गई है। यहाँ हम यह मान लेते है कि अंकित का एक देनदार जिसने 2,500 रुपये प्राप्त होने थे, दिवालिया हो गया और उससे कुछ भी प्राप्त नहीं हो सका। परन्तु डूबत ऋण की राशि चालू वर्ष से संबंधित खातों में अभी भी प्राप्य है। यह तथ्य अतिरिक्त सूचनाओं में दर्शाया जाएगा साथ ही ये *अतिरिक्त डूबत ऋण* कहलायेगा। इस राशि से संबंधित समायोजन प्रविष्टि निम्न प्रकार से की जायेगी। इसके लिये अंकित के द्वारा निम्न समायोजन प्रविष्टि के अभिलेखन की आवश्यकता है:

डूबत ऋण खाता	नाम	2,500	
देनदार खाते से			2,500

© NCERT not to be republished

इस प्रविष्टि के द्वारा देनदार कम होकर 13,000 रुपये (15,500 रु. – 2,500 रु.) हो जायेंगे और डूबत ऋण की राशि बढ़कर 7,000 रुपये होगी (4,500 रु. + 2,500 रु.)

अतिरिक्त *डूबत ऋण* का व्यापारिक लाभ व हानि खाते तथा तुलन-पत्र में नीचे दर्शाया गया है-

31 मार्च, 2017 को को समाप्त वर्ष के लिये अंकित का व्यापारिक तथा लाभ-हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिलाभ*		*राशि (रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000				
घटाया पूर्वदत्त वेतन	(5,000)	20,000	सकल लाभ आ/ले		56,500
भवन का किराया		13,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
ह्रास-फर्नीचर		1,500	*जोड़ा* उपार्जित कमीशन	1,500	6,500
डूबत ऋण	**4,500**				
जोड़ा अन्य डूबत ऋण	**2,500**	**7,000**			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		21,500			
		63,000			63,000

31 मार्च, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
स्वामित्व निधि			*गैर चालू परिसंपतियाँ*		
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000	
जोड़ाः निवल लाभ	21,500	33,500	*घटायाः* ह्रास	1,500	13,500
गैर-चालू दायित्व			*चालू परिसम्पतियाँ*		
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	**देनदार**	**15,500**	
चालू दायित्व तथा प्रावधान			**घटायाः अतिरिक्त**	**(2,500)**	
			डूबत ऋण		**13,000**
लेनदार		15,000	पूर्वदत्त वेतन		5,000
बकाया मजदूरी		500	उपार्जित कमीशन		1,500
अग्रिम प्राप्त किराया		3,000	बैंक		5,000
			रोकड़		4,000
			अंतिम स्टॉक		15,000
		57,000			57,000

© NCERT not to be republished

9.9 संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान

उपरोक्त तुलन–पत्र में देनदार अब 13,000 रुपये दिखाये गये हैं जो कि आगामी वर्ष के दौरान अनुमानित प्राप्त मूल्य है। यह संभव है कि भविष्य में समस्त राशि प्राप्त न हो। यद्यपि यह भी संभव नहीं है कि इस प्रकार के डूबत ऋण की सही राशि ज्ञात हो। इसलिए हम इस प्रकार की हानियों का उचित अनुमान लगा लेते हैं। इस प्रकार का प्रावधान *संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान* कहलाता है और इसे लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष की और दर्शाकर बनायेंगे। इस संबंध में निम्न प्रविष्टि अभिलेखित की जायेगी।

लाभ हानि खाता	नाम		
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान खाते से			

तुलन–पत्र के परिसम्पति पक्ष में संदिग्ध *ऋणों के लिये प्रावधान* को देनदारों में से घटाकार दिखाया जाएगा। अब हम यह मानते है कि अंकित यह महसूस करता है कि आगामी वर्ष 31 मार्च, 2017 को उसके 5% देनदार अपना भुगतान नहीं कर पायेंगे। इससे यह प्रदर्शित होता है कि डूबत ऋण की राशि 650 रूपये होगी (13,000 रु. × 5%)। इस संदर्भ में अंकित को निम्न समायोजन प्रविष्टि अभिलेखित करने की आवश्यकता है।

लाभ–हानि खाता	नाम	650	
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान खाते से			650

इससे यह आश्य है कि चालू वर्ष में संदिग्ध ऋणों के कारण लाभ 650 रुपये से कम होगा।

तुलन–पत्र में इसको विविध देनदारों में से घटाकर दिखाया जायेगा।

वर्षान्त 31 मार्च, 2017 के लिये अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानियाँ		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिलाभ*		*राशि(रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		125,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा: बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000		सकल लाभ आ/ले		56,500
घटाया: पूर्वदत्त वेतन	(5,000)	20,000			
भवन का किराया		13,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
ह्रास–फर्नीचर		1,500	*जोड़ा:* उपार्जित कमीशन	(1,500)	6,500
डूबत ऋण	4,500				
जोड़ा: अन्य डूबत ऋण	2,500	7,000			
संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान		**650**			
निवल लाभ (अंकित के पुँजी खाते में हास्तांतरित)		20,850			
		63,000			63,000

31 मार्च, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
स्वामित्व पूँजी			*गैर चालू परिसंपत्तियाँ*		
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000	13,500
जोड़ा निवल लाभ	20,850	32,850	*घटाया* ह्रास	1,500	
गैर-चालू दायित्व			*चालू परिसम्पतियाँ*		
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	**देनदार**	**15,500**	
चालू दायित्व तथा प्रावधान			***घटाया*** **अन्य डूबत ऋण**	**(2,500)**	
				13,000	
			घटाया **संदिग्ध ऋण के**		
लेनदार		15,000	**लिए प्रावधान**	**(650)**	**12,350**
बकाया मजदूरी		500	पूर्वदत्त वेतन		5,000
अग्रिम प्राप्त किराया		3,000	उपार्जित कमीशन		1,500
			बैंक		5,000
			रोकड़		4,000
			अंतिम स्टॉक		15,000
		56,350			56,350

ऐसा भी देखा गया है कि किसी विशेष वर्ष के अंत में संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान आगामी वर्ष में हस्तांतरित कर दिया जाता है और इसे आगामी वर्ष में डूबत ऋण से होने वाली हानि को पूरा करने के लिये प्रयोग में लाया जाता है। गत वर्ष के संदिग्ध ऋणों के प्रावधान को *आरंभिक प्रावधान* या *पुराना प्रावधान* कहा जायेगा। जब कभी कोई प्रावधान पहले से ही दिया होता है तो वह हानि जो चालू वर्ष में डूबत ऋण के कारण हुई है को उतनी राशि से ही समायोजित किया जायेगा और तब चालू वर्ष में आवश्यक संदिग्ध ऋण की राशि के प्रावधान को नया प्रावधान कहेंगे। तलपट में दिये गये पुराने प्रावधान के शेष को भी खातों में लिया जायेगा। अब हम एक उदाहरण लेते हैं जिसमें डूबत ऋण और संदिग्ध ऋण के प्रावधान के अभिलेखन को समझ सकेंगे।

31 मार्च, 2017 को तलपट से ली गई सूचनायें नीचे दी गई है:

विविध देनदार	32,000
डूबत ऋण	2,000
संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	3,500

अतिरिक्त सूचनायें

अतिरिक्त डूबत ऋण में 1,000 रुपये अपलिखित कीजिये तथा संदिग्ध ऋण के लिये देनदारों पर 5% का प्रावधान करें। इस स्थिति में निम्न रोजनामचा प्रविष्टि अभिलेखित की जायेगी:

© NCERT not to be republished

तिथि	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि (रु.)	जमा राशि (रु.)
2017 31, मार्च	डूबत ऋण खाता विविध देनदार खाते से (अतिरिक्त डूबत ऋण)	नाम		1,000	1,000
	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान खाता डूबत ऋण खाते से (डूबत ऋण का समायोजन प्रावधान में किया)	नाम		3,000	3,000
	लाभ व हानि खाता संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान खाते से (राशि लाभ-हानि खाते में से ली गई)	नाम		1,050	1,050

वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिये लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

		राशि(रु.)		राशि(रु.)
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	2,000			
जोड़ा डूबत ऋण	1,000			
जोड़ा अन्य डूबत ऋण	1,550			
	4,550			
घटाया पुराना प्रावधान	3,500	1,050		

* केवल संबंधित मदें

31 मार्च 2017 को तुलन-पत्र

		विविध देनदार	32,000	
		घटाया अतिरिक्त डूबत ऋण	(1,000)	
			31,000	
		घटाया संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	1,550	29,450

* केवल संबधित मदें :

टिप्पणी: संदिग्ध ऋणों के लिये नये प्रावधान की राशि की गणना निम्न प्रकार की जायेगी:

$$31{,}000 \text{ रु.} \times \frac{5}{100} = 1{,}550 \text{ रु.}$$

9.10 देनदारों पर बट्टे का प्रावधान

एक व्यापारिक संस्थान आपने देनदारों को तुरन्त भुगतान हेतु प्रेरित करने के लिये बट्टा देती है। लेखांकन वर्ष में ग्राहक को दिये गए बट्टे की राशि का अनुमान, देनदारों पर बट्टे का प्रावधान बना कर लगाया जायेगा। बट्टे का प्रावधान अच्छे देनदारों पर बनाया जाता है जो कि अन्य डूबत ऋण तथा संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान की राशि को घटाकर प्राप्त होते हैं। देनदारों को बट्टे पर प्रावधान बनाने के लिये निम्न रोजनामचा प्रविष्टि अभिलेखित की जायेगी:

लाभ-हानि खाता	नाम		
देनदारों पर बट्टे का प्रावधान खाते से			

जैसा की ऊपर बताया गया है देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान केवल अच्छे देनदारों पर बनाया जाता है। इसकी गणना देनदारों की राशि में से संदिग्ध ऋणों को घटाने के पश्चात् होगी जो कि 12,350 रुपये है (13,500 रु. – 650 रु.)। अंकित को निम्न समायोजन प्रविष्टि के अभिलेखन की आवश्यकता है :

लाभ-हानि खाता	नाम	227	
देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान खाते से			227

यह चालू वर्ष के निवल लाभ को तुरन्त भुगतान प्राप्त होने पर दिये बट्टे के कारण 227 रुपये से कम कर देगा। इसको तुलन-पत्र में देनदार खाते में से घटाकर देनदारों का अनुमानित प्राप्य मूल्य 12,123 रुपये दिखाया जायेगा।

वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिये अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानियाँ		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
क्रय		75,000	बिक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000				
घटाया पूर्वदत्त वेतन	(5000)	20,000	सकल लाभ आ/ले		56,500
भवन का किराया		13,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
ह्रास-फर्नीचर		1,500	*जोड़ा* उपार्जित कमीशन	1,500	6,500
डूबत ऋण	4,500				
जोड़ा अतिरिक्त डूबत ऋण	2,500	7,000			
संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान		650			
देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान		**227**			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		**20,623**			
		63,000			63,000

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		राशि(रु.)	परिसम्पत्तियाँ		राशि(रु.)
स्वामित्व निधि			*गैर चालू परिसंपतियाँ*		
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000	
जोड़ा: निवल लाभ	20,623	32,623	*घटाया:* ह्रास	(1,500)	13,500
गैर-चालू दायित्व			*चालू परिसम्पतियाँ*		
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	**देनदार**	**15,500**	
चालू दायित्व तथा प्रावधान			**घटाया: अतिरिक्त**	**(2,500)**	
लेनदार		15,000	**डूबत ऋण**		
बकाया मजदूरी		500		**13,000**	
अग्रिम प्राप्त किराया		3,000	**घटाया: संदिग्ध**	**650**	
			ऋण के लिए प्रावधान	**12,350**	
			घटाया: देनदारों पर बट्टे		
			के लिये प्रावधान	(227)	**12,123**
			पूर्वदत्त वेतन		5,000
			उपार्जित कमीशन		1,500
			बैंक		5,000
			रोकड़		4,000
			अंतिम स्टॉक		15,000
		56,123			56,123

आगामी वर्ष में बट्टे की राशि को देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान खाते में हस्तांतरित किया जायेगा। इस खाते का व्यवहार संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान खाते की तरह ही होगा।

9.11 प्रबंधक कमीशन

कभी-कभी व्यापार के प्रबंधक को कंपनी के निवल लाभ में से कमीशन दिया जाता है। लाभ पर कमीशन के प्रतिशत की गणना या तो लाभ पर प्रभार के रूप में पहले या प्रभार के बाद कमीशन पर की जा सकती है। किसी भी सूचना के आभाव में यह मान लेते हैं कि कमीशन के प्रतिशत की गणना निवल लाभ कमीशन लगाने से पहले की गई है। मान लीजिये, की व्यवसाय का निवल लाभ 110 रु. है। यदि कमीशन 10% की दर से दिया जाता है तो कमीशन की गणना निम्न प्रकार होगी:

110 रुपये × 10/100 = 11 रुपये

यदि कमीशन लाभ प्रभार लगाने के पश्चात लाभ का 10% है तब गणना इस प्रकार होगी:

= लाभ से पहले कमीशन × कमीशन की दर /(100 + कमीशन)

= 110 × 10/110 = 10 रुपये

प्रबंधक कमीशन का समायोजन लेखा पुस्तकों में निम्न प्रविष्टि को अभिलेखित करके किया जायेगा।

© NCERT not to be republished

लाभ-हानि खाता नाम

प्रबंधक कमीशन खाते से

उदाहरण को पुनः देखते हुये यह मानते है कि अंकित का प्रबंधक 10% कमीशन का हकदार है। निवल लाभ पर प्रभार के रूप में कमीशन के प्रभाव को नीचे दिये गये लाभ व हानि खाते पर देखें यदि:

(i) निवल लाभ की राशि के कमीशन के प्रभार से पूर्व

(ii) निवल लाभ की राशि कमीशन के प्रभार के पश्चात्

(i) वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिये अंकित का व्यापारिक तथा लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानियाँ		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000		सकल लाभ आ/ले		56,500
घटाया पूर्वदत्त वेतन	5,000	20,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
भवन का किराया		13,000	*जोड़ा* उपार्जित कमीशन	(1,500)	6,500
ह्रास-फर्नीचर		1,500			
डूबत ऋण	4,500				
जोड़ा अतिरिक्त डूबत ऋण	2,500	7,000			
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान		650			
देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान		227			
प्रबंधक कमीशन		**2,062**			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		**28,561**			
		63,000			63,000

31 मार्च, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि (रु.)*
स्वामित्व निधि			*गैर चालू परिसंपतियाँ*		
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000	
जोड़ा निवल लाभ	18,561	30,561	*घटाया* ह्रास	(1,500)	13,500
गैर-चालू दायित्व			चालू परिसम्पतियाँ		
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	देनदार	15,500	
चालू दायित्व तथा प्रावधान			*घटाया* अतिरिक्त डूबत ऋण	(2,500)	13,000

लेनदार	15,000	*घटाया* संदिग्ध		
बकाया मजदूरी	500	ऋण के लिए प्रावधान		
अग्रिम प्राप्त किराया	3,000	*घटाया* देनदारों पर बट्टे		12,350
प्रबंधक का कमीशन बकाया	**2,062**	के लिये प्रावधान	(227)	12,123
		पूर्वदत्त वेतन		5,000
		उपार्जित कमीशन		1,500
		बेंक		5,000
		रोकड़		4,000
		अंतिम स्टॉक		15,000
	56,123			56,123

(ii) वर्षान्त 31 मार्च 2017 समाप्त वर्ष के लिये अंकित का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानियाँ		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
क्रय		75,000	विक्रय		1,25,000
मजदूरी	8,000		अंतिम स्टॉक		15,000
जोड़ा बकाया मजदूरी	500	8,500			
सकल लाभ आ/ला		56,500			
		1,40,000			1,40,000
वेतन	25,000		सकल लाभ आ/ले		56,500
घटाया पूर्वदत्त वेतन	5000	20,000	प्राप्त कमीशन	5,000	
भवन का किराया		13,000	*जोड़ा* उपार्जित कमीशन	(1,500)	6,500
ह्रास-फर्नीचर		1,500			
डूबत ऋण	4,500				
जोड़ा अतिरिक्त डूबत ऋण	2,500	7,000			
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान		650			
देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान		227			
प्रबंधक कमीशन		**1,875**			
निवल लाभ (अंकित के पूँजी खाते में हस्तांतरित)		**18,748**			
		63,000			63,000

© NCERT not to be republished

31 मार्च, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		राशि(रु.)	परिसम्पत्तियाँ		राशि(रु.)
स्वामित्व निधि			*गैर चालू परिसंपतियाँ*		
पूँजी	12,000		फर्नीचर	15,000	
जोड़ा निवल लाभ	18,748	30,748	*घटाया* ह्रास	(1,500)	13,500
गैर-चालू दायित्व			*चालू परिसम्पतियाँ*		
दीर्घ अवधि ऋण		5,000	देनदार	15,500	
चालू दायित्व तथा प्रावधान			*घटाया* अतिरिक्त डूबत ऋण	(2,500)	
लेनदार		15,000		13,000	
				(650)	
बकाया मजदूरी		500	*घटाया:* संदिग्ध ऋणों		
			के लिए प्रावधान	12,350	
अग्रिम प्राप्त किराया		3,000	*घटाया* देनदारों पर बट्टे		
प्रबंधक कमीशन बकाया		**1,875**	के लिये प्रावधान	(227)	12,123
			पूर्वदत्त वेतन		5,000
			उपार्जित कमीशन		1,500
			बेंक		5,000
			रोकड़		4,000
			अंतिम स्टॉक		15,000
		56,123			56,123

9.12 पूँजी पर ब्याज

कभी-कभी व्यापार का स्वामी यह जानना चाहता है कि पूँजी पर ब्याज लगाने के पश्चात् व्यवसाय के द्वारा कितना लाभ अर्जित किया गया है। इस स्थिति में ब्याज की गणना लेखांकन वर्ष के आरम्भ में दी गई दर के अनुसार की जायेगी। यदि कोई अतिरिक्त पूँजी वर्ष के दौरान लगाई गई हो तो ब्याज की गणना व्यापार में लगाई गई पूँजी की तिथि से की जायेगी। इस प्रकार के ब्याज का व्यवहार, व्यापार के लिये व्यय के रूप में किया जायेगा तथा लेखा पुस्तकों में अभिलेखन करने के लिये निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जायेगी।

पूँजी पर ब्याज खाता नाम
पूँजी खाते से

अंतिम खातों में इसे व्यय की भांति लाभ व हानि खाते के नाम पक्ष में तथा तुलन-पत्र में पूँजी में जोड़कर दिखाया जायेगा। यह मान लेते हैं कि अंकित पूँजी पर 5% की दर से ब्याज लगायेंगे। इस प्रकार यह राशि 600 रुपये होगी तथा रोजनामचा प्रविष्टि निम्न प्रकार अभिलेखित की जायेगी।

पूँजी पर ब्याज खाता	नाम	600	
पूँजी खाते से			600

इससे आशय कि शुद्ध लाभ में 600 रुपये की घटोत्तरी होगी, जिसके परिणामस्वरूप लाभ का घटा हुआ भाग तुलन-पत्र में पूँजी में जोड़ कर दर्शाया जायेगा। किन्तु, जब पूँजी पर ब्याज की राशि को पूँजी में जोड़ा जाएगा तब यह प्रभाव शून्य होगा, जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

	रुपये
पूँजी	12,000
जोड़ा: लाभ	17,961
	29,961
जोड़ा: पूँजी पर ब्याज	600
	30,561

स्वयं जाँचिये

सही उत्तर चिह्नित कीजिए:

1. राहुल का तलपट आपको निम्न सूचनाएँ उपलब्ध करवाता है

देनदार	80,000 रुपये
डूबत ऋण	2,000 रुपये
संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	4,000 रुपये

यह आवश्यक है कि संदिग्ध ऋणों के लिये 1,000 रुपये का प्रावधान हो। लाभ व हानि खाते के नाम/जमा पक्ष में राशि क्या होगी:

(क) 5,000 रुपये (नाम) (ख) 5,000 रुपये (नाम)

(ग) 1,000 रुपये (जमा) (घ) इनमें से कोई नहीं

2. यदि एक महीने का किराया अभी तक बकाया है तो समायोजन प्रविष्टि होगी:
   (क) बकाया किराया खाता नाम तथा किराया खाता जमा
   (ख) लाभ व हानि खाता नाम तथा किराया खाता जमा
   (ग) किराया खाता नाम तथा लाभ व हानि खाता जमा
   (घ) किराया खाता नाम तथा बकाया किराया खाता जमा
3. यदि 2,000 रुपये किराया अग्रिम प्राप्ति है तो समायोजन प्रविष्टि होगी:
   (क) लाभ-हानि खाता नाम तथा किराया खाता जमा
   (ख) अग्रिम किराया खाता नाम तथा लाभ-हानि खाता जमा
   (ग) किराया खाता नाम तथा बकाया किराया खाता जमा
   (घ) इनमें से कोई नहीं
4. यदि 1 अप्रैल 2016 को आरंभिक पूँजी 50,000 रुपये है तथा 1 जनवरी 2017 को 10,000 रुपये की अतिरिक्त पूँजी लगाई गई। पूँजी पर ब्याज 10% प्रतिवर्ष की दर से लगाया जाता है तो 31 मार्च 2017 को लाभ व हानि खाते में पूँजी पर ब्याज की राशि होगी :

© NCERT not to be republished

(क) 5,250 रुपये (ख) 6,000 रुपये

(ग) 4,000 रुपये (घ) 3,000 रुपये

5. यदि बीमा प्रीमियम का 1,000 रुपये भुगतान किया गया है तथा पूर्वदत्त बीमा 300 रुपये है तो लाभ व हानि खाते में बीमा प्रीमियम की राशि होगी:

(क) 1,300 रुपये (ख) 1,000 रुपये

(ग) 300 रुपये (घ) 700 रुपये

समायोजन	*समायोजन प्रविष्टि*		*व्यापार तथा लाभ व हानि खाते में व्यवहार*	*तुलन-पत्र में व्यवहार*
1. अंतिम स्टॉक	अंतिम स्टॉक खाता व्यापारिक खाते से	नाम	लाभ व हानि खाते के जमा पक्ष में	परिसम्पत्ति पक्ष में दर्शायेंगे
2. बकाया व्यय	व्यय खाता बकाया व्यय खाते से	नाम	नाम पक्ष में संबंधित व्यय में जोड़ेंगे	दयित्व पक्ष में दर्शायेंगे
3. पूर्वदत्त व्यय	पूर्वदत्त व्यय खाता व्यय खाते से	नाम	नाम पक्ष में संबंधित व्यय में से घटायेंगे	परिसंपत्ति पक्ष में दर्शायेंगे
4. उपार्जित आय	उपार्जित आय खाता आय खाते से	नाम	जमा पक्ष में संबंधित आय में जोड़ेंगे	परिसंपत्ति पक्ष में दर्शायेंगे
5. अग्रिम प्राप्त खाता	आय खाता अग्रिम प्राप्त आय खाते से	नाम	जमा पक्ष में संबंधित आय में से घटायेंगे	दायित्व पक्ष में दर्शायेंगे
6. ह्रास	ह्रास खाता परिसम्पत्ति खाते से	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	परिसंपत्ति के मूल्य मे से घटाकर दर्शायेंगे
7. संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	लाभ व हानि खाता संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान खातों से	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	देनदारों में से घटाकर दार्शायेंगे
8. देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान	लाभ व हानि खाता देनदारों पर बट्टे के लिये प्रावधान खाते से	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	देनदारों में से घटाकर दर्शायेंगे
9. प्रबंधक कमीशन	प्रबंधक कमीशन खाता बकाया कमीशन खाते से	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	दायित्व पक्ष में दर्शायेंगे
10. पूँजी पर ब्याज	पूँजी पर ब्याज खाता पूँजी खाते से	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	पूँजी में जोड़कर दर्शायेंगे
11. अतिरिक्त डूबत ऋण	डूबत ऋण खाता विविध देनदार खाता	नाम	नाम पक्ष में दर्शायेंगे	देनदारों में से घटायेंगे

चित्र ***9.2:*** *विभिन्न प्रकार के समायोजनों का उपचार दर्शाया गया है*

© NCERT not to be republished

उदाहरण 1

निम्न सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को व्यपार, लाभ व हानि खाता और तुलन–पत्र बनायें:

नाम शेष	*राशि (रु.)*	*जमा शेष*	*राशि (रु.)*
आहरण	6,300	पूँजी	1,50,000
बैंक में रोकड़	13,870	बट्टा प्राप्त	2,980
प्राप्य विषय	1,860	ऋण	15,000
भूमि व भवन	42,580	क्रय वापसी	1,450
फर्नीचर	5,130	विक्रय	2,81,500
बट्टा प्रदत्त	3,960	संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	4,650
बैंक शुल्क	100	लेनदार	18,670
वेतन	6,420		
क्रय	1,99,080		
स्टॉक (आरंभिक)	60,220		
विक्रय वापसी	1,870		
भाड़ा	5,170		
किराया व कर	7,680		
सामान्य व्यय	3,630		
सयन्त्र व मशीन	31,640		
देनदार	82,740		
डूबत ऋण	1,250		
बीमा	750		
	4,74,250		4,74,250

समायोजन:

1) अंतिम स्टॉक 70,000 रुपये।
2) देनदारों पर संदिग्ध ऋणों कें लिये 10% प्रावधान बनायें।
3) पूर्वदत्त बीमा 50 रुपये।
4) बकाया किराया 150 रुपये।
5) ऋण पर देय ब्याज 6% की दर से।

© NCERT not to be republished

हल

वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिए व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानियाँ		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
अरंभिक स्टॉक		60,220	विक्रय	2,81,500	
क्रय	1,99,080		*घटाया:* विक्रय वापसी	1,870	2,79,630
घटाया: क्रय वापसी	(1,450)	1,97,630	अंतिम स्टॉक		70,000
भाड़ा		5,170			
सकल लाभ आ/ला		86,610			
		3.49.630			3.49.630
बट्टा प्रदत्त		3,960	सकल लाभ आ/ले		86,610
बैंक शुल्क		100	प्राप्त बट्टा		2,980
वेतन		6,420			
किराया व कर	7,680				
जोड़ा बकाया किराया	150	7,830			
सामान्य व्यय		3.630			
बीमा	750				
घटाया पूर्वदत्त बीमा	(50)	700			
डूबत ऋण	1,250				
जोड़ा संदिग्ध ऋण के	8,274				
लिए नया प्रावधान	9,524				
घटाया: संदिग्ध ऋणों	(4,650)	4,874			
के लिये पूर्व प्रावधान					
ऋण पर बकाया ब्याज		9,00			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		61,176			
		89,490			89,490

31 मार्च, 2017 को अंकित का तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि(रु.)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
लेनदार		18,670	बैंक में रोकड़		13,870
ऋण	15,000				
जोड़ा ऋण पर बकाया व्याज	900	15,900	देनदार	82,740	
बकाया किराया		150	*घटाया:* संदिग्ध ऋणों के	(8,274)	74,466
			लिये प्रावधान		

© NCERT not to be republished

पूँजी	1,50,000		प्राप्य विपत्र	1,860
जोड़ाः शुद्ध लाभ	61,176		भूमि व भवन	42,580
	2,11,176		फर्नीचर	5,130
घटायाः आहरण	(6,300)	2,04,876	संयन्त्र व मशीनरी	31,640
			बीमा (पूर्वदत्त)	50
			अंतिम स्टॉक	70,000
		2,39,596		2,39,596

उदाहरण 2

निम्न सूचनायें योगिता की पुस्तकों से 31 मार्च 2017 को ली गई हैं:

नाम शेष	*राशि* रु.	*जमा शेष*	*राशि* रु.
हस्तस्थ रोकड़	540	विक्रय	98,780
बैंक में रोकड़	2,630	विक्रय वापसी	500
क्रय	40,675	पूँजी	62,000
क्रय वापसी	680	विविध लेनदार	6,300
मजदूरी	8,480	किराया	9,000
ईंधन व उर्जा	4,730		
विक्रय पर भाड़ा	3200		
क्रय पर भाड़ा	2040		
आरंभिक स्टॉक	5,760		
भवन	32,000		
भूमि	10,000		
मशीनरी	20,000		
वेतन	15,000		
पेटेंट	7,500		
सामान्य व्यय	3,000		
बीमा	600		
आहरण	5,245		
विविध देनदार	14,500		

निम्न समायोजनों को खातों में लेकर, 31 मार्च 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र तैयार करें:

(क) 31 मार्च 2017 को हस्तस्थ स्टॉक 6,800 रुपये।

(ख) मशीनरी पर 10% और पेटेंट पर 20% की दर से ह्रास लगायें।

(ग) मार्च 2017 का वेतन राशि 1,500 रुपये बकाया है।

© NCERT not to be republished

(घ) बीमा व्यय में 170 रुपये की राशि सम्मिलित है जिसकी पालीसी 30 सितंबर 2017, को समाप्त है।

(च) अन्य डूबत ऋण 725 रुपये है। लेनदारों पर 5% जिसकी पालीसी 30 सितंबर, 2017 को समाप्त है।

(छ) अप्राप्य किराया 1,000 रुपये।

हल

योगिता की पुस्तकें

वर्षान्त 31 मार्च 2017 वर्ष के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि* रु.	*आगम/अधिलाभ*		*राशि* रु.
अरंभिक स्टॉक		5,760			
क्रय	40,675		बिक्रय	98,780	
घटाया: क्रय वापसी	(500)	40,175	*घटाया:* विक्रय वापसी	(680)	98,100
मजदूरी		8,480	अंतिम स्टॉक		6,800
ईंधन व ऊर्जा		4,730			
क्रय पर भाड़ा		2,040			
सकल लाभ आ/ला		43,715			
		1,04,900			1,04,900
वेतन	15,000		सकल लाभ आ/ले		43,715
जोड़ा बकाया वेतन	1,500	16,500	किराया	9,000	
विक्रय पर भाड़ा		3,200	*जोड़ा* उपार्जित किराया	1,000	10,000
सामान्य व्यय		3,000			
बीमा	600				
घटाया पूर्वदत्त बीमा	(85)	515			
डूबत ऋण	725				
जोड़ा संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	689	1,414			
ह्रास: मशीनरी	2,000				
पेटेंट	1,500	3,500			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		25,586			
		53,715			53,715

31 मार्च 2017 को तुलन-पत्र

नाम **जमा**

दायित्व		*राशि* रु.	*परिसम्पत्तियाँ*		*राशि* रु.
विविध लेनदार		6,300	हस्तस्थ रोकड़		540
			बैंक में रोकड़		2,630
बकाया वेतन		1,500	विविध देनदार	14,500	
पूँजी	62,000		*घटाया:* डूबत ऋण	(725)	
जोड़ा: निवल लाभ	25,586			13,775	
	87,586		*घटाया:* संदिग्ध ऋणों		
घटाया: आहरण	(5,245)	82,341	के लिए प्रावधान	(689)	13,086
			पूर्वदत्त बीमा		85
			उपार्जित किराया		1,000
			भूमि		10,000
			भवन		32,000
			मशीनरी	20,000	
			घटाया ह्रास	(2,000)	18,000
			पेटेंट	7,500	
			घटाया ह्रास	(1,500)	6,000
			अंतिम स्टॉक		6,800
		90,141			90,141

उदाहरण 3

निम्न शेष श्री आर लाल की पुस्तकों से 31 मार्च 2017 को लिये गये हैं:

खाता शीर्षक	*राशि* रु.	*खाता शीर्षक*	*राशि* रु.
पूँजी	1,00,000	भवन	25,000
आहरण	17,600	किराया (जमा)	2,100
क्रय	80,000	विक्रय पर रेल भाड़ा	16,940
विक्रय	1,40,370	आंतरिक भाड़ा	2,310
क्रय वापसी	2,820	कार्यालय व्यय	1,340
स्टॉक 01 अप्रैल, 2016	11,460	मुद्रण व लेखन सामग्री	660
डूबत ऋण	1,400	डाक व तार व्यय	820
संदिग्ध ऋणों का प्रावधान 01 अप्रैल, 2016	3,240	विविध देनदार	62,070
दर और बीमा	1,300	विविध लेनदार	18,920

© NCERT not to be republished

बट्टा (जमा)	190	बैंक में रोकड़	12,400
प्राप्य विपत्र	1,240	हस्तस्थ रोकड़	2,210
विक्रय वापसी	4,240	कार्यालय फर्नीचर	3,500
मजदूरी	6,280	वेतन और कमीशन	9,870
		भवन में अतिरिक्त निर्माण	7,000

निम्नलिखित समयोजन को ध्यान में रखते हुये 31 मार्च 2017 को व्यापार और लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र बनायें।

(1) पुराने भवन पर 625 रुपये व भवन के अतिरिक्त निर्माण पर 2% और कार्यालय फर्नीचर पर 5% ह्रास लगाये।

(2) अन्य डूबत ऋण 570 रुपये है।

(3) संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान को 6% तक करें।

(4) 31 मार्च 2017 को बकाया वेतन 570 रुपये है।

(5) 31 मार्च 2017 को अप्राप्त किराया 200 रुपये है।

(6) पूँजी पर व्याज 5% लगाये।

(7) पूर्वदत्त बीमा 240 रुपये है।

(8) 31 मार्च 2017 को स्टॉक का मूल्य 14,290 रुपये है।

हल

आर. लाल की पुस्तकें

वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिए व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		*राशि (रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि (रु.)*
प्रारंभिक स्टॉक		11,460	विक्रय	1,40,370	
क्रय	80,000		*घटाया:* विक्रय वापसी	(4,240)	1,36,130
घटाया: क्रय वापसी	(2,820)	77,180	अंतिम स्टॉक		14,290
आंतरिक भाड़ा		2,310			
मजदूरी		6,280			
सकल लाभ आ/ला		53,190			
		1,50,420			1,50,420

© NCERT not to be republished

विक्रय पर रेल भाड़ा		16,940	सकल लाभ आ/ले		53,190
कार्यालय व्यय		1,340	किराया	2,100	
डाक व तार व्यय		820	*जोड़ा:* अप्राप्त किराया	200	2,300
मुद्रण व लेखन सामग्री		660	बट्टा		190
वेतन और कमीशन	9,870				
जोड़ा बकाया वेतन	(570)	10,440			
रेट्स व वीमा	1,300				
घटाया: पूर्वदत्त बीमा	(240)	1,060			
डूबत ऋण	1,400				
जोड़ा: आंतरिक डूबत ऋण	570				
जोड़ा: संदिग्ध ऋणों के	3,690				
लिये नया प्रावधान	5,660				
घटाया: संदिग्ध ऋण के लिये					
पुराना प्रावधान	(3,240)	2,420			
पूँजी पर ब्याज		5,000			
भवन पर ह्रास		625			
अतिरिक्त भवन निर्माण पर ह्रास		140			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		16,060			
		55,680			55,680

31 मार्च 2017 को तुलन-पत्र

दयित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियां*		*राशि (रु.)*
विविध लेनदार		18,920	बैंक में रोकड़		12,400
पूँजी		1,00,000	हस्तस्थ रोकड़		2,210
बकाया वेतन	570		प्राप्य विपत्र		1,240
जोड़ा: निवल लाभ	160,60		देनदार	62,070	
जोड़ा: पूँजी पर ब्याज	5,000		*घटाया:* अतिरिक्त		
	121,060		डूबत ऋण	(570)	
घटाया: आहरण	(17,600)	1,03,460		61,500	
			घटाया: संदिग्ध ऋणों के लिये		
			नया प्रावधान	(3,690)	57,810
			अप्राप्त किराया		200
			पूर्वदत्त बीमा		240

© NCERT not to be republished

		भवन	25,000	
		घटाया: ह्रास	(625)	24,375
		अतिरिक्त भवन निर्माण	7,000	
		घटाया: ह्रास	(140)	6,860
		कार्यालय फर्नीचर	3,500	
		घटाया: ह्रास	(175)	3,375
		अंतिम स्टॉक		14,290
	1,22,950			1,22,950

उदाहरण 4

31 मार्च 2017 को मोहित ट्रेडर्स का व्यापार और लाभ व हानि खाता बनायें तथा इस तिथि को आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि तथा तुलन–पत्र बनायें।

नाम शेष	*राशि* रु.	*जमा शेष*	*राशि* रु.
आरंभिक स्टॉक	24,000	विक्रय	4,00,000
क्रय	1,60,000	क्रय वापसी	2,000
हस्तस्थ रोकड़	16,000	पूँजी	1,50,000
बैंक में रोकड़	32,000	लेनदार	64,000
विक्रय वापसी	4,000	देय विपत्र	20,000
मजदूरी	22,000	प्राप्त कमीशन	4,000
ईंधन व उर्जा	18,000		
अंतरिक ढूलाई भाड़ा	6,000		
बीमा	8,000		
भवन	1,00,000		
सयंन्त्र	80,000		
पेटेंट	30,000		
वेतन	28,000		
फर्नीचर	12,000		
आहरण	18,000		
किराया	2,000		
देनदार	80,000		
	6,40,000		6,40,000

समायोजन:

बकाया वेतन 12,000 रु., बकाया मजदूरी 6,000 रु., उपार्जित कमीशन 2,400 रु. ह्रास भवन पर 5% और सयन्त्र पर 3%, बीमा का पेशगी भुगतान 700 रु., अंतिम स्टॉक 12,000 रु.।

© NCERT not to be republished

मोहित ट्रेडर्स की पुस्तकें
रोजनमचा

तिथि	विवरण		ब.पृ.सं.	नाम राशि रु.	जमा राशि रु.
2017					
31 मार्च	वेतन खाता	नाम		12,000	
	मजदूरी खाता	नाम		6,000	
	बकाया वेतन खाते से				12,000
	बकाया मजदूरी खाते से				6,000
	(31 मार्च 2017 को वेतन व मजदूरी की अदत्त राशि)				
31 मार्च	पूर्वदत्त बीमा खाता	नाम		1,400	
	बीमा खाते से				1,400
	(बीमा का पेशगी भुगतान)				
	उपार्जित कमीशन खाता	नाम		2,400	
	कमीशन खाते से				2,400
	(अप्राप्त उपार्जित कमीशन)				
31 मार्च	ह्रास खाता	नाम		7,400	
	भवन खाते से				5,000
	संयन्त्र खाते से				2,400
	(भवन व संयन्त्र पर लगाया गया ह्रास)				
31 मार्च	लाभ व हानि खाता	नाम		1,23,700	
	पूँजी खाते से				12,3700
	(लाभ का पूँजी खाते में हस्तांतरण)				

वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		राशि(रु.)	आगम/अधिगम		राशि(रु.)
आरंभिक स्टॉक		24,000	विक्रय	4,00,000	
क्रय	1,60,000		*घटाया:* वापसी	(4,000)	3,96,000
घटाया: क्रय वापसी	(2,000)	1,58,000	अंतिम स्टॉक		12,000
मजदूरी	22,000				
जोड़ा बकाया मजदूरी	6,000	28,000			
इंधन व उर्जा		18,000			
आंतरिक ढुलाई भाड़ा		6,000			
सकल लाभ आ/ला		17,400			
		4,08,000			4,08,000

© NCERT not to be republished

वेतन	28,000		सकल लाभ आ/ले		1,74,000
जोड़ा: बकाया वेतन	12,000	40,000	प्राप्त कमीशन	4,000	
बीमा	8,000		*जोड़ा:* उपार्जित कमीशन	2,400	6,400
घटाया: पूर्वदत्त बीमा	(700)	7,300			
किराया		2,000			
ह्रास: भवन		5,000			
संयन्त्र		2,400			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		1,23,700			
		1,80,400			1,80,400

31 मार्च 2017 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि(रु.)*
लेनदार		64,000	हस्तस्थ रोकड़	16,000
देय विपत्र		20,000	बैंक में रोकड़	32,000
पूँजी	1,50,000		भवन	95,000
जोड़ा: निवल लाभ	1,23,700		संयन्त्र	77,600
	2,73,700		पेटेन्ट	30,000
घटाया आहरण	(18,000)	2,55,700	देनदार	80,000
बकाया वेतन		12,000	पूर्वदत्त बीमा	700
बकाया मजूदरी		6,000	उपार्जित कमीशन	2,400
			फर्नीचर	12,000
			अंतिम स्टॉक	12,000
		3,57,700		3,57,700

उदाहरण 5

निम्न सूचनायें मै. रणधीर ट्रांसपोर्ट कोरपोरेशन के तलपट से ली गई हैं:

नाम शेष	*राशि* रु.	*जमा शेष*	*राशि* रु.
आरंभिक स्टॉक	40,000	पूँजी	2,70,000
किराया	2,000	लेनदार	50,000
सयन्त्र व मशीनरी	1,20,000	देय विपत्र	50,000
भूमि व भवन	2,55,000	ऋण	1,10,000
क्रय	75,000	बट्टा	1,500
ऊर्जा	3,500	विक्रय	1,50,000
विक्रय वापसी	2,500	संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	1,000

© NCERT not to be republished

तार व डाक	400	समान्य आयोजन	50,000
मजदूरी	4,500		
वेतन	2,500		
बीमा	3,200		
बट्‌टा	1,000		
मरम्मत व परिस्थापना	2,000		
कानूनी व्यय	700		
व्यापार कर	1,200		
देनदार	75,000		
विनियोग	65,000		
डूबत ऋण	2,000		
व्यापार व्यय	4,500		
कमीशन	1,250		
यात्रा व्यय	1,230		
आहरण	20,020		
	6,82,500		6,82,500

समायोजन:

(1) इस वर्ष का अंतिम स्टॉक 35,500
(2) सयन्त्र व मशीनरी पर 5% और भूमि व भवन पर 6% ह्रास लगायें।
(3) आहरण पर ब्याज 6% तथा ऋण पर ब्याज 5% की दर से लगायें।
(4) विनियोग पर ब्याज 4% की दर से लगायें।
(5) अन्य डूबत ऋण 2,500 तथा देनदारों पर संदिग्ध ऋणों के लिए 5% का प्रावधान करें।
(6) देनदारों पर बट्‌टा 2% की दर से लगायें।
(7) बकाया वेतन 200 रुपये
(8) बकाया मजदूरी 100 रुपये
(9) पूर्वदत्त बीमा 500 रुपये

आप 31 मार्च 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

हल

रणधीर ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन की पुस्तकें
वर्षान्त 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		40,000	विक्रय	1,50,000	
क्रय		75,000	*घटाया* विक्रय वापसी	(2,500)	1,47,500
मजदूरी	4,500		अंतिम स्टॉक		35,500
जोड़ा बकाया मजदूरी	100	4,600			

उर्जा		3,500			
सकल लाभ आ/ला		59,900			
		1,83,000			1,83,000
किराया		2,000	सकल लाभ आ/ले		59,900
तार व डाक		400	विनियोग पर बकाया व्याज		2,600
वेतन	2,500		बट्टा		1,500
जोड़ा: अदत्त वेतन	200	2,700	आहरण पर ब्याज		1,200
बीमा	3,200				
घटाया: पूर्वदत्त बीमा	(500)	2,700			
बट्टा		1,000			
मरम्मत व प्रतिस्थापन व्यय		2,000			
कानूनी व्यय		700			
व्यापार कर		1,200			
व्यापार व्यय		4,500			
ऋण पर बकाया व्याज		5,500			
कमीशन		1,250			
यात्रा व्यय		1,230			
देनदारों पर वट्टा		1,450			
सयन्त्र व मशीनरी पर ह्रास		6,000			
भूमि व भवन पर ह्रास		15,300			
डूबत ऋण	2,000				
जोड़ा: अन्य डूबत ऋण	2,500				
जोड़ा: नया प्रावधान	3,553				
	8,053				
घटाया: पुराना प्रावधान	(1,000)	7,053			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		10,217			
		65,200			65,200

31 मार्च 2017 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि (रु.)*
लेनदार		50,000	देनदार	75,000	
देय विपत्र		50,000	*घटाया:* अन्य डूबत ऋण	(2,500)	
ऋण	1,10,000			72,500	
जोड़ा: बकाया ब्याज	5,500	1,15,500	*घटाया:* बट्टा	(1,450)	
समान्य प्रावधान		50,000		71,050	

© NCERT not to be republished

पूँजी	2,70,000		*घटाया:* नया प्रावधान	(3,553)	67,497
जोड़ा: निवल लाभ	10,217		विनियोग		65,000
	2,80,217		विनियोग पर अप्राप्त ब्याज		2,600
घटाया: आहरण	(20,020)		पूर्वदत्त बीमा		5,00
	2,60,197		सयन्त्र व मशीनरी		1,14,000
घटाया: आहरण पर ब्याज	(1,200)	2,58,997	भूमि व भवन		2,39,700
बकाया वेतन		200	अंतिम स्टॉक		35,500
बकाया मजदूरी		100			
		5,24,797			5,24,797

उदाहरण 6

केशव ब्रदर्स से प्राप्त निम्न शेषों से 31 मार्च 2017 को आप व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें

नाम शेष	*राशि(रु.)*	*जमा शेष*	*राशि(रु.)*
सयन्त्र व मशीनरी	1,30,000	विक्रय	3,00,000
देनदार	50,000	क्रय वापसी	2,500
व्याज	2,000	लेनदार	2,50,000
मजदूरी	1,200	देय विपत्र	70,000
वेतन	2,500	संदिग्ध ऋण के लिये प्रावधान	1,550
आंतरिक ढूलाई भाड़ा	500	पूँजी	2,20,000
बाह्य ढूलाई भाड़ा	700	प्राप्त किराया	10,380
विक्रय वापसी	2,000	प्राप्त किराया	16,000
कारखाने का किराया	1,450		
कार्यालय का किराया	2,300		
बीमा	780		
फर्नीचर	22,500		
भवन	2,80,000		
प्राप्य विपत्र	3,000		
हस्तस्थ रोकड़	22,500		
बैंक में रोकड़	35,000		
कमीशन	500		
आरंभिक स्टॉक	60,000		
क्रय	2,50,000		
डूबत ऋण	3,500		
	8,70,430		8,70,430

© NCERT not to be republished

समायोजनः

(i) संदिग्ध ऋणों के लिये 5% की दर से प्रावधान करें, व अन्य डूबत ऋण 2,000 रु.,
(ii) अग्रिम प्राप्त किराया 6,000 रु.
(iii) पूर्वदत्त बीमा 200 रु.।
(iv) फर्नीचर पर 5%, सयन्त्र व मशीनरी पर 6%, भवन पर 7% ह्रास लगायें।

हल

केशव ब्रदर्स की पुस्तकें
वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		60,000	विक्रय	3,00,000	
क्रय	2,50,000		*घटाया* विक्रय वापसी	(2,000)	2,98,000
घटाया क्रय वापसी	(2,500)	2,47,500	अंतिम स्टॉक		70,000
मजदूरी		1,200			
आंतरिक ढूलाई भाड़ा		500			
कारखाना किराया		1,450			
सकल लाभ आ/ला		57,350			
		3,68,000			3,68,000
ब्याज		2,000	सकल लाभ आ/ले		57,350
वेतन		2,500	प्राप्त किराया	10,380	
बाह्य ढुलाई भाड़ा		700	*घटाया* अग्रिम प्राप्त	(6,000)	4,380
कार्यालय का किराया	2,300	किराया			
बीमा	780		प्राप्त कमीशन		16,000
घटाया पूर्वदत्त बीमा	(200)	580			
फर्नीचर पर ह्रास		1,125			
सयन्त्र व मशीनरी पर ह्रास		7,800			
भवन पर ह्रास		19,600			
कमीशन		500			
डूबत ऋण	3,500				
जोड़ा अतिरिक्त डूबत ऋण	2,000				
जोड़ा नया प्रावधान	2,400				
	7,900				
घटाया पुराना प्रावधान	(1,550)	6,350			
निवल लाभ					
(पूँजी खाते में हस्तांतरित)		34,275			
		7,77,730			7,77,730

© NCERT not to be republished

31 मार्च 2017 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि(रु.)*	
लेनदार		2,50,000	हस्तस्थ रोकड़		22,500
देय विपत्र		70,000	बैंक में रोकड़		35,000
अग्रिम प्राप्त किराया		6,000	प्राप्य विपत्र		3,000
पूँजी	2,20,000		पूर्वदत्त बीमा	(50,000)	200
जोड़ा निवल लाभ	34,275	2,54,275	*घटाया:* देनदार अन्य	(2,000)	
			डूबत ऋण	48,000	
			घटाया: नया प्रावधान	(2,400)	45,600
			संयन्त्र व मशीनरी		1,22,200
			फर्नीचर		21,375
			भवन		2,60,400
			अंतिम स्टॉक		70,000
		5,80,275			5,80,275

उदाहरण 7

निम्न सूचनायें फेयर ब्रदर्स लि. के तलपट से ली गई हैं आप 31 मार्च 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन–पत्र बनायें।

नाम शेष	*राशि(रु.)*	*जमा शेष*	*राशि(रु.)*
रोकड़	20,000	विक्रय	3,61,000
मजदूरी	45,050	12 % ऋण (2016)	40,000
विक्रय वापसी	4,800	प्राप्त बट्टा	1,060
डूबत ऋण	4,620	क्रय वापसी	390
वेतन	16,000		
चुंगी	1,000	लेनदार	60,610
दान	250	पूँजी	75,000
मशीनरी	32,000		
देनदार (अनादृत विपत्र 1,600 रुपये सहित)	60,000		
स्टॉक	81,600		
क्रय	2,60,590		
मरम्मत	3,350		
ऋण पर ब्याज	12,00		
बिक्री कर	1,600		
बीमा	2,000		
किराया	4,000		
	5,38,060		5,38,060

समायोजन:

(1) 4,000 रुपये नयी मशीनरी को स्थापना में 1 अप्रैल 2016 को व्यय की गई मजदूरी सम्मिलत है।

(2) फर्नीचर पर 5% ह्रास लगायें।

(3) बकाया वेतन 1,600 रुपये।

(4) अंतिम स्टॉक 81,850 रुपये।

(5) देनदारों पर 5% का प्रावधान करें।

(6) विपत्र का आधी राशि ही प्राप्त हुई है।

(7) किराये का भुगतान 30 जून 2017 तक किया गया है।

(8) असमाप्त बीमा 600 रुपये।

हल

फेयर ब्रदर्स की पुस्तकें

31 मार्च 2017 के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		81,600	विक्रय	3,61,000	
क्रय	2,60,590		*घटाया:* विक्रय वापसी	(4,800)	3,56,200
घटाया: क्रय वापसी	(390)	2,60,200	अंतिम स्टॉक		81,850
मजदूरी	45,050				
घटाया: मशीनरी पर					
स्थापना मजदूरी	(4,000)	41.050			
चुंगी		1,000			
सकल लाभ आ/ला		54,200			
		4,38,050			4,38,050
वेतन	16,000		सकल लाभ आ/ले		54,200
जोड़ा: बकाया वेतन	1,600	17,600	प्राप्त बट्टा		1,060
मरम्मत		3,350			
डूबत ऋण	4,620				
जोड़ा: अतिरिक्त डूबत ऋण	800				
जोड़ा: नया प्रावधान	2,960	8,380			
ऋण पर ब्याज	1,200				
जोड़ा: बकाया ब्याज	2,400	3,600			
बिक्री कर	1,600				

बीमा	2,000			
घटाया: पूर्वदत्त बीमा	(600)	1,400		
दान	250			
किराया	4,000			
घटाया: पूर्वदत्त किराया	(1,000)	3,000		
मशीनरी पर ह्रास		1,800		
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		14,280		
		55,260		55,260

31 मार्च 2017 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
लेनदार		60,610	रोकड़		20,000
बकाया वेतन		1,600	देनदार	60,000	
ऋण		40,000	*घटाया:* डूबत ऋण	(800)	
बकाया ब्याज		2,400		59,200	
			घटाया: प्रावधान	(2,960)	
पूँजी	75,000				56,240
जोड़ा निवल लाभ	14,280	89,280	पूर्वदत्त किराया		1,000
			असमाप्त बीमा		600
			मशीनरी	32,000	
			जोड़ा: स्थापना मजदूरी	4,000	
				36,000	
			घटाया: ह्रास	(1,800)	34,200
			अंतिम स्टॉक		81,850
		1,93.890			1,93.890

उदाहरण 8

निम्न शेष हरीहरन बद्रर्स की पुस्तकों से लिये गये हैं, आप 31 दिसंबर 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र तैयार करें।

नाम शेष	*राशि(रु.)*	*जमा शेष*	*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक	16,000	पूँजी	1,00,000
क्रय	40,000	विक्रय	1,60,000
विक्रय वापसी	3,000	क्रय वापसी	800

© NCERT not to be republished

आंतरिक ढुलाई भाड़ा	2,400	परिच्छ्क्षु प्रीमियम	3,000
बाह्य ढुलाई भाड़ा	5,000	देय विपत्र	5,000
मजदूरी	6,600	लेनदार	31,600
वेतन	11,000		
किराया	2,200		
भाड़ा व गोदी व्यय	4,800		
अग्नि बीमा किस्त	1,800		
डूबत ऋण	4,200		
बट्टा	1,000		
छपाई व लेखन सामग्री	500		
दर व कर	700		
यात्रा व्यय	300		
व्यापार व्यय	400		
व्यापारिक परिसर	1,10,000		
फर्नीचर	5,000		
प्राप्य विपत्र	7,000		
देनदार	40,000		
मशीन	9,000		
ऋण	10,000		
विनियोग	6,000		
हस्तस्थ रोकड़	500		
बैंक में रोकड़	7,000		
स्वामी आहरण	6,000		
	3,00,400		3,00,400

समायोजन:

1. अंतिम स्टॉक 14,000 रु.।
2. बकाया मजदूरी 600 रु., बकाया वेतन 1,200 रुपये, बकाया किराया 200 रुपये।
3. अग्नि बीमा प्रिमियम की राशि में 1,200 रु. सम्मिलित हैं जिसका भुगतान 01 जुलाई 2016 को 1 वर्ष के लिये किया जो कि 01 जुलाई 2016 से 30 जून 2017 तक है।
4. प्रशिक्षु प्रिमियम की राशि 01 जनवरी 2016 को 3 वर्ष के लिये अग्रिम प्राप्त की गई।
5. लेखन सामग्री का बिल 60 रुपये बकाया है।
6. परिसर पर 5%, फर्नीचर पर 10%, मशीनरी पर 10% की दर से ह्रास लगायें।
7. दिये गये ऋण पर एक वर्ष का 7% ब्याज अप्राप्य है।
8. विनियोग पर ब्याज 5% की दर से 6 महीने का 31 दिसंबर, 2016 तक अप्राप्त है।

© NCERT not to be republished

9. पूँजी पर व्याज 5% रु. की दर से एक वर्ष का दिया जायेगा।
10. वर्ष में किये गये आहरण पर ब्याज का निर्धारण 160 रु. किया गया।

हल

हरिहरन ब्रदर्स की पुस्तकें

31 दिसंबर 2017 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापार तथा लाभ व हानि खाता

नाम **जमा**

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		16,000	विक्रय	1,60,000	
क्रय	40,000		*घटाया:* विक्रय वापसी	(3,000)	1,57,000
घटाया: क्रय वापसी	(800)	39,200	अंतिम स्टॉक		14,000
मजदूरी	6,600				
जोड़ा: बकाया मजदूरी	600	7,200			
आंतरिक ढुलाई भाड़ा		2,400			
भाड़ा व गोदी व्यय		4,800			
सकल लाभ आ/ले		101,400			
		1,71,000			1,71,000
वेतन	11,000		सकल लाभ आ/ला		1,01,400
जोड़ा: बकाया वेतन	1,000	12,000	परिच्क्षु प्रिमियम	3,000	
बाह्य ढुलाई भाड़ा		5,000	*घटाया:* अग्रिम प्रिमियम	(2,000)	1,000
दर व कर		700	ऋण पर अप्राप्त व्याज		700
छपाई व लेखन सामग्री	500		आहरण पर ब्याज		160
जोड़ा: बकाया बिल	60	560	विनियोग पर अप्राप्त व्याज		150
व्यापार व्यय		400			
यात्रा व्यय		300			
अग्नि बीमा	1,800				
घटाया: अग्रिम बीमा	(600)	1,200			
डूबत ऋण	4,200				
किराया	2,200				
जोड़ा: बकाया किराया	200	2,400			
पूँजी पर व्याज		5,000			
परिसर पर ह्रास		5,500			
फर्नीचर पर ह्रास		500			
मशीनरी पर ह्रास		900			
बट्टा		1,000			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		63,750			
		1,03,410			1,03,410

© NCERT not to be republished

31 दिसंबर 2017 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
पूँजी	1,00,000		परिसर	1,10,000	
जोड़ा: पूँजी पर ब्याज	5,000		*घटाया:* ह्रास	(5,500)	1,04,500
जोड़ा: निवल लाभ	63,750		फर्नीचर		4,500
	1,68,750		मशीनरी		8,100
घटाया: आहरण	(6,000)		देनदार		40,000
	1,62,750		प्राप्य विपत्र		7,000
घटाया: आहरण पर ब्याज	(160)	1,62,590	हस्तस्थ रोकड़		500
लेनदार		31,600	बैंक में रोकड़		7,000
देय विपत्र		5,000	ऋण	10,000	
बकाया मजदूरी		600	*जोड़ा:* अप्राप्त ब्याज	700	10,700
बकाया वेतन		1,000	विनियोग	6,000	
बकाया किराया		200	*जोड़ा:* अप्राप्त ब्याज	150	6,150
बकाया लेखन सामग्री बिल		60	अग्रिम बीमा		600
प्ररिच्क्षु प्रिमियम (अग्रिम)		2,000	अंतिम स्टॉक		14,000
		2,03,050			2,03,050

उदाहरण 9

निम्न शेष कोलकाता लिमिटेड के तलपट से लिये गये हैं आप 31 मार्च 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता बनायें। इस तिथि को तुलन-पत्र भी तैयार करें।

नाम शेष	*राशि(रु.)*	*जमा शेष*	*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक	6,000	पूँजी	20,000
फर्नीचर	1,200	विक्रय	41,300
आहरण	2,800	क्रय वापसी	4,000
हस्तस्थ रोकड़	3,000	बैंक अधिविकर्ष	4.000
क्रय वापसी	24,000	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	400
विक्रय वापसी	2,000	लेनदार	5,000
स्थापना व्यय	4,400	कमीशन	100
डूबत ऋण	1,000	देय विपत्र	5,100
देनदार	10,000	प्ररिच्क्षु प्रीमियम	500
ढुलाई	1,000		
प्राप्य विपत्र	6,000		
बैंक जमा	8,000		

© NCERT not to be republished

मजदूरी	1,000		
व्यापार व्यय	500		
बैंक शुल्क	400		
साधारण व्यय	1,000		
वेतन	2,000		
बीमा	1,500		
डाक व तार	500		
किराया, दर व कर	2,000		
कोल, गैस व पानी	2,000		
	80,300		80,300

समायोजनः

1. बकाया वेतन 100 रुपये, किराया व कर 200 रुपये, मजदूरी 100 रुपये ।
2. असमाप्त बीमा 500 रुपये।
3. अग्रिम प्राप्त कमीशन 50 रुपये।
4. बैंक जमा पर 500 रुपये ब्याज प्राप्त हुआ।
5. बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज 750 रुपये।
6. फर्नीचर पर ह्रास 10% की दर से लगायें।
7. अंतिम स्टॉक 9,000 रुपये है।
8. अन्य डूबत ऋण 200 रुपये, देनदारों पर 5% की दर से नया प्रावधान करें।
9. प्ररिच्क्षु प्रिमियम 100 रुपये अग्रिम प्राप्त हुआ।
10. आहरण पर ब्याज 6% की दर से लगायें।

हल

कोलकाता लिमिटेड की पुस्तकें
वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		6,000	विक्रय	41,300	
क्रय	24,000		*घटायाः* विक्रय वापसी	(2,000)	39,300
घटायाः क्रय वापसी	(4,000)	20,000	अंतिम स्टॉक		9,000
मजदूरी	1,000				
जोड़ाः बकाया मजदूरी	100	1,100			
कोयला, गैस व पानी		2,000			
सकल लाभ आ/ले		19,200			
		48,300			48,300

© NCERT not to be republished

स्थापना व्यय		4,400	सकल लाभ आ/ला		19,200
ढुलाई		1,000	कमीशन	100	
व्यापार व्यय		500	घटाया अग्रिम कमीशन	(50)	50
बैंक शुल्क		400	अप्राप्त ब्याज		500
साधारण व्यय		1,000	प्ररिच्क्षु प्रिमियम	500	
वेतन	2,000		घटाया अग्रिम प्राप्त	(100)	400
जोड़ा बकाया वेतन	100	2,100	आहरण पर ब्याज		168
बीमा	1,500				
घटाया अग्रिम बीमा	(500)	1,000			
डाक व तार		500			
किराया दर व कर		2,200			
बैंक अधिविकर्ष पर व्याज		750			
डूबत ऋण	1,000				
जोड़ा अतिरिक्त डूबत ऋण	200				
जोड़ा नया प्रावधान	490				
	1,690				
घटाया: पुराना प्रावधान	(400)	1,290			
फर्नीचर पर ह्रास		120			
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)		5,058			
		20,318			20,318

31 मार्च 2017 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
पूँजी	20,000		पूर्वदत्त बीमा		500
जोड़ा निवल लाभ	5,058		बैंक जमा	8,500	
	25,058		*जोड़ा* अप्राप्त व्याज	500	8,500
घटाया आहरण	(2,800)				
	22,258				
घटाया आहरण पर ब्याज	(168)	220,90	फर्नीचर		1,080
लेनदार		5,000	हस्तस्थ रोकड़		3,000
अग्रिम प्राप्त कमीशन		50	देनदार	10,000	
प्ररिच्क्षु प्रिमियम		100	*घटाया* अन्य डूबत ऋण	(200)	
बकाया मजदूरी		100		9,800	

बकाया वेतन		100	*घटाया:* संदिग्ध ऋण के	
बकाया किराया व कर		200	लिये प्रावधान 490	9,310
बैंक अधिविकर्ष	4,000		प्राप्य विपत्र	6,000
जोड़ा: बकाया ब्याज	750	4,750	अंतिम स्टॉक	9,000
देय विपत्र		5,000		
		37,390		37,390

उदाहरण 10

नीचे दिये गये तलपट से रॉनी प्लास्टिक लिमिटेड का 31 मार्च 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता और तुलन-पत्र बनायें।

नाम शेष	*राशि (रु.)*	*जमा शेष*	*राशि (रु.)*
आहरण	6,000	लेनदार	16,802
विविध देनदार	38,200	पूँजी	60,000
बाह्य ढुलाई भाड़ा	2,808	बंधक ऋण	17,000
स्थापना व्यय	16,194	संदिग्ध ऋण प्रावधान	1,420
ऋण पर ब्याज	400	विक्रय	2,22,486
हस्तस्थ रोकड़	6,100	क्रय वापसी	2,692
स्टॉक	11,678	बट्टा	880
मोटर कार	18,000	देय विपत्र	5,428
बैंक में रोकड़	9,110	प्राप्त किराया	500
भूमि व भवन	24,000		
डूबत ऋण	1,250		
क्रय	1,34,916		
विक्रय वापसी	15,642		
विज्ञापन	4,528		
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	7,858		
दर, कर, बीमा	7,782		
सामान्य व्यय	8,978		
प्राप्य विपत्र	13,764		
	3,27,208		3,27,208

समायोजन:

1. भूमि व भवन पर 5% की दर से, और मोटर कार पर 15% की दर से ह्रास लगायें।
2. 01 अप्रैल 2016 को 5% की दर से ब्याज पर ऋण लिया गया।

3. 1,200 रुपये का माल ग्राहक को 1,400 रुपये में 30 मार्च 2017 को विक्रय में प्रलेख किया गया।
4. वेतन के 1,400 रुपये व रेट्स के 800 रुपये अभी देने बाकी हैं।
5. विविध देनदारों पर संदिग्ध ऋण के लिये 5% तक प्रावधान किया गया।
6. अंतिम स्टॉक 13,700 रुपये है।
7. व्यापारी द्वारा 1,000 रुपये का माल निजी उपयोग के लिये लिया गया लेकिन इसकी प्रविष्टि खाता बहियों में नहीं की गई।
8. पूर्वदत्त बीमा 350 रुपये है।
9. प्रबन्धक को कमीशन 5% की दर से निवल लाभ पर कमीशन लगाने के पश्चात दे।

हल

रॉनी प्लास्टिक की पुस्तकें

वर्षान्त 31 मार्च 2017 के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता

नाम जमा

व्यय/हानि		*राशि(रु.)*	*आगम/अधिगम*		*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		11,678	विक्रय	22,486	
क्रय	1,34,916		*घटाया:* विक्रय वापसी	(15,642)	39,300
घटाया: क्रय वापसी	(2,692)			2,06,844	
	1,32,224				
घटाया: माल (आहरण)	(1,000)	131,224	*घटाया:* माल वापसी उधार	(1400)	2,05,444
आंतरिक ढुलाई भाड़ा		7,858	अंतिम स्टॉक	13,700	
सकल लाभ आ/ला		68.384			
		21,9144			21,9144
बकाया वेतन		1,400	सकल लाभ आ/ले	68,384	
बाह्य ढुलाई भाड़ा		2,808	बट्टा	880	
स्थापना व्यय		16,194	किराया	500	
डूबत ऋण	1,250				
जोड़ा: नया प्रावधान	1,840				
	3,090				
घटाया: पूर्व प्रावधान	(1,420)	1,670			
रेट्स व कर	7,782				
घटाया: पूर्वदत्त	(350)				
	7,432				
जोड़ा: बकाया	800	8,232			
विज्ञापन		4,528			
ऋण पर व्याज (400 रु. + 450 रु.)		850			
समान्य व्यय		8,978			

© NCERT not to be republished

ह्रासः			
भूमि व भवन 1,200			
जोड़ा: नया प्रावधान 2,700	3,900		
प्रबन्धक कमीशन	1,010		
निवल लाभ (पूँजी खाते में हस्तांतरित)	20,194		
	69,764		69,764

31 मार्च 2017 को तुलन-पत्र

दायित्व		*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*		*राशि(रु.)*
पूँजी	60,000		हस्तस्थ रोकड़		6,100
जोड़ा: निवल लाभ	20,194		बैंक में रोकड़		9,110
	80,194				
घटाया: आहरण	(6,000)		प्राप्य विपत्र		13,764
	74,194		देनदार	38,200	
घटाया: माल आहरण	(1,000)	73,194	*घटाया:* विक्रय वापसी	(1,400)	
ऋण	17,000		आधार	36,800	
जोड़ा: ब्याज	450	17,450	*घटाया:* नया प्रावधान	(1,840)	34,960
देय विपत्र		5,428	भूमि व भवन	24,000	
लेनदार		16,802	*घटाया:* ह्रास	(1,200)	22,800
बकाया वेतन		1,400	मोटर कार	18,000	9,310
बकाया दर व कर		800	*घटाया:* ह्रास	(2,700)	15,300
प्रबंधक कमीशन		1,010	पूर्वदत्त बीमा		350
			अंतिम स्टॉक		13,700
		1,16,084			1,16,084

स्वयं करें

1. मैसर्स करण की पुस्तकों से प्राप्त तलपट से मार्च 31, 2017 के लिए व्यापारिक एवं लाभ व हानि खाता तैयार करें:

विवरण	*नाम (रु)*	*जमा (रु)*
लेनदार/देनदार	2,05,000	96,000
देय विपत्र/प्राप्य विपत्र	10,000	9,600
15% ऋण	–	50,000

© NCERT not to be republished

क्रय विक्रय	2,80,000	12,00,000
बट्टा	4,000	3,000
डूबत ऋण प्राप्ति/डूबत ऋण	5,000	14,000
निवेश पर ब्याज	–	6,000
ऋण पर ब्याज	8,000	4,000
वाहन	6,50,000	–
रहतिया	3,00,000	–
10% निवेश (क्रय	1,80,000	4,000
दिनांक सितंबर 30, 2013		
रोकड़	20,000	
बैंक	37,000	
पूंजी/आहरण	9,000	4,50,000
क्रय पर ढुलाई	1,600	
विक्रय पर ढुलाई	4,400	
पैकिंग व्यय	2,000	
विक्रय पर ढुलाई	4,400	
पैकिंग व्यय	2,000	
किराया	3,000	7,000
बीमा		3,600
कार्यालय व प्रशासनिक व्यय	4,000	
बट्टा	2,000	3,000
10% ऋण	60,000	
डिलीवरी व्यय	4,000	
विक्रय एवं वितरण व्यय	10,000	
आयकर	2,000	
बकाया वेतन	–	1,000
विक्रय कर संग्रहण	–	3,000
प्ररिच्क्षु प्रीमियम	–	6,000
वापसियाँ	1,000	4,000
पशु धन	53,000	–
कमीशन	10,000	12,000
योग	**18,68,600**	**18,68,600**

© NCERT not to be republished

I अतिरिक्त सूचना

(1) अंतिम रहतिया की लागत 50,000 रु. है किन्तु बाज़ार मूल्य 40,000 रु. है।

(2) मार्च 2017 के लिए देय किराया 500 रु. है।

(3) आगामी बीमा राशि 900 रु. है।

(4) 1/3 कमीशन प्राप्त आगामी वर्ष के कार्य से संबंधित है और बीमा भुगतान की गई कमीशन का 1/4 भाग चालू वर्ष से संबंधित है।

(5) वाहन को 90% पुस्तक मूल्य पर आंका गया है।

II समायोजन (i), (ii) और (iv) के लेखांकन व्यवहार में प्रयुक्त लेखांकन परिकल्पनाओं को लिखें।

2. निम्नलिखित शेष अविका एंटरप्राइज़िज़ की पुस्तकों से मार्च 31, 2017 को किए गए हैं:

विवरण	*नाम (रु.)*	*जमा (रु.)*
पूंजी	–	24,500
आहरण	2,000	–
सामान्य व्यय	2,500	–
भवन	21,000	–
मशीनरी	9,340	–
रहतिया (1.1.13)	16,200	–
उर्जा	2,240	–
कर व बीमा	1,315	–
मज़दूरी	7,200	–
देनदार व लेनदार	6,280	2,500
दान	105	–
डबत ऋण	550	–
बैंक अधि विकर्ष	–	–
विक्रय एवं क्रय	13,500	65,360
रहतिया (31.03.2014)	23,500	–
मोटर वाहन	2,000	–
मोटर वाहन संबंधी व्यय	500	–
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	–	900
कमीशन	–	1,320
व्यापार व्यय	1,280	–
देय विपत्र	–	3,850
रोकड़	100	–
योग	1,09,610	1,09,610

© NCERT not to be republished

I समायोजन

(i) सामान्य व्ययों और कर व बीमा का 1/5 भाग फैक्टरी से संबंधित है और शेष कार्यालय से संबंधित है।

(ii) अतिरिक्त डूबत ऋण 160 रु रहे। संबंधित ऋणों के लिये 5% प्रावधान बनाएं और देनदारों पर 10% बट्टे का प्रावधान बनाऐं।

(iii) मशीनरी पर 10% ह्रास और मोटर वाहन पर 240 रुपये ह्रास लगाएं।

(iv) बैंक अधिविकर्ष पर 700 रुपये ब्याज लगाएं।

(v) 50 रुपये आगामी वर्ष के बीमा से संबंधित हैं।

(vi) 10% मैनेजर कमीशन का भुगतान इस कमीशन प्रीभाग के पश्चात उपलब्ध निवल लाभ पर किया जाएगा।

II समायोजन (i) (ii) और (iv) के लेखांकन व्यवहार में प्रयुक्त लेखांकन परिकल्पनाओं को लिखें।

3. मार्च 31, 2017 को अनुष्का एंटर प्राईजिज की पुस्तकों से ली गई सूचनाओं से अंतिम खाते तैयार करें।

विवरण	*राशि (रु.)*
लेनदार	2,00,000
SBI से ऋण	2,00,000
विक्रय	12,30,000
देनदार	2,00,000
अंशों पर लाभांश प्राप्ति	20,000
डूबत ऋण	2,000
डूबत ऋण वापसी	12,000
प्राप्य विपत्र	1,50,000
ऋण पर ब्याज	50,000
ख्याति	4,00,000
क्रय	2,10,000
रहतिया (1.4.2016)	1,00,000
बैंक	3,00,000
फैक्टरी की मरम्मत	40,000
पूंजी	7,24,000
अंकेक्षण शुल्क	6,000
फुटकर व्यय	4,000
वेतन	70,000
जीवन बीमा प्रीमियम	15,000
भवन	4,00,000
बीमा	25,000
विक्रय वापसी	12,000

© NCERT not to be republished

कर्मचारी भविष्यनिधि	60,000
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	75,000
आपूर्ति व्यय	8,000
बंदरगाह शुल्क (बाह्य)	6,000
पैकिंग व्यय	17,000
अग्रिम वेतन	30,000
गोदाम बीमा	13,000
विनिमय से हानि	9,000
बैंक शुल्क	5,000
आपूर्तिकर्ता से बोनस	3,45,000
क्रय वापसी	10,000
मशीनरी	8,00,000
विनिमय विपत्र को बट्टागत कराना	1,000

I समायोजन

(i) 500 रु की बकाया बीमा राशि का भुगतान 31 मार्च, 2017 तक नहीं किया गया।

(ii) असमाप्य वेतन 900 रु।

(iii) अतिरिक्त डूबत ऋण 2,000 रु और देनदारों पर 5% का प्रावधान।

(iv) मशीनरी को पुस्तक मूल्य के 90% की कमी पर लिखें।

(v) गोदाम से संग्रहित माल को कर्मचारी कल्याण में इस्तेमाल किया गया।

(vi) आधी राशि के प्राप्यविपत्र अप्राप्य रहे।

(vii) आधी राशि के प्राप्यविपत्र अप्राप्य रहे।

(viii) अंतिम रहतिया 4,000 रु है।

II समायोजन (i), (ii), (iii) और (iv) के लेखांकन व्यवहार में प्रयुक्त लेखांकन परिकल्पनाओं को लिखें।

4. अंकिता एंटरप्राइजिज से पुस्तकों से ली गई सूचनाओं के आधार पर अंतिम खाते तैयार करें।

विवरण	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
पूंजी	–	1,92,680
रोकड़	–	60
क्रय	17,980	–
विक्रय	–	22,120
बैंक	1,770	–
प्लांट	450	–
भूमि	3,000	–
उर्जा एवं बिजली	130	–
प्राप्य विपत्र	–	1,650
आंतरिक वापसी	–	60
वेतन	2,150	–

not to be republished © NCERT

लेनदार	–	63,780
देनदार	11,400	–
रहतिया (1.4.2013)	6,000	–
प्रिटिंग	450	–
देय विपत्र	3,750	–
कर	380	–
प्राप्त बट्टा	890	–
कमीशन (नाम)	–	–
ट्रक	25,000	–
फर्नीचर	–	12,000
मज़दूरी	2,00,000	–
आहरण	–	340
बाह्य वापसी	400	–
योग	2,73,750	2,73,750

I तलपट पुनः तैयार करें।

II समायोजन

(i) कर का भुगतान केवल 10 माह तक ही हुआ है।

(ii) 780 रु के लेनदार ने देय विपत्र स्वीकार किये।

(iii) फर्नीचर पर 10% ह्रास लगाएं।

(iv) ट्रक पर 21,000 रु का ह्रास लगाएं।

(v) मजदूरी में फर्नीचार बनवाई की मजदूरी सम्मलित है।

(vi) अंतिम रहतिया 2,00,000 रु है।

(vii) 10% मैनेजर कमीशन का भुगतान इस कमीशन भुगतान से पूर्व उपलब्ध निवल लाभ पर किया जाएगा।

(viii) 1.4.2016 को क्रय की गई भूमि के मूल्य से 50% कम पर किया गया।

II समायोजन (i), (ii), और (v) के लेखांकन व्यवहार में प्रयुक्त लेखांकन परिकल्पनाओं को लिखें।

इस अध्याय में प्रयुक्त शब्द

- बकाया/उपार्जित व्यय
- उपार्जित आय
- ह्रास
- संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान
- प्रबंधक का कमीशन
- शीर्ष प्रारूप
- पूर्वदत्त/असमाप्त व्यय
- अग्रिम प्राप्त आय
- डूबत ऋण
- देनदारों पर बट्टे का प्रावधान
- पूँजी पर ब्याज
- लम्बवत् प्रारूप

© NCERT not to be republished

अधिगम उद्देश्य के संदर्भ में सारांश

1. *समायोजन की आवश्यकता:* वित्तीय विवरणों को बनाने के लिये यह आवश्यक है कि लेखांकन के उपार्जन के सिद्धांत के आधार पर, लेखांकन वर्ष के अन्त में उत्पन्न सभी समायोजनों को कर लिया जाए। अंतिम खाते समायोजन सहित बनाते हुये दूसरी ध्यान देने योग्य बात है कि पूँजीगत तथा आगम मदों में अंतर किया जाए। समायोजन पर प्रभाव दिखाने के लिये जो प्रविष्टि अभिलेखित की जाती है समायोजन प्रविष्टि कहलाती है।
2. *बकाया व्यय:* लेखांकन वर्ष के अन्त में व्यापारिक संस्था के कुछ व्यय किसी एक या अनेक कारणों से भुगतान करने से रह जाते है इस प्रकार के व्यय बकाया व्यय कहलाते हैं।
3. *पूर्वदत्त व्यय:* लेखांकन वर्ष के अन्त में यह पाया जाता है कि कुछ व्ययों का लाभ पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हुआ है। कुल लाभ का कुछ भाग आगामी लेखांकन वर्ष में प्राप्त होगा। व्यय के उस भाग को जिसका लाभ आगामी वर्ष के दौरान मिलेगा, पूर्ववत व्यय कहलाता है।
4. *अनुपार्जित आय:* वह कुछ मदें जो व्यापारिक संस्थान को प्राप्त हो गयी है परन्तु इनकी समस्त राशि चालू वर्ष से संबंधित नहीं होती है। इस प्रकार की आय का वह भाग जो आगामी लेखांकन अवधि से सम्बंधित अग्रिम प्राप्त आय है को अनुपार्जित आय कहते हैं।
5. *ह्रास:* ह्रास सम्पत्तियों के मूल्य में समय के व्यतीत होने तथा उनमें होने वाली टूट-फूट के कारण कभी करता है। व्यवसाय में लाभ कमाने के उद्देश्य से प्रयोग की गई संपत्तियों की लागत की राशि का वह भाग जो अपलिखित कर दिया जाता है। तुलन-पत्र में परिसंपत्तियों में ह्रास की राशि को घटाकर दिखाया जाएगा।
6. *संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान:* व्यावसायिक क्रियाकलापों के दौरान यह सामान्य है कि कुछ ऋण प्राप्त नहीं होते, इसका अर्थ है कि वह राशि उनसे वसूल नहीं होगी। इस प्रकार के निश्चित तत्वों की राशि जो डूबत ऋण से संबंधित है प्रति वर्ष आय में से ली जाए।

अभ्यास के लिए प्रश्न

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. अंतिम खाते बनाते समय समायोजन प्रविष्टि को अभिलेखन करना क्यों आवश्यक है?
2. अंतिम स्टॉक से क्या आशय है? अंतिम खातों में इस का व्यवहार दर्शाइये।
3. अर्थ समझाइये:
   (क) बकाया व्यय
   (ख) पूर्वदत्त व्यय
   (ग) अग्रिम प्राप्त आय
   (घ) उपार्जित आय
4. आय विवरण और तुलन-पत्र का लम्बवत् प्रारूप बनाइये।
5. अंतिम खाते बनाते समय, संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान की आवश्यकता क्यों होती है।
6. निम्न को अभिलेखित करने के लिये कौन सी समायोजन प्रविष्टि की जायेंगी।
   (क) ह्रास
   (ख) देनदारों पर बट्टा
   (ग) पूँजी पर ब्याज

© NCERT not to be republished

(घ) प्रबंधक का कमीशन

7. देनदारों पर बट्‌टे के लिये प्रावधान से क्या आश्य है।

8. निम्न समायोजनों के लिये रोजनामचा प्रविष्टि लिखें:

(क) बकाया वेतन 3,500 रुपये।

(ख) 6,000 रुपये प्रतिवर्ष की दर से एक तिमाही का पूर्वदत बीमा।

(ग) 16,000 रुपये प्रतिवर्ष की दर से एक तिमाही का पूर्वदत बीमा।

(घ) 7,000 रुपये की लागत का फर्नीचर क्रय किया तथा क्रय पुस्तक में लिखा गया।

निबन्धात्मक प्रश्न

1. समायोजन प्रविष्टि क्या है? अंतिम खाते बनाते समय यह क्यों आवश्यक है।
2. संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान से आप क्या समझते हैं। इससे संबंधित खाते किस प्रकार बनाये जाते हैं तथा अंतिम खातों में रोजनामचा प्रविष्टि क्या होगी? संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान की राशि गणना किस प्रकार करेंगे।
3. अंतिम खाते बनाते समय, पूर्वदत्त व्यय, ह्रास और अंतिम स्टॉक का व्यवहार किस प्रकार करेंगे यदि:
   (क) यदि तलपट में दिये हो,
   (ख) यदि तलपट से बाहर हो,

अंकिक प्रश्न

1. राहुल संस से लिये गये शेषों से 31 मार्च 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए व्यापारिक और लाभ व हानि खाता बनाइये तथा वर्ष के अंत में तुलन-पत्र भी बनाइये।

खाता शीर्षक	*राशि (रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि (रु.)*
स्टॉक	50,000	विक्रय	1,80,000
मजदूरी	3,000	क्रय वापसी	2,000
वेतन	8,000	प्राप्त बट्‌टा	500
क्रय	1,75,000	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	2,500
विक्रय वापसी	3,000	पूँजी	3,00,000
विविध देनदार	82,000	देय विपत्र	22,000
बट्‌टा दिया	1,000	प्राप्त कमीशन	4,000
बीमा	3,200	किराया	6,000
किराया, दरें व कर	4,300	ऋण	34,800
फिक्सचर व फिटिंग्स	20,000		
व्यापारिक व्यय	1,500		
डूबत ऋण	2,000		

© NCERT not to be republished

आहरण	32,000		
मरम्मत एवं नवीनीकरण व्यय	1,600		
यात्रा व्यय	4,200		
डाक	300		
तार व्यय	200		
कानूनी शुल्क	500		
प्राप्य विपत्र	50,000		
भवन	1,10,000		
	5,51,800		5,51,800

समायोजन:

(1) अग्रिम प्राप्त कमीशन 1,000 रुपये।

(2) अप्राप्य किराया 2,000 रुपये।

(3) बकाया वेतन 1,000 रुपये और पूर्वदत्त बीमा 800 रुपये।

(4) अन्य डूबत ऋण 1,000 रुपये तथा देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान तथा देनदारों पर 2% की दर से बट्टा।

(5) अंतिम स्टॉक 32,000 रुपये।

(6) भवन पर ह्रास 6% वार्षिक की दर से।

(*उत्तर:* सकल हानि 17,000 रुपये, निवल हानि 43,189 रुपये, तुलन-पत्र का योग 28,3,611 रुपये)

2. ग्रीन क्लब लिमिटेड के तलपट से ली गई निम्न संख्याओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापारिक और लाभ व हानि खाता बनाइये:

खाता शीर्षक	*राशि (रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि (रु.)*
आरंभिक स्टॉक	35,000	विक्रय	2,50,000
क्रय	1,25,000	क्रय वापसी	6,000
विक्रय वापसी	25,000	लेनदार	10,000
डाक व तार	600	देय विपत्र	20,000
वेतन	12,300	बट्टा	1,000
मजदूरी	3,000	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	4,500
किराया एवं दर	1,000	प्राप्त व्याज	5,400
पैकेजिंग व परिवहन	500	पूँजी	7,500
समान्य व्यय	400		

बीमा	4,000		
देनदार	50,000		
हस्तस्थ रोकड़	20,000		
बैंक में रोकड़	40,000		
मशीनरी	20,000		
बिजली और ऊर्जा	5,000		
बट्टा	3,500		
डूबत ऋण	3,500		
विनियोग	23,100		
	3,71,900		3,71,900

समायोजन:

(1) मशीनरी पर 5% वर्षिक की दर से ह्रास लगाये।

(2) अन्य डूबत ऋण 1,500 रुपये, देनदारों पर बट्टा 5% की दर से तथा देनदारों पर 6% का प्रावधान करें।

(3) पूर्वदत्त मजदूरी 1,000 रु. है।

(4) विनियोगों पर 5% वार्षिक की दर से ब्याज है।

(5) अंतिम स्टॉक 10,000 रु. हैं।

(*उत्तर:* सकल लाभ 79,000 रु., निवल लाभ 52,565 रु. तुलन पत्र का योग 1,57,565 रु.)

3. निम्न शेष रनवे शाइन लिमिटेड की पुस्तकों से लिये गये हैं। 31 मार्च 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
क्रय	1,50,000	विक्रय	2,50,000
आरंभिक स्टॉक	50,000	क्रय वापसी	4,500
विक्रय वापसी	2,000	प्राप्त ब्याज	3,500
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	4,500	प्राप्त बट्टा	400
हस्तस्थ रोकड़	77,800	लेनदार	1,25,000
बैंक में रोकड़	60,800	देय विपत्र	6,040
मजदूरी	2,400	पूँजी	1,00,000
छपाई व लेखन सामग्री	4,500		
बट्टा	400		
डूबत ऋण	1,500		
बीमा	2,500		

विनियोग	32,000		
देनदार	53,000		
प्राप्य विपत्र	20,000		
डाक एवं तार व्यय	400		
ब्याज	1,000		
मरम्मत	440		
बिजली व्यय	500		
टेलीफोन व्यय	100		
बाह्य ढुलाई भाड़ा	400		
मोटर कार	25,000		
	4,89,440		4,89,440

समायोजन:

(1) अतिरिक्त डूबत ऋण 1,000 रुपये, देनदारों पर बट्टा 500 रुपये तथा देनदारों पर प्रावधान 5% की दर से करें।

(2) विनियोग पर 5% की दर से ब्याज प्राप्त होगा।

(3) बकाया मजदूरी तथा ब्याज 100 रुपये तथा 200 रुपये क्रमानुसार है।

(4) मोटर कार पर 5% वार्षिक की दर से ह्रास लगायें।

(5) अंतिम स्टॉक 32,500 रुपये।

(*उत्तर:* सकल लाभ 78,000 रुपये निवल लाभ 66,010, तुलन-पत्र का योग 2,97,350 रुपये)

4. निम्न सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिये, इंडियन स्पोर्ट्स हाउस का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
आहरण	20,000	पूँजी	2,00,000
विविध देनदार	80,000	क्रय वापसी	2,000
डूबत ऋण	1,000	बैंक अधिविकर्ष	12,000
व्यपार व्यय	2,400	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	4,000
छपाई व लेखन सामग्री	2,000		
किराया, दर व कर	5,000	विविध लेनदार	60,000
भाड़ा	4,000	देय विपत्र	15,400
विक्रय वापसी	7,000	विक्रय	2,76,000

आरंभिक स्टॉक	25,000		
क्रय	1,80,000		
फर्नीचर तथा फिक्सचर्स	20,000		
मशीनरी तथा सयन्त्र	1,00,000		
प्राप्य विपत्र	14,000		
मजदूरी	10,000		
हस्तस्थ रोकड़	6,000		
प्राप्त बट्टा	2,000		
विनियोग	40,000		
मोटर कार	51,000		
	5,69,400		5,69,400

समायोजन:

(1) अंतिम स्टॉक 45,000 रुपये है।

(2) संदिग्ध ऋणों के लिये देनदारों पर 2% की दर से प्रावधान बनायें।

(3) फर्नीचर तथा फिक्सचर पर 5 % की दर से, मशीनरी तथा सयन्त्र पर 6% की दर से तथा मोटर कार पर 10% की दर से ह्रास लगायें।

(4) 01 अक्तूबर 2016 को 30,000 रुपये की मशीन क्रय की गई।

(5) प्रबंधक को निवल लाभ का 10% कमीशन दिया जायेगा (कमीशन के पश्चात्)

(*उत्तर:* सकल लाभ 1,01,000 रुपये, निवल लाभ 68,909 रुपये, तुलन-पत्र का योग 3,43,200 रुपये, प्रबंधक कमीशन 6,891 रुपये)

5. नीचे दिये गये विवरण से शाईन लिमिडेट का व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करे।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
विविध देनदार	1,00,000	देय विपत्र	85,550
डूबत ऋण	3,000	विविध लेनदार	25,000
व्यापार व्यय	2,500	संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	1,500
छपाई व लेखन सामग्री	5,000	क्रय वापसी	4,500
किराया दरें व कर	3,450	पूँजी	2,50,000
भाड़ा	2,250	प्राप्त बट्टा	3,500
विक्रय वापसी	6,000	प्राप्त व्याज	11,260
मोटर कार	25,000	विक्रय	1,00,000

प्रारंभिक स्टॉक	75,550		
फर्नीचर व फिक्चर्स	15,500		
क्रय	75,000		
आहरण	13,560		
विनियोग	65,500		
हस्तस्थ रोकड़	36,000		
बैंक में रोकड़	53,000		
	4,81,310		4,81,310

समायोजनः

(1) अंतिम स्टॉक का मूल्य 35,000 रुपये है।

(2) डूबत ऋण के लिये देनदारों पर 5% की दर से ह्रास लगायें।

(3) अतिरिक्त संदिग्ध ऋणों 1,000 रुपये विविध देनदारों पर डूबत ऋण के लिय 5% की दर से, प्रावधान करे।

(4) मोटर कार पर 10% की दर से ह्रास लगायें।

(5) आहरण पर 6% की दर से ब्याज लगायें।

(6) बकाया किराया, दर व कर 200 रुपये है।

(7) देनदारों पर 2% बट्टा लगायें।

(*उत्तर:* सकल लाभ 17,050 रुपये, निवल हानि 27,482 रुपये, तुलन-पत्र का योग 3,18,894 रुपये)

6. निम्न शेष केश्व इलेक्ट्रोनिक्स के तलपट से लिये गये है आप 31 मार्च 2017 को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक	2,26,000	विक्रय	6,80,000
क्रय	4.40,000	क्रय वापसी	15,000
आहरण	75,000	लेनदार	50,000
भवन	1,00,000	देय विपत्र	63,700
मोटर वैन	30,000	प्राप्त व्याज	20,000
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	3,400	पूँजी	3,50,000
विक्रय वापसी	10,000		
व्यापार व्यय	3,300		

© NCERT not to be republished

उर्जा	8,000		
वेतन एवं मजदूरी	5,000		
कानूनी शुल्क	3,000		
डाक व तार	1,000		
डूबत ऋण	6,500		
हस्तस्थ रोकड़	79,000		
बैंक में रोकड़	98,000		
विविध देनदार	25,000		
विनियोग	40,000		
बीमा	3,500		
मशीनरी	22,000		
	11,78,700		11,78,700

निम्न सूचनायें उपलब्ध है:

(1) 31 मार्च 2017 को स्टॉक 30,000 रुपये है।

(2) भवन पर 5% तथा मोटर कार पर 10% ह्रास लगायें।

(3) विविध देनदारों पर 5% सदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान करें।

(4) असमाप्त बीमा 600 रुपये हैं।

(5) प्रबंधक को 5% कमीशन दिया जायेगा निवल लाभ पर कमीशन लगने के बाद।

(*उत्तर:* सकल लाभ 37,600 रुपये, निवल लाभ 25.381 रुपये, तुलन-पत्र का योग 4,15,350 रुपये प्रबंधक कमीशन 1,269 रुपये)

7. रागा लिमिटेड की पुस्तकों से ली गई सूचनाओं के आधार पर 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिये व्यापारिक लाभ व हानि खाता तथा इस तिथि की तुलन-पत्र बनाये।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
आहरण	20,000	विक्रय	2,20,000
भूमि व भवन	12,000	पूँजी	1,01,110
सयन्त्र एवं मशीनरी	40,000	बट्टा	1,260
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	100	परिच्क्षु प्रमियम	5,230
मजदूरी	500	देय विपत्र	1,28,870
वेतन	2,000	क्रय वापसी	10,000
विक्रय वापसी	200		
बैंक व्यय	200		

© NCERT not to be republished

कोयला गैस तथा पानी	1,200		
क्रय	1,50,000		
व्यापार व्यय	3,800		
स्टॉक (आरंभिक)	76,800		
बैंक में रोकड़	50,000		
दरें व कर	870		
प्राप्य विपत्र	24,500		
विविध देनदार	54,300		
हस्तस्थ रोकड़	30,000		
	4,66,470		4,66,470

अतिरिक्त सूचनायें निम्न हैं–

1. वर्ष के अंत में अंतिम स्टॉक का मूल्य 20,000 रुपये है।
2. सयन्त्र तथा मशीनरी पर 5% तथा भूमि तथा भवन पर 10% ह्रास लगायें।
3. देनदारों पर 3% बट्टा लगाये।
4. संदिग्ध ऋण के लिये देनदारों पर 5% का प्रावधान करें।
5. बकाया वेतन 100 रुपये तथा पूर्ववत मजदूरी 40 रुपये है।
6. प्रबंधक को 5% कमीशन निवल लाभ कमीशन लगने के पश्चात दिया जायेगा।

   (*उत्तर:* सकल लाभ 21,240 रुपये, निवल लाभ 12.664 रुपये, प्रबंधक कमीशन 633 रुपये तुलन-पत्र का योग 2,23,377 रुपये मैनेजर कमीशन 633 रु.)

8. निम्न शेष 31 मार्च 2017 को ग्रीन हाऊस की पुस्तकों से लिये गये है इस तिथि को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र तैयार करें।

खाता शीर्षक	*राशि(रु.)*	*खाता शीर्षक*	*राशि(रु.)*
क्रय	80,000	पूँजी	2,10,000
बैंक शेष	11,000	देय विपत्र	6,500
मजदूरी	34,000	विक्रय	2,00,000
देनदार	70,300	लेनदार	50,000
हस्तस्थ रोकड़	1,200	क्रय वापसी	4,000
कानूनी शुल्क	4,000		
भवन	60,000		
मशीनरी	1,20,000		
प्राप्य विपत्र	7,000		

© NCERT not to be republished

कार्यालय व्यय	3,000		
आरंभिक स्टॉक	45,000		
गैस तथा ईंधन	2,700		
ढुलाई तथा भाड़ा	3,500		
कारखाना प्रकाश	5,000		
कार्यालय फर्नीचर	5,000		
पेटेंट अधिकार	18,800		
	4,70,500		4,70,500

समायोजन:

(क) मशीनरी पर 10% तथा भवन पर 6% ह्रास लगायें।

(ख) पूँजी पर व्याज की दर 4% है।

(ग) बकाया मजदूरी 50 रुपये है।

(घ) अंतिम स्टॉक 50,000 रुपये है।

(उत्तर: सकल लाभ 83,750, निवल लाभ 52,750 रुपये, तुलन-पत्र का योग 3,27,700 रुपये)

9. 31 मार्च 2017 को मंजू चावला की पुस्तकों से निम्न शेष लिये गये हैं आप इस तिथि को व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें।

खाता शीर्षक		*नाम राशि(रु.)*	*जमा राशि(रु.)*
आरंभिक स्टॉक		10,000	
क्रय तथा विक्रय		40,000	80,000
वापसी		200	600
मजदूरी		6,000	
गोदी एवं निकासी व्यय		4,000	
बिजली		4,000	
विविध आय		500	
किराया			6,000
हस्तस्थ रोकड़			2,000
पूँजी			40,000
आहरण		2,000	
देनदार एवं लेनदार		6,000	7,000
रोकड़		3,000	
विनियोग		6,000	
पेटेंट		4,000	

© NCERT not to be republished

भूमि तथा मशीनरी		43,000	
दान तथा सहायता		600	
जमा बिक्री कर			1,000
फर्नीचर		11,300	
		1,36,600	1,36,600

अंतिम स्टॉक 2,000 रुपये का है

(क) आहरण पर 7% की दर से व्याज तथा पूँजी पर 5% की दर से व्याज लगायें।

(ख) भूमि तथा मशीनरी पर 5% का ह्रास लगायें।

(ग) विनियोग पर ब्याज की दर 6% है।

(घ) असमाप्त किराया 100 रुपये है।

(च) फर्नीचर पर 5% ह्रास लगाये।

(*उत्तर:* सकल लाभ 21,900 रुपये, निवल लाभ 25,185 रुपये, तुलन-पत्र का योग 71,185 रुपये)

10. निम्न शेष 31 मार्च 2017 को पंचशील गरमेंट्स की पुस्तकों से लिये गये है।

खाता शीर्षक राशि (रु.)	*नाम*	*खाता शीर्षक राशि (रु.)*	*जमा*
आरंभिक स्टॉक	16,000	विक्रय	1,12,000
क्रय	67,600	क्रय वापसी	3,200
विक्रय वापसी	4,600	बट्टा	1,400
आंतरिक ढुलाई भाड़ा	1,400	बैंक अधिविकर्ष	10,000
सामान्य व्यय	2,400	कमीशन	1,800
बीमा	4,000	लेनदार	16,000
स्कूटर व्यय	200	पूँजी	50,000
वेतन	8,800		
हस्तस्थ रोकड़	4,000		
स्कूटर	8,000		
फर्नीचर	5,200		
भवन	65,000		
देनदार	6,000		
मजदूरी	1,200		
	1,94,400		1,94,400

© NCERT not to be republished

दिसंबर को समाप्त वर्ष के नीचे व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा इस तिथि को तुलन-पत्र तैयार करें।

(क) असमाप्त बीमा 1,000 रुपये।

(ख) 1,800 रुपये वेतन देय है अभी भूगतान नहीं किया गया।

(ग) बकाया मजदूरी 200 रुपये है।

(घ) पूँजी पर ब्याज 5% लगायें।

(च) स्कूटर पर 5% की दर से ह्रास लगायें।

(छ) फर्नीचर पर 10% की दर से ह्रास लगायें।

(*उत्तरः* सकल लाभ 39,200 रुपये, निवल लाभ 22,780 रुपये, तुलन-पत्र का योग 1,03,280 रुपये)

11. निम्न शेष से 31 मार्च 2017 को कंट्रोल डिवाईस इंडिया का व्यापारिक तथा लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनायें:

खाता शीर्षक	*नाम राशि (रु.)*	*जमा राशि (रु.)*
आहरण तथा पूँजी	19,530	67,500
क्रय एवं विक्रय	45,000	1,12,500
वेतन तथा कमीशन	25,470	1,575
ढुलाई	2,700	
संयन्त्र तथा मशीनरी	27,000	
फर्नीचर	6,750	
आरंभिक स्टॉक	42,300	
बीमा की किस्त	2,700	
ब्याज		7,425
बैंक अधिविकर्ष		24,660
किराया व कर	2,160	
मजदूरी	11,215	
वापसीयाँ	2,385	1,440
वाह्य ढुलाई भाड़ा	1,485	
देनदार व लेनदार	36,000	58,500
समान्य व्यय	6,975	
चुंगी	530	
विनियोग	41,400	
	2,73,600	2,73,600

© NCERT not to be republished

अंतिम स्टॉक का मूल्य 20,000 रुपये है।

(क) पूँजी पर व्याज की दर 10%।

(ख) आहरण पर ब्याज की दर 5%।

(ग) बकाया मजदूरी 50 रुपये।

(घ) बकाया वेतन 20% रुपये।

(च) संयन्त्र तथा मशीनरी पर 5% का प्रावधान करें।

(छ) देनदारों पर 5% की दर से प्रावधान करें।

(उत्तर: सकल लाभ 29,760 रुपये, निवल हानि 8,973, तुलन-पत्र का योग 1,28,000 रुपये)

12. कपिल ट्रैडर्स के तलपट में 31 मार्च 2017 को निम्न शेष दिये गये हैं

विविध देनदार	30,500 रु.
डूबत ऋण	500 रु.
डूबत ऋण के लिये प्रावधान	2,000 रु.

फर्म के साझेदार इससे सहमत है कि फर्म की पुस्तकों में निम्न समायोजन का अभिलेखन करें, अन्य डूबत ऋण 300 रुपये, ऋण के लिये 10% का प्रावधान करें, उपरोक्त समायोजनो को डूबत ऋण खाता, प्रावधान खाता, देनदार खाता, लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र में दर्शायें।

(उत्तर: (नाम) लाभ व हानि खाता 1,820 रुपये)

13. निम्न सूचनाओं से 31 मार्च 2017 को डूबत ऋण खाता, प्रावधान खाता लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनाये।

	रु.
देनदार	80,000
डूबत ऋण	2,000
डूबत ऋण के लिये प्रावधान	5,000

समायोजन:

डूबत ऋण 500 रुपये, देनदारों पर 3% की दर से प्रावधान

(उत्तर: (जमा) लाभ व हानि खाता 115 रुपये)

स्वयं जांचिये हेतू जाँच सूची

1 (ग) 2 (घ) 3 (ख) 4 (क) 5 (घ)

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

© NCERT not to be republished

टिप्पणी

© NCERT
not to be republished